राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार,25सितम्बर2020 वर्ष–3, अंक –239 पृष्ठ–10 मूल्य–01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना वायरस संक्रमण : सऊदी अरब ने भारत आने जाने वाली उड़ानों पर रोक लगाई

नई दिल्ली। सऊदी अरब ने कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़ने के मद्देनजर भारत से आने और जाने वाली उड़ानों पर मंगलवार को रोक लगा दी है। एक आधिकारिक दस्तावेज में यह जानकारी दी गई है। जारी एक आदेश में सऊदी अरब के नागरिक विमानन महाप्राधिकरण (जीएसीए) ने कहा कि वह निम्नलिखित देशों (भारत, ब्राजील और अर्जेंटीना) से आने और जाने वाली यात्रा को निलंबित कर रहा है इसमें ऐसे व्यक्ति भी शामिल हैं जो सऊदी अरब आने से 14 दिन पहले उपरोक्त किसी भी देश में गए हैं। आदेश में ऐसे यात्रियों को छूट दी गई है जिनके पास आधिकारिक सरकारी न्योता है। सऊदी अरब और यूएई में बड़ी संख्या में प्रवासी भारतीय रहते हैं। पांच दिन पहले एयर इंडिया एक्सप्रेस ने कहा था कि दुबई नागरिक विमानन प्राधिकरण (डीसीएए) ने 28 अगस्त और 4 सितंबर को दो ऐसे यात्रियों को लाने के कारण उनकी उड़ान पर 24 घंटे की रोक लगाई है जिनमें पास कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि करने वाले प्रमाणपत्र थे। एक दिन की रोक के बाद एयर इंडिया एक्सप्रेस ने

शनिवार से दुबई के लिए उड़ाने शुरू कीं। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) सरकार के नियमों के अनुसार भारत से यात्रा करने वाले प्रत्येक यात्री को यात्रा से 96 घंटे पहले आरटी-पीसीआर परीक्षण कराना होगा और उनके पास परीक्षण में संक्रमण की पुष्टि नहीं होने वाला प्रमाणपत्र होना अनिवार्य है।

कृषि विधेयकों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगी केरल सरकार

तिरुवनंतपुरम। सीपीआई (एम) की अगुआई वाली केरल सरकार ने तीन दिन पहले संसद में पास किए गए कृषि विधेयकों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने का फैसला किया है। केरल सरकार ने बुधवार को यह फैसला लेते हुए कहा है कि मोदी सरकार की ओर से पास कराए गए विधेयक संघीय ढांचे का उल्लंघन करते हैं, क्योंकि कृषि समवर्ती सूची में आता है। इससे पहले राज्य के कृषि मंत्री वीसी सुनील कुमार ने कानूनी राय ली थी और उन्हें सलाह दी गई थी कि इन बिलों को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है। राज्य कैबिनेट ने बुधवार को

महामारी की चपेट में अब मोदी सरकार सुधारों के नाम पर कई नीतियां लेकर आई है। ये केवल बड़े फार्मिंग कॉर्पोरेट्स की मदद करेंगे। यद्यपि केरल कृषि आधारित राज्य नहीं है। कई कृषि संगठनों ने 25 सितंबर को राष्ट्रव्यापी विरोध को अपना समर्थन दिया है।

इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की और कहा गया कि केंद्र सरकार का फैसला राज्य की शक्तियों में दखल है और यह संघीय ढांचे के खिलाफ है। कोरोना संक्रमित होने की वजह से ऑनलाइन कैबिनेट की बैठक में शामिल हुए कुमार ने कहा, कृषि संविधान की सातवीं अनुसूची में हैं। इन विधेयकों को लाने से पहले एक भी राज्य से संपर्क नहीं किया गया। किसान संगठनों को भी अंधेरे में रखा गया। हम मानते हैं कि ये कानून केवल बड़े उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाएंगे। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार कृषि सहकारी समितियों और स्वयं सहायता समूहों में बड़े पैमाने पर एक वैकल्पिक तंत्र की शुरुआत करेगी। मंत्री ने कहा, देश भर में लाखों किसान दयनीय जीवन जी रहे हैं और कई आत्महत्या कर चुके हैं। महामारी की चपेट में अब मोदी सरकार सुधारों के नाम पर कई नीतियां लेकर आई है। ये केवल बड़े फार्मिंग कॉर्पोरेट्स की मदद करेंगे। यद्यपि केरल कृषि आधारित राज्य नहीं है। कई कृषि संगठनों ने 25 सितंबर को राष्ट्रव्यापी विरोध को अपना समर्थन दिया है। राज्यसभा में कृषि विधेयकों को पास कराए जाने के दौरान हंगामे की वजह से निलंबित किए गए 8 सांसदों में से दो केके रागेश और इलामारोम करीम केरल से हैं।

भारत-चीन सीमा विवाद-लद्दाख में कैसा रहेगा चीन का आक्रामक खेल ?

नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना के एक बड़े अधिकारी के अनुसार पूर्वी लद्दाख और अक्साई चिन क्षेत्र में भारी हथियारों और मिसाइलों के अलावा वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) में कम से कम 50,000 पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के सैनिकों की तैनाती न केवल चीन पर रूसी प्रभाव का संकेत है बल्कि युद्ध की योजना भी है।

अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर चीन की स्थिति और युद्ध योजना के बारे में बात करते हुए कहा कि अगर चीन अक्रामक होता है तो तोपखाने और रॉकेट के एक बैराज के तहत आगे बढ़ने वाले सैनिकों को शामिल करने की संभावना हो सकती है।

अधिकारी ने बताया, यह युद्ध लड़ने का पुराना सोवियत तरीका है, जिसमें सैनिक गहराई वाले क्षेत्रों में रहते हैं (इस मामले में वास्तविक नियंत्रण रेखा से 320 किलोमीटर दूर हॉटन एयरबेस) और वायु-रक्षा उन्हें कवर प्रदान करती है।÷ जबकि कई रणनीतिक विशेषज्ञों का मानना ??है कि भविष्य के किसी भी युद्ध को स्टैंड-ऑफ हथियारों से लड़ा जाएगा जो भारतीय सेनानियों को जमीन पर रहने के लिए मजबूर करेगा। अधिकारी ने कहा कि भारतीय वायुसेना की ÷फैलाने, अवशोषित करने, दोबारा प्राप्त करने और प्रतिकार करने÷ की रणनीति को चीन की योजनाओं को ध्वस्त करने के लिए पर्याप्त बार दोहराया गया है।

उन्होंने बताया कि भारतीय वायुसेना की प्रतिक्रिया पीएलए वायु सेना की तुलना में तेज है। जो कि हॉटन, ल्हासा या कशगर जैसे वायु ठिकानों से एलएसी की दूरी के कारण है और यह कि पीएलए की सतह से हवा में मार करने वाली स्थल कमजोर हो जाती हैं। वो बताते हैं,

एक बार जब एयर-डिफेंस मिसाइल सिस्टम बाहर निकलता है, तो तिब्बती रेगिस्तान पर बने हुए तोपखाने, रॉकेट और टुकड़ी की सांद्रता उजागर हो जाती है। जहां इन प्रणालियों के लिए कोई प्राकृतिक छलावरण नहीं है।÷

पिछले युद्धों से मिली है सीख

अधिकारी ने आगे कहा कि पीएलए ने सैनिकों को गहराई वाले क्षेत्रों में खड़ा किया है, जबकि पहाड़ी इलाकों पर किसी भी आक्रमण का लद्दाख में भारतीय सेना की तरह डग-इन विरोध करना आसान नहीं होगा। 1999 के कारगिल युद्ध ने भारतीय सेना को सिखाया कि जब आक्रमणकारी केंद्रित और उजागर होता है तो वह हवा के अवरोधन की चपेट में आ जाता है। यह भारतीय सैनिकों को मारने का प्रयास करता है। जो सर्दियों के महीनों में कठिन होता है और पैंगोंग त्सो के उत्तर और दक्षिण दोनों में रणनीतिक ऊंचाइयों पर हावी भी है। अधिकारी को भरोसा है कि भारतीय सेना सबसे खराब स्थिति में भी चीनी स्ट्राइक कर सकती है। सेना 10 दिनों तक चलने वाले गहन युद्ध के लिए भी तैयार है। नरेंद्र मोदी सरकार ने 2016 के उरी सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 बालाकोट में पाकिस्तान के खिलाफ हुए हमले के बाद महत्वपूर्ण गोला बारूद और मिसाइलों की आपातकालीन खरीद की अनुमति दी थी।

भारत की तैयारी

अधिकारी ने बताया किसी भी भारत-चीन शत्रुता को वैश्विक हस्तक्षेप के बिना 10 दिनों से अधिक तीव्र स्तर पर जारी रखने की संभावना नहीं है अधिकारी ने ये भी समझाया कि देशी गोला बारूद 40 दिनों के लिए और पारंपरिक बम 60 दिनों के लिए उपलब्ध है। चार से पांच राफेल विमानों पर द्वंद्व पायलट फ्रांस में प्रशिक्षण ले रहे हैं और अगले महीने अंबाला स्क्वाड्रन में शामिल होने के लिए तैयार हैं और एक नया लद्दाख वाहिनी कमांडर, लेफ्टिनेंट जनरल पीजीके मेनन, दोनों सेनाओं को समान रूप से मैच करते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। मई की शुरुआत में शुरू हुए तनाव में भारतीय और चीनी सैनिक एलएसी के साथ कई बिंदुओं पर आमने-सामने आ गए हैं। इनमें से कुछ क्षेत्रों में विशेष रूप से फिंगर एरिया और डेपसांग में, भारतीय बलों को उन बिंदुओं से हटा दिया गया है। जहां वे पहले गश्त कर सकते थे। लेकिन अब भारतीय सेना ने झील के दक्षिणी तट पर मौजूद रिगललाइन स्थितियों को नियंत्रित किया है जो इसे पूरी तरह से क्षेत्र में हावी होने और चीनी सैन्य गतिविधि पर नज़र रखने में मदद करती हैं। भारतीय सेना ने पैंगोंग त्सो के उत्तरी तट पर फिंगर 4 रिगलाइन पर पीएलए की तैनाती को देखते हुए प्रमुख ऊंचाइयों पर भी नियंत्रण कर लिया है। जहां प्रतिद्वंद्वी सैनिकों को एक-दूसरे से लगभग सौ मीटर की दूरी पर तैनात किया जाता है।

भारत में 2025 तक समाप्त हो जाएगा TB, साहसिक और प्रगतिशील नीतियों के साथ काम कर रहा देश-हर्षवर्धन

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने कहा है कि भारत 2015 तक कोरोना मुक्त हो जाएगा। वो डब्ल्यूएचओ के प्रमुख देशों के मंत्रियों, और संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों और साझेदार संगठनों के प्रतिनिधियों को संबोधितकर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत ने टीबी को देश से 2025 तक समाप्त करने के लिए प्राथमिकता दी है।

उन्होंने कहा कि तपेदिक काफी समय से अस्तित्व में है और एक प्रमुख वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या बनी हुई है। पिछले एक दशक में हुई प्रगति के बावजूद, टीबी दुनियाभर में प्रमुख संक्रामक जानलेवा बीमारी बनी हुई है।

टीबी को समाप्त करने के लिए भारत की तरफ से किए जा रहे प्रयासों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि साहिसक और प्रगतिशील नीतियों की मदद से भारत तपेदिक को देश से समाप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने आगे कहा कि गरीबी और अल्पपोषण टीबी की मरीजों के विकास के लिए सबसे बड़ा नकारत्मक कारक है। पोषण संबंधी सहायता के लिए हम साल 2018 से डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर के जरिए प्रोत्साहन राशि मुहैया करवा रहे हैं। अबी तक 30 लाख लाभार्थियों को 70 लाख 90 हजार की राशि मुहैया करवा चुके हैं। इसके आगे उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के लिए सस्ती और गुणवत्तापूर्ण टीबी देखभाल पहली प्राथमिकता है।

सुशांत सिंह ड्रग केस

NCB ने रकुल प्रीत सिंह को कल ही भेजा समन, अब तक एक्ट्रेस ने नहीं दिया कोई जवाब

मुंबई। सुशांत सिंह राजपूत केस में ड्रग्स एंगल का जांच कर रही नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण, श्रद्धा कपूर, सारा अली खान और रकुल प्रीत सिंह समेत 7 लोगों को पूछताछ के लिए समन जारी किया है। इन सभी को अलग-अलग दिन पर एनसीबी ने पूछताछ के लिए बुलाया है। आज रकुल प्रीत सिंह को भी पूछताछ के लिए आना था, मगर अब तक वह एसनसीबी दफ्तर नहीं पहुची हैं। इस बारे में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने कहा कि कल रकुल प्रीत सिंह को समन जारी किया गया था। हमने विभिन्न प्लेटफार्मों के माध्यम से उनसे संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने अभी तक कोई जवाब नहीं दिया है।

दरअसल, बुधवार को ही एनसीबी ने समन जारी कर

गुरुवार को अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह, सुशांत सिंह राजपूत की टैलेंट मैनेजर श्रुति मोदी और डिजाइनर सिमोन खंबाटा को बुलाया था। फिलहाल, डिजाइनर सिमोन खंबाटा एनसीबी दफ्तर में मौजूद हैं और उनसे पूछताछ जारी है।

एनसीबी के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दीपिका पादुकोण को शुक्रवार को बुलाया गया है। बता दें कि अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत मामले में ड्रग्स एंगल को लेकर एनसीबी की जांच के दौरान बॉलीवुड में ड्रग्स (मादक पदार्थ) का एक गठजोड़ सामने आया है । अधिकारी ने बताया कि एनसीबी ने अपनी जांच को बढ़ाते हुए इन %ए-सूची की हस्तियों को जांच में शामिल होने को कहा है। उन्होंने कहा कि मामले में कुछ लोगों से पूछताछ के दौरान इन लोगों के नाम सामने आये है। अधिकारी ने बताया कि दीपिका पादुकोण को अपना बयान दर्ज कराने के लिए 25 सितम्बर को बुलाया गया है, सारा अली खान और श्रद्धा कपूर को 26 सितम्बर जबकि रकुल प्रीत सिंह, राजपूत की टैलेंट मैनेजर श्रुति मोदी और डिजाइनर सिमोन खंबाटा को गुरुवार को पेश होने के लिए कहा गया है। एनसीबी के अधिकारी ने बताया कि मामले में एक टैलेंट मैनेजर जया साहा ने कुछ महत्वपूर्ण सूचनाएं दी हैं।

इससे पहले दीपिका पादुकोण की मैनेजर करिश्मा प्रकाश को जांच में शामिल होने के लिए बुलाया गया था लेकिन उन्होंने खराब स्वास्थ्य के कारण कुछ समय मांगा है और उन्हें शुक्रवार तक पेश होने से छूट दी गई है। एनसीबी सूत्रों ने बताया कि प्रकाश की व्हाट्सऐप बातचीत में एक %डी% के साथ ड्रग्स (मादक पदार्थों) के बारे में बातचीत शामिल है।

एनसीबी कथित तौर पर ड्रग्स खरीदने और उनका इस्तेमाल करने के लिए अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। रिया पिछले 15 दिनों से मुंबई की भायखला जेल में हैं। मुंबई की एक विशेष अदालत ने उनकी न्यायिक हिरासत 6 अक्टूबर तक बढ़ा दी है। बता दें कि जून में सुशांत सिंह राजपूत के मौत के बाद ड्रग्स का एंगल सामने आया और अब इसमें बड़े-बड़े नाम फंसते नजर आ रहे हैं।

दिल्ली दंगे की चार्जशीट में वृंदा करात, सलमान खुर्शीद समेत इन नेताओं के नाम

नयी दिल्ली। दिल्ली में फरवरी में हुए दंगों के सिलसिले में पुलिस ने जो आरोप-पत्र दायर किया है उसमें कहा गया है कि संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के विरोध में हो रहे प्रदर्शनों के दौरान भड़काऊ भाषण देने वाले नेताओं में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद, माकपा नेता बृंदा करात और उदित राज शामिल थे। पुलिस ने उत्तरपूर्वी दिल्ली में दंगों से संबंधित मामले में कांग्रेस की पूर्व पार्षद इशरत जहां और सुरक्षा प्राप्त एक गवाह का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने अपने बयानों में इन भाषणों का खुलासा किया है। आरोप-पत्र में कहा गया है कि सुरक्षा प्राप्त गवाह ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 161 के तहत रिकॉर्ड किए अपने बयान में कहा है कि कई जाने माने लोग मसलन नेता उदित राज, खुर्शीद, बृंदा करात खुरेजी स्थित प्रदर्शन स्थल पर आए थे और उन्होंने ''भड़काऊ भाषण'' दिए। गवाह ने कहा, '' सीएए/एनपीआर/एनआरसी के खिलाफ भाषण देने उदित राज, सलमान खुर्शीद, बृंदा करात, उमर खालिद जैसे कई जाने माने लोग खुरेजी वाले प्रदर्शन स्थल पर आया करते थे।'' आरोप-पत्र में आगे कहा गया है कि जहां ने अपने बयान में आरोप लगाया कि सीएए विरोधी प्रदर्शनों को जारी रखने के लिए खुर्शीद, फिल्मकार राहुल रॉय और भीम आर्मी के सदस्य हिमांशु जैसे लोगों को उन्होंने और कार्यकर्ता खालिद सैफी ने जामिया समन्वय समिति के निर्देशों पर बुलाया था। जहां ने कहा, ''प्रदर्शन को लंबे समय तक जारी रखने के लिए मैंने और खालिद सैफी ने जेसीसी के निर्देशों पर सलमान खुर्शीद, राहुल रॉय, भीम आर्मी के सदस्य हिमांशु, चंदन कुमार को बुलाया...उन्होंने भड़काऊ भाषण दिए जिसके कारण प्रदर्शन में बैठे सभी लोग सरकार के खिलाफ गुस्से से भर जाते थे।''

कोरोना से रिकवरी में बन रहा रिकॉर्ड-देश में लगातार पांचवें दिन नए केस से ज्यादा मरीज हुए ठीक

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। हर दिन कोरोना वायरस के पॉजिटिव मामले खौफनाक रिकॉर्ड बनाते जा रहे हैं, मगर इस बीच अच्छी खबर भी है। कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच राहत की बात यह है कि पिछले पांच दिनों से लगातार कोरोना वायरस से ठीक होने वालों की संख्या ने बड़ा उछाल देखने को मिल रहा है। स्वास्थ्य मंत्रलाय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले लगातार पांच दिनों में देश में हर रोज सामने आए कोरोना के पॉजिटिव केसों से अधिक रिकवरी करने वालों की संख्या है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने पिछले पांच दिनों का डेटा जारी किया है, जिसमें बताया गया है कि भारत में लगातार पिछले पांच दिनों से कोरोना से रिकवर होने वाले मरीजों की संख्या कोरोना वायरस के सामने आए नए केसों की संख्या से अधिक है। 19 सितंबर से 23 सितंबर तक यानी लगातार पांचवें दिन कोरोना के नए मामलों से अधिक इससे ठीक हो चुके लोगों की संख्या रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 19 सितंबर को 93337 नए करोना केस मिले थे, जबकि 95880 रिकवरी के मामले सामने आए थे। ठीक उसी तरह 20 सितंबर को 92605 कोरोना के नए केस थे, जबकि 94612 रिकवरी के केस थे। 21 सितंबर को 86961 कोरोना के नए केस आए और उस दिन ठीक होने वालों की संख्या 93356 थी। वहीं,

22 सितंबर को 75083 नए केस आए और रिकवरी की संख्या 101468 थी। इसके अलावा, 23 सितंबर को 83347 नए केस मिले, जबकि इससे ठीक हो चुके मरीजों की संख्या 89746 थी। इन आंकड़ों में एक दिन यानी 22 को रिकवरी केसों का आंकड़ा एक लाख पार था। गौरतलब है कि भारत में कोरोना वायरस के कुल मामलों की संख्या 56 लाख के आंकड़े को पार कर गई है। वहीं देश में एक्टिव केसों की संख्या करीब दस लाख है। बुधवार को भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के एक दिन में 83,347 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या 56 लाख से अधिक हो गई है। वहीं, इनमें से 45 लाख से अधिक लोग संक्रमणमुक्त हो चुके हैं।

कोरोना की एक और वैक्सीन ने दी गुड न्यूज, 60 हजार लोगों पर आखिरी ट्रायल शुरू

नई दिल्ली। मशहूर दवा कंपनी जॉनसन ऐंड जॉनसन ने कहा है कि वह अपनी कोरोना वायरस वैक्सीन का फेज 3 ट्रायल शुरू कर रही है। कंपनी के अनुसार, शुरुआती स्टेज में वैक्सीन ने पॉजिटिव रिजल्ट्स दिए हैं। फेज 3 ट्रायल में वैक्सीन को 60,000 लोगों पर आजमाया जाएगा। इसके लिए अमेरिका और बाकी दुनिया में 200 जगहें चुनी गई हैं। इसी के साथ, जॉनसन ऐंड जॉनसन की वैक्सीन दुनिया की दसवीं ऐसी कोरोना वैक्सीन बन गई है जो फेज 3 ट्रायल में पहुंची हैं। अमेरिका की यह चौथी ऐसी वैक्सीन है। कंपनी 'नॉट फॉर प्रॉफिट' के तहत यह वैक्सीन डेवलप कर रही है। उसने कहा कि अगर सबकुछ ठीक रहा तो 2021 की शुरुआत तक इसे

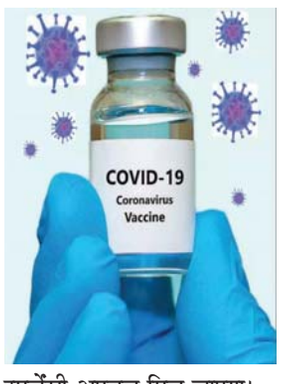

इमर्जेंसी अप्रूवल मिल जाएगा।

दिसंबर तक पता चल जाएगा, काम करती है या नहीं

जॉनसन ऐंड जॉनसन ने कहा कि उसे उम्मीद है कि दिसंबर तक यह साफ हो जाएगा कि वैक्सीन असरदार है या नहीं। मॉडर्ना और अस्त्राजेनेका ने भी लगभग इसी वक्त तक वैक्सीन के असर को लेकर नतीजे आने की बात कही है। फाइजर ने कहा है कि वह अक्टूबर तक वैक्सीन को लेकर अपडेट देगी।

बेहद सिंपल तकनीक से बनी है वैक्सीन-जॉनसन ऐंड जॉनसन की वैक्सीन सर्दी-खांसी देने वाले एडेनोवायरस की सिंगल डोज पर आधारित है। इसमें नए कोरोना वायरस के स्पाइक प्रोटीन को भी शामिल किया गया है। कंपनी ने यही तकनीक इबोला वैक्सीन के लिए भी इस्तेमाल की थी जिसे इस साल जुलाई में यूरोपियन कमिशन ने अप्रूवल दिया है।

ट्रंप ने की ट्रायल में शामिल होने की अपील

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी जॉनसन ऐंड जॉनसन की वैक्सीन को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि 'हम अमेरिकंस से वैक्सीन ट्रायल्स में शामिल होने की अपील करते हैं, यह देश के लिए बहुत अच्छा काम होगा।' वहीं दवा कंपनी के चेयरमैन एलेक्स गोर्स्की ने कहा कि 'कोविड-19 महामारी को खत्म करना ही हमारा मकसद है।'

अमेरिकी सरकार से भी मिली है फंडिंग-अमेरिका के टॉप हेल्थ एक्सपर्ट डॉ एंथनी फाउची ने कहा, "Sars-CoV-2 की पहचान होने के महज 8 महीनों के भीतर अमेरिका में कोविड-19 की चार वैक्सीन फेज 3 क्लिनिकल टेस्टिंग में पहुंच गई हैं। यह साइंटिफिक कम्युनिटी के लिए अभूतपूर्व सफलता है। अमेरिका ने जॉनसन ऐंड जॉनसन को ऑपरेशन वार्प स्पीड के तहत 1.45 बिलियन डॉलर रुपये दिए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

अप्रिय समापन

एक असाधारण स्थिति में मानसून सत्र के लिए बैठी संसद से देश की अपेक्षाएं भी असाधारण थीं। लेकिन भीषण महामारी, डांवांडोल अर्थव्यवस्था और सीमा पर तनाव की पृष्ठभूमि में हमारे माननीय सांसद देशवासियों को वैसी एकजुट आश्वस्ति नहीं दे सके, जैसी वे उनसे चाहते थे। निस्संदेह, दोनों सदनों में अहम विधायी कार्यों को निपटाया गया, लेकिन दुर्योग से यह सत्र अपनी विधायी उपलब्धियों से अधिक राज्यसभा के हंगामे और संसदीय मर्यादाओं के उल्लंघन के लिए ही याद किया जाएगा। यह संसद के अब तक के इतिहास में सबसे संक्षिप्त मानसून सत्रों में से एक के तौर पर भी गिना जाएगा। राज्यसभा की 18 बैठकें होनी थीं, मगर 10 बैठकों के बाद ही सत्र को स्थगित करते हुए सभापति वेंकैया नायडू ने कहा कि कोविड-19 की चुनौतियों को देखते हुए यह फैसला लेना पड़ रहा है। इसमें कोई दोराय नहीं कि इस महामारी से दुनिया भर में जान-माल का भारी नुकसान हो रहा है, और हमारे कई सांसद भी इस वायरस की जद में हैं। पर सत्र की समाप्ति के वक्त सदन की जो स्थिति थी, वह लोकतंत्र के लिए सुखद नहीं कही जा सकती। पिछले 68 वर्षों में हमारी संसद ने दुनिया भर को यह संदेश दिया है कि हम एक परिपक्व लोकतांत्रिक देश हैं और सत्ता व विपक्ष में तमाम नोकझोंक, असहमतियों के बावजूद हमारी संसदीय परंपरा में संवाद के जरिए आगे बढ़ने की पूरी गुंजाइश है। पिछले कुछ वर्षों से यह शक्ति क्षीण पड़ रही है। और इसका सबसे बड़ा प्रमाण यही है कि राज्यसभा का सत्र जिस वक्त स्थगित किया जा रहा था, उस समय उसके आठ सदस्य निलंबित थे और लगभग पूरा विपक्ष सदन से बाहर था। रवायत यह रही है कि सत्र के आखिरी दिन तमाम पार्टियों के सांसद आपसी राजनीतिक टकराहटों को भुलाकर एक खुशनुमा माहौल में अपने-अपने क्षेत्र की ओर कूच कर जाते हैं। मगर इस कसौटी पर यह सत्र खरा न उतर सका। सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों ने अपनी मुद्राएं नहीं बदलीं और एक अप्रिय मोड़ पर वे एक-दूसरे से विदा हुए। संसदीय लोकतंत्र की खूबसूरती सदनों की खाली सीटों से नहीं बढ़ती, यह बात सत्ता पक्ष को ज्यादा समझने की जरूरत होती है। खासकर संसदीय कार्य मंत्री की कुशलता इसी गतिरोध के दौरान आंकी जाती है। पिछले दो दशकों में ही प्रमोद महाजन, सुषमा स्वराज, गुलाम नबी आजाद आदि ने कई बार इसी हैसियत से अपनी सरकार के लिए विपक्ष का सहयोग हासिल किया था। पर अब संसदीय गतिरोधोंके दौरान यह कमी साफ-साफ महसूस की जा सकती है। हमारा संविधान विशाल है और उसमें लगभग सबकी भूमिका वर्णित है, मगर हमारे माननीयों को यह भी याद करने की जरूरत है कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ लोकतंत्र किसी पवित्र पोथी से अधिक नैतिक विश्वासों, स्थापित परंपराओं और निजी आचरणों से संचालित होते हैं। संसदीय लोकतंत्र में सत्ता पक्ष से कम विपक्ष की जिम्मेदारी नहीं होती। जनहित के मुद्दों को अपने-अपने नजरिये से पेश करने की भी एक मर्यादा है। राज्यसभा में बीते रविवार को जो घटा, उससे बचते हुए भी विपक्ष अपना प्रखर विरोध जता सकता था। मगर उच्च सदन के माननीयों ने इस मायने में निराश किया। दोनों पक्षों को भविष्य में यह ख्याल रखने की जरूरत है कि अधिकारों के अंधेपन में हमारी संसदीय परंपरा का जो कुछ सुंदर है, शुभ है, कोमलतम है, वह न हारे।

आज के ट्वीट

संघर्ष

बिहार के शिक्षकों ने तो बहुत बुरा समय देखा हैं, बहुत संघर्ष किया हैं। मुझे वह समय आज भी याद है जब बिहार के शिक्षक सड़कों पर आए दिन आन्दोलन करने के लिए मजबूर होते थे। कारण क्या होता था? छह महीने से वेतन नहीं मिला? साल भर से वेतन नहीं मिला? - राजनाथ सिंह

वैकल्पिक वैक्सीन पर भी वैज्ञानिकों की नजर

मुकुल व्यास

दुनिया में कोरोना वैक्सीन की रेस तेज हो गई है। वैक्सीन बनाने के लिए जहां अधिकांश रिसर्चर पारंपरिक वायरस-आधारित विधियां अपना रहे हैं, वहीं कुछ रिसर्चरों ने वैक्सीन निर्माण के लिए एक नयी टेक्नोलॉजी चुनी है। यह टेक्नोलॉजी मैसेंजर आरएनए (राइबोन्यूक्लिक एसिड) पर आधारित है। इस तरह की वैक्सीन को 'एमआरएनए' वैक्सीन भी कहा जाता है। आखिर क्या होती है यह एमआरएनए वैक्सीन? हमारे शरीर में मैसेंजर आरएनए डीएनए को आवश्यक प्रोटीन निर्मित करने के लिए सूचनाएं प्रेषित करता है। ये प्रोटीन हमारी कोशिकाओं और ऊतकों को रेगुलेट करते हैं लेकिन वायरस आरएनए का प्रयोग अपने कुत्सित इरादों के लिए करते हैं। वायरस में खुद को दोहराने या रेप्लिकेट करने के लिए कोशिका जैसी मशीनरी नहीं होती। अतः वे स्वस्थ कोशिकाओं पर हमला करके उनमें खुद को दोहराने लगते हैं। इसके परिणामस्वरूप बीमारी उत्पन्न होती है जो कभी-कभी मौत में बदल सकती है। कोरोना वायरस के स्पाइक प्रोटीन को सक्षम बनाने का काम मैसेंजर आरएनए ही करता है। ध्यान रहे कि स्पाइक प्रोटीन वायरस का मुख्य हथियार है, जिसके सहारे वह स्वस्थ कोशिकाओं के अंदर दाखिल होता है। वायरस जब फेफड़ों की कोशिकाओं पर हमला करता है तो स्थिति बिगड़ जाती है क्योंकि पीड़ित व्यक्ति को सांस लेने में कठिनाई होने लगती है। एमआरएनए वैक्सीन में उस आरएनए का कृत्रिम रूप होता है, जिसका इस्तेमाल वायरस प्रोटीन बनाने के लिए करता है। इस वैक्सीन में वायरस के प्रोटीन बनाने के लिए समुचित जानकारी नहीं होती। लेकिन शरीर की प्रतिरोधी प्रणाली इस वैक्सीन से चकमा खा जाती है। वह यह समझने लगती है कि कोई वायरस आ गया है। वह तुरंत हरकत में आ कर एंटीबॉडीज उत्पन्न करने लगती है। एंटीबॉडीज खास तरह के प्रोटीन होते हैं, जिन्हें प्रतिरोधी प्रणाली किसी वायरस से निपटने के लिए निर्मित करती है। फ्लू या मीजल्स जैसी पारंपरिक वैक्सीनों में शरीर में प्रतिरोधी प्रणाली को सक्रिय करने के लिए अल्प मात्रा में वायरस इंजेक्ट किया जाता है। ऐसी वैक्सीनों में या तो वायरस के शिथिल रूप को शामिल किया जाता है या फिर वैज्ञानिकों द्वारा नष्ट किए गए वायरस को शामिल किया जाता है। इस मृत वायरस के प्रोटीन भी शरीर में इम्यूनिटी उत्पन्न कर सकते हैं। अमेरिका में यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिल्वेनिया के इम्यूनोलॉजीजिस्ट ड्रयू वाइजमान का कहना है कि ऐसी वैक्सीनों में प्रयुक्त वायरस कभी-कभी पूरी तरह से नहीं मरता, हालांकि ऐसे मामले बहुत दुर्लभ होते हैं। कभी-कभी शिथिल किए गए वायरस की डोज इतनी तेज हो जाती है कि व्यक्ति बीमार हो जाता है। ऑक्सफोर्ड और एस्ट्राजेनेका की बहुचर्चित वैक्सीन का ट्रायल एक व्यक्ति के बीमार पड़ने के बाद बीच में ही रोकना पड़ा था, हालांकि यह ट्रायल अब दोबारा शुरू हो गया है। एमएनआरए वैक्सीन में इस तरह के खतरे नहीं होते क्योंकि उसमें कोई वायरस नहीं होता। वाइजमान ने कहा- आरएनए से कोई संक्रामक वायरस नहीं बनाया जा सकता। पारंपरिक वैक्सीन के साथ एक और बड़ी दिक्कत यह है कि इन्हें विकसित करने में बहुत वक्त लगता है। इनकी सेफ्टी को सुनिश्चित करने के लिए इनकी व्यापक स्तर पर टेस्टिंग करनी पड़ती है। महामारी के दौर में तेज रफ्तार बहुत जरूरी है। अतः वैक्सीन रिसर्चर अपने काम में तेजी ला रहे हैं। आरएनए का फायदा यह है कि वैक्सीन कुछ ही दिनों के अंदर तैयार की जा सकती है। नयी टेक्नोलॉजी को लेकर वैक्सीन बनाने वाली कंपनियों में मोडरेना और फाइजर-बायोएनटेक इस समय काफी चर्चित हैं। इन कंपनियों ने अब तक किए गए परीक्षणों में अपनी वैक्सीन से अच्छा इम्यून रेस्पांस मिलने का दावा किया है। मोडरेना के रिजल्ट नवंबर तक मिलने की उम्मीद है। नयी वैक्सीन बनाने से पहले वैज्ञानिक यह पता लगाते हैं कि वायरस के अंदर कौन-सा एमआरएनए कौन-सा प्रोटीन बनाता है। इसके पश्चात वे कृत्रिम आरएनए बना सकते हैं। वैज्ञानिक कृत्रिम एमआरएनए बनाने के लिए खास तरह के एंजाइम का प्रयोग करते हैं। इस तरह तैयार एमआरएनए को एक विशेष आवरण में रखा जाता है ताकि उसमें क्षय न हो। एमआरएनए का वैक्सीन के रूप में प्रयोग करने का विचार एकदम नया नहीं है। नब्बे के दशक में ही वैज्ञानिकों ने इस दिशा में काम शुरू कर दिया था। सबसे पहले उन्होंने चूहों में एंटीबॉडी रेस्पांस देखने के लिए उनमें एमआरएनए प्रविष्ट किया था। इन प्रारंभिक वर्षों में एमआरएनए प्रविष्ट करना खतरनाक था। कुछ मामलों में चूहों में एमआरएनए की डिलीवरी के बाद अत्यधिक सूजन उत्पन्न हो गई, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। इन चूहों ने आरएनए के शरीर में पहुंचने के बाद अपने स्वाभाविक इम्यून रेस्पांस को सक्रिय कर दिया था। स्तनपायी जीव खतरनाक दिखने वाले किसी अजनबी का प्रतिरोध करने के लिए अंधाधुंध रूप से यह तरीका अपनाते हैं। यह सबसे बड़ी बाधा थी क्योंकि रिसर्चर यह नहीं समझ पा रहे थे कि इस इम्यून रेस्पांस को किस तरह दबाया जाए। ऐसी स्थिति में एमआरएनए वैक्सीन बनाना मुश्किल था लेकिन 2000 के मध्य में स्थितियां बदलने लगीं। वाइजमान और उनके सहयोगी कैटलिन केरिको ने सूजन के जोखिम को दूर करने का तरीका खोज लिया। उन्होंने देखा कि एमआरएनए में कार्बन के अणु जैसे पदार्थ जोड़ कर उसकी सूजन पैदा करने की क्षमता को दूर किया जा सकता है। उन्होंने यह भी देखा कि इससे एमआरएनए के फंक्शन में कोई परिवर्तन नहीं होगा। हार्वर्ड की इम्यूनोलॉजिस्ट सारा सुलिमन का कहना है कि विश्व में कोविड महामारी की व्यापकता को देखते हुए किसी एक वैक्सीन से काम नहीं चलेगा। हमें कई तरह की वैक्सीनों की आवश्यकता पड़ेगी, जिनमें एमएनआरए वैक्सीन भी शामिल है। दूसरी बात यह है कि कोई भी अकेली कंपनी पूरे विश्व की मांग पूरा करने की स्थिति में नहीं है। वाइजमान को एमआरएनए वैक्सीन का भविष्य उज्जवल दिखाई देता है। उनका कहना है कि करोना महामारी के खत्म होने के बाद भी इस तरह की वैक्सीन दूसरी बीमारियों में काम आ सकती है। मसलन इस तरह की वैक्सीन बच्चों को इस समय दी जाने वाली वैक्सीनों के स्थान पर दी जा सकती है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ज्ञान गंगा

स्व-महत्व

श्रीराम शर्मा आचार्य

अध्यात्म का अर्थ है अपने आपे का विज्ञान। पदार्थ विज्ञान का, साइंस का अपना महत्व है। उसी के आधार पर मानवी प्रगति की सुविधा साधनों की अगणित उपलब्धियां हस्तगत हो सकती हैं। उन्हीं के सहारे मनुष्य भौतिक प्रगति के पथ पर आगे बढ़ा है और अन्य जीवधारियों की तुलना में अधिक साधन संपन्न बना है। अध्यात्म चेतना का विज्ञान है। मनुष्य के दो भाग हैं-एक जड़ और दूसरा चेतन। जड़ पंच तत्त्वों से बना शरीर है और चेतन आत्मा। जड़ शरीर के लिए जड़ जगत् से साधन उपक्रम प्राप्त होते हैं और उन्हें जुटाने के लिए भौतिक विज्ञान की विद्या अपनानी पड़ती है। ठीक इसी प्रकार आत्मा को चेतना की प्रगति और समृद्धि के लिए चेतना विज्ञान का सहारा लेना पड़ता है। अध्यात्म विज्ञान, ब्रह्म विद्या का प्रयोजन इसी महती आवश्यकता की पूर्ति करता है। अध्यात्म विज्ञान के लक्ष्य हैं-आत्म कल्याण, पूर्णता के परमात्मा स्तर तक पहुंचना। इस प्रयोजन की पूर्ति के लिए चार चरण निर्धारित हैं-1. आत्म चिंतन, 2. आत्म सुधार, 3. आत्म निर्माण, तथा 4. आत्म विकास। 1. आत्मचिंतन अर्थात् अपने चेतन, अजर-अमर शुद्ध चेतन स्वरूप का मान। शरीर और मन में अपनी स्वतंत्र एवं पृथक् सत्ता की प्रगाढ़ अनुभूति। 2. आत्म सुधार अर्थात् अपने ऊपर चढ़े हुए मल आवरण विक्षेप, कषाय-कल्मषों का निरूपण-निरीक्षण और सुसंपन्न स्थिति को विपन्नता में बदल देने वाली विकृतियों की समुचित जानकारी। 3. आत्म निर्माण अर्थात् विकृतियों को निरस्त करके उनके स्थान पर सद्भावनाओं और सत्प्रवृत्तियों की, उत्कृष्ट कर्तृत्व और आदर्श कर्तव्य स्थापित करने का सुनिश्चित संकल्प एवं साहसिक प्रयास। 4. आत्म विकास अर्थात् चिंतन और कर्तृत्व को लोक मंगल के लिए सत्प्रवृत्ति संवर्धन के लिए और परमात्मस्तर पर विकसित होने के लिए अधिकाधिक संयम, तप, त्याग-बलिदान को संतोष एवं आनंद की अनुभूति। इन चार चरणों में आत्म कल्याण का लक्ष्य प्राप्त होता है। आत्म कल्याण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जो कुछ करना पड़ता है, उसी का नाम उपासना एवं साधना के दो पहियों पर चलने वाली आत्मिक प्रगति यात्रा कह सकते हैं।

कानूनी सवालों के समाधान का प्रश्न

अनूप भटनागर

समलैंगिक वयस्कों द्वारा स्वेच्छा से संबंध बनाये जाने को अपराध के दायरे से बाहर करने की उच्चतम न्यायालय की दो साल पुरानी व्यवस्था के बाद आशंका के अनुरूप ही अब समलैंगिक जोड़े विवाह का अधिकार मांग रहे हैं। उच्चतम न्यायालय की व्यवस्था और कानूनों के प्रावधानों के मद्देनजर समलैंगिक जोड़ों को विवाह की मान्यता और इसे पंजीकरण की अनुमति के सवाल के समाधान की ओर सबकी निगाहें लगी हैं। समलैंगिक जोड़ों के विवाह का मामला हाल ही में दिल्ली उच्च न्यायालय में आया था, जिसका केन्द्र सरकार ने भारतीय संस्कृति, देश के कानून और सामाजिक मान्यताओं का हवाला देते हुए पुरजोर विरोध किया है। मौजूदा समय में देश में समलैंगिक जोड़ों के विवाह का कोई प्रावधान नहीं है। कानून में ऐसे जोड़ों के लिये बच्चा गोद लेने की भी व्यवस्था नहीं है। ये जोड़े चाहते हैं कि उनके विवाह को हिन्दू विवाह कानून और विशेष विवाह कानून के तहत मान्यता दी जाये। सितंबर, 2018 में तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश दीपक मिश्रा की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने एकांत में सहमति से समलैंगिक यौन संबंधों को भारतीय दंड संहिता की धारा 377 के तहत अपराध के दायरे से बाहर करते हुए कहा था कि एलजीबीटीक्यू समुदाय के सदस्यों को भी संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकारों के अंतर्गत गरिमा के साथ जीने का अधिकार है। शीर्ष अदालत में सुनवाई के दौरान केन्द्र सरकार ने एकांत में परस्पर सहमति से दो वयस्कों के बीच यौन संबंधों में धारा 377 की संवैधानिक वैधता का सवाल न्यायालय के विवेक पर छोड़ दिया था। लेकिन उसने यह स्पष्ट करने का अनुरोध किया था कि अपने साथी के चयन का अधिकार किसी विकृति की ओर नहीं बढ़ना चाहिए। न्यायालय के छह सितबर, 2018 के फैसले के तुरंत बाद ही इस समुदाय के एक सदस्य तुषार नैयर ने अपने समुदाय के सदस्यों के लिये समलैंगिक विवाह, बच्चा गोद लेने और किराये की कोख से संतान सुख प्राप्त करने जैसे नागरिक अधिकारों की मांग करते हुए शीर्ष अदालत में याचिका दायर की थी। न्यायालय ने 29 अक्तूबर, 2018 को यह याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद, न्यायमूर्ति एन. वी. रमण, न्यायमूर्ति एस. अब्दुल नजीर और न्यायमूर्ति दीपक गुप्ता की तीन सदस्यीय पीठ ने 11 जुलाई, 2019 को इन्हीं मुद्दों पर पुनर्विचार याचिका भी खारिज कर दी थी। संविधान पीठ के फैसले के बाद सरकार ने ट्रांसजेंडर समुदाय के व्यक्तियों के अधिकारों के संरक्षण के लिये संसद में एक विधेयक पेश किया। इस विधेयक को लोकसभा ओर राज्यसभा ने पिछले साल अगस्त और नवंबर में पारित किया था। राष्ट्रपति की संस्तुति मिलने के बाद यह कानून 10 जनवरी, 2020 से देश में लागू है। यह कानून समलैंगिकों के विवाह करने, विवाह के पंजीकरण और बच्चा गोद लेने जैसे अधिकार के बारे में खामोश है। इस कानून के तहत राज्य सरकारों को इस समुदाय के कल्याण के लिये योजनायें तैयार करनी हैं और उनके प्रशिक्षण तथा स्वरोजगार के कार्यक्रम शुरू करने हैं। कानून में ट्रांसजेंडर को भी परिभाषित किया गया है। इसके अनुसार ट्रांसजेंडर व्यक्ति वह है, जिसका लिंग जन्म के समय नियमानुसार लिंग से मेल नहीं खाता और इसमें ट्रांसमेन और ट्रांस-विमेन, इंटरसेक्स, भिन्नताओं वाले जेंडर आते हैं। इसमें सामाजिक-सांस्कृतिक पहचान वाले व्यक्ति जैसे किन्नर, हिजड़ा भी शामिल हैं। इंटरसेक्स भिन्नताओं वाले व्यक्तियों की परिभाषा में ऐसे लोग शामिल हैं जो शरीर के आदर्श मानकों से भिन्नता दर्शाते हैं। इस कानून में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के साथ भेदभाव पर प्रतिबंध है।

इनमें शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सेवा, सार्वजनिक स्तर पर उपलब्ध उत्पादों, सुविधाओं और अवसरों तक पहुंच और उसका उपभोग, कहीं भी स्वेच्छा से आने-जाने का अधिकार, किसी भी संपत्ति में निवास करने, उसे किराये पर लेने, मालिकाना हक हासिल करने या अन्यथा कब्जे में लेने का अधिकार है। यही नहीं, यह कानून सार्वजनिक या निजी पद ग्रहण करने के अवसर और किसी सरकारी या किसी प्रतिष्ठान तक पहुंच का भी अधिकार प्रदान करता है। केन्द्र की ओर से सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इसका विरोध करते हुए हिन्दू विवाह कानून के अनेक प्रावधानों का हवाला दिया। लेकिन अदालत ने इस मुद्दे पर जनहित याचिका दायर करने के औचित्य पर सवाल उठाया और जानना चाहा कि इस पर हमें क्यों विचार करना चाहिए। हालांकि, अदालत ने बाद में याचिकाकर्ता के वकील से कहा कि वह समलैंगिक विवाह के पंजीकरण की अनुमति नहीं दिये जाने से प्रभावित व्यक्तियों का विवरण पेश करे।

यहां सवाल उठता है कि समलैंगिक जोड़ों के विवाह के साथ ही उठने वाले तमाम कानूनी सवालों का निदान कैसे होगा?

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। जारी प्रयास सार्थक होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। गृह सुख में कमी रहेगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आर्थिक योजनायें सफल होंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। उदर विकार या नेत्र विकार की संभावना है। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

कन्या पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। मांगलिक कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक परिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

मकर आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

कुम्भ प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की असभ्यता आपको किसी संकट में डाल सकती है। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता के स्वास्थ्य के प्रति चिंतित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Harley davison इंडिया में बंद करेगी अपना कारोबार

नई दिल्ली: नवीनतम रिपोर्टों के मुताबिक, हार्ले-डेविडसन ने भारत में अपनी बिक्री और विनिर्माण कार्यों को बंद करने का फैसला किया है। हार्ले-डेविडसन ने गुरुवार को कथित तौर पर अपने पुनर्गठन के कर्मचारियों को 2020 में .75 मिलियन की राशि देने की सूचना दी है, जिसमें भारत में प्रतिष्ठित अमेरिकी ब्रांड के संचालन को बंद करना शामिल है। हार्ले-डेविडसन के अध्यक्ष, सीईओ और सीईओ, जोचेन जत्ज़ि द्वारा उल्लिखित 'द रिवाइयर' रणनीति से जुड़ी कुल लागत इस साल .169 मिलियन है। मोटरसाइकिल ब्रांड को अगले 12 महीनों के भीतर अगस्त से पुनर्गठन की कार्रवाई पूरी करने की उम्मीद है। हार्ले-डेविडसन के सीईओ ने उन बाजारों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए 'द रिवाइर' रणनीति की रूपरेखा तैयार की है, जहां संभावित विकास हो रहा है, और भारत उस सूची में नहीं है।

आवश्यक वस्तु अधिनियम में संशोधन दोधारी तलवार: अर्थशास्त्री

कोलकाता। आवश्यक वस्तु अधिनियम (ईसीए) सही दिशा में उठाया गया कदम है क्योंकि इससे किसानों की आय बढ़ेगी लेकिन इससे ग्रामीण गरीबी भी बढ़ सकती है और जन वितरण प्रणाली पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। एक प्रमुख अर्थशास्त्री ने बुधवार को यह कहा। संसद ने आवश्यक वस्तु (संशोधन) विधेयक, 2020 को पारित कर दिया है। इसके तहत अनाज, दलहन, तिलहन, खाद्य तेल, प्याज और आलू को आवश्यक वस्तु की सूची से हटा दिया गया है। यह विधेयक जून में जारी अध्यादेश का स्थान लेगा। विधेयक में उठाये गये कदम का मकसद निजी निवेशकों के बीच उनके कारोबार में अत्यधिक नियामकीय हस्तक्षेप की आशंकाओं को दूर करना है

ईसीए से किसानों की आय बढ़ेगी

अर्थशास्त्री ने पीटीआई-भाषा से कहा, 'ईसीए से किसानों की आय बढ़ेगी क्योंकि वे अपनी उपज कहीं भी बेचने को स्वतंत्र होंगे। उन्हें अपनी उपज स्थानीय मंडी में बेचने की अनिवार्यता नहीं होगी।अब बड़ी कंपनियां गांवों में सीधे किसानों से उपज खरीदने के लिये जायेंगी। यह किसानों के लिये लाभदायक होगा।' अर्थशास्त्री ने अपना नाम देने से मना किया है। उन्होंने कहा कि लेकिन अगर बड़े पैमाने पर थोक खरीद या जमाखोरी के कारण जरूरी जिंसों के दाम बढ़ते हैं, तो इसका दो प्रतिकूल प्रभाव भी हो सकता है। अर्थशास्त्री ने कहा, 'पहला ग्रामीण क्षेत्रों में महंगाई दर बढ़ेगी। परिणामस्वरूप गरीबी बढ़ेगी। दूसरा, सरकार के लिये राशन की दुकानों के लिये खरीद की लागत बढ़ेगी।' इस बीच, हुगली जिले के एक किसान ने कहा कि वह कृषि विधेयकों के बारे में नहीं जानता लेकिन अगर उसकी उपज को बड़ी कंपनियों को बेचने की अनुमति मिलेगी तो उसे अच्छा मूल्य मिल सकता है।

विधेयक के पारित होने के एक दिन के भीतर ही प्याज के दाम बढ़े

हालांकि, व्यापारियों के एक संगठन फोरम ऑफ ट्रेडर्स आर्गनाइजेशन ने कहा कि आवश्यक वस्तु कानून में संशोधन से बड़े कारोबारी अनाज, दाल, खाद्य तेल, प्याज और आलू जैसे जरूरी जिंसो की जमाखोरी कर सकते हैं जिससे कीमतें बढ़ेंगी। फोरम के सचिव रबीन्द्रनाथ कोले ने दावा किया, 'विधेयक के पारित होने के एक दिन के भीतर ही प्याज के दाम 10 रुपये किलो बढ़ गये। राज्य में आलू के दाम भी बढ़े है क्योंकि जून में ही मुक्त व्यापार की अनुमति दे दी गयी। उत्पाद दूसरे राज्यों में भेजे जा रहे हैं और राज्य सरकार का इस पर नियंत्रण नहीं है।'

भारत की उच्च आर्थिक वृद्धि के लिये सुधारों को आगे बढ़ाना 'बड़ी चुनौती': वारबर्ग पिंकस सीईओ

मुंबई: भारत को उच्च आर्थिक वृद्धि हासिल करने के लिये लगातार कदम उठाने की जरूरत है। उसे यह मानकर नहीं चलना चाहिये कि उसके उच्च वृद्धि के रास्ते पर पहुंचाना पूर्व निर्धारित है। निजी इक्विटी क्षेत्र की प्रमुख वैश्विक कंपनी वारबर्ग पिंकस के सीईओ चार्ल्स काये ने बुधवार को यह विचार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सुधारों के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाना और उन्हें अमल में लाना भारत के लिये 'मूल चुनौती' है। काये ने कहा कि भारत के लिये चुनौतियां और अवसर दोनों ही घरेलू प्रकृति की हैं। बारबर्ग पिंकस ने 1995 से भारत में पांच अरब डालर का निवेश किया है। उसने एचडीएफसी, कोटक महिन्द्र बैंक और भारती एयरटेल में दांव लगाया है। इनमें उसे अच्छा प्रतिफल भी प्राप्त हुआ है। उसने इनमें निवेश कर जोखिम निवेश के क्षेत्र में नया कीर्तिमान बनाया है। चार्ल्स काये की तरफ से यह वक्तव्य ऐसे समय में आया है जब भारत कृषि और श्रम सुधारों को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के पास युवा आबादी के रूप में जानसांख्यकीय लाभ है लेकिन यह नहीं मान लेना चाहिये की उसकी उच्च आर्थिक वृद्धि पूर्व निर्धारित है। अवसर का लाभ उठाने के लिये लगातार सतर्कता और अहम कदम उठाने की जरूरत है। इकोनोमिक टाइम्स के ग्लोबल बिजनेस शिखर सम्मेलन को वीडियो कन्फ्रेंस के जरिये संबोधित करते हुये काये ने

कहा कि 1995 के बाद से भारत ने काफी सुधार किये हैं। लेकिन भारत के लिये मुख्य चुनौती सुधारों को पूरा करने की है। कंपनी ने भारत में 1995 में ही पहली बार एचडीएफसी में निवेश किया था।

कोविड-19 के बीच बिजी इंफोटेक के सॉफ्टवेयर की मांग 33 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली: अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर सेवाएं मुहैया कराने वाली कंपनी बिजी इंफोटेक ने बुधवार को बताया कि कोरोना वायरस महामारी के दौरान उसके एकाउंटिंग सॉफ्टवेयर की मांग में 33 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। कंपनी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि महामारी के दौरान कई व्यवसायों ने डिजिटलीकरण की ओर रुख किया है। कंपनी क्लाउड तकनीक पर भी तेजी से काम कर रही है। कंपनी के सह-संस्थापक और निदेश राजेश गुप्ता ने कहा कि टियर-2 और टियर-3 शहरों से वित्तीय एकाउंटिंग प्रणाली को बदलने के लिए कारोबारी पूछताछ कर रहे हैं। लॉकडाउन के बाद कंपनी को करीब 33 प्रतिशत वृद्धि मिली है और कंपनी क्लाउड तकनीक पर तेजी से काम कर रही है, तथा जल्द ही इस तकनीक पर आधारित सॉफ्टवेयर पेश किए जाएंगे।

कैग ने 2013-18 के दौरान लाभ घटने को लेकर जम्मू कश्मीर बैंक की कार्यप्रणाली की आलोचना की

नई दिल्ली।

भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कैग) ने जम्मू कश्मीर बैंक (जेएंडके बैंक) में कंपनी संचालन की खामियां गिनाते हुए कहा कि 2013-18 के दौरान गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) बढ़ने से उसका लाभ काफी कम हो गया। बैंक को 2012-13 में 1,182.47 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था, जो कम होकर 2017-18 में महज 202.72 करोड़ रुपये रह गया। कैग ने बुधवार को संसद में पेश की गयी रिपोर्ट में कहा कि बैंक ने कंपनी संचालन से संबंधित सेबी नियमन और कंपनी अधिनियम 2013 के कुछ प्रावधानों का अनुपालन नहीं किया है। रिपोर्ट में कहा गया, 'जेएंडके बैंक द्वारा अर्जित लाभ 2013-14 के दौरान 1,182.47 करोड़ रुपये से घटकर 2017-18 में 202.72 करोड़ रुपये रह गया, जो मुख्य रूप से बैंक के सकल एनपीए के 31 मार्च 2013 के 643.77 करोड़ रुपये से बढ़कर 31 मार्च 2018 को 6,006.70 करोड़ रुपये पर पहुंच जाने के कारण है।' रिपोर्ट में कहा गया कि मार्च 2013 के अंत में एनपीए व कुल ऋण का प्रतिशत 1.62 फीसदी था, जो मार्च 2018 में 9.96 फीसदी हो गया। वर्ष 2016-17 के दौरान बैंक को 1,632.29 करोड़ रुपये का घाटा भी हुआ। कैग ने कहा कि बैंक की ऋण नियंत्रण प्रणाली और वित्तीय रिपोर्टिंग प्रणाली समय में एनपीए की पहचान करने में विफल रही।

गिरावट का सिलसिला जारी, सेंसेक्स में 1,115 अंक, निफ्टी 10,800 अंक पर बंद हुआ

मुंबई।

शेयर बाजारों में बृहस्पतिवार को लगातार छठे कारोबारी सत्र में गिरावट का सिलसिला जारी रहा। वैश्विक बाजारों में बिकवाली के बीच यहां भी सेंसेक्स में 1,115 अंक की भारी गिरावट दर्ज की गई। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स कमजोर रुख के साथ खुलने के बाद और नीचे गया। अंत में यह 1,114.82 अंक या 2.96 प्रतिशत के नुकसान से 36,553.60 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 326.30 अंक या 2.93 प्रतिशत टूटकर 10,805.55 अंक रह गया। सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में हिंदुस्तान यूनिलीवर को छोड़कर अन्य सभी में नुकसान रहा। इंडसइंड बैंक के शेयर में सबसे अधिक सात प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई। बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टेक महिंद्रा, टीसीएस और टाटा स्टील में भी गिरावट रही। कारोबारियों ने कहा कि अर्थव्यवस्था के पुनरोद्धार को लेकर चिंता तथा केंद्रीय बैंकों की ओर से ताजा प्रोत्साहनों के अभाव में वैश्विक बाजारों में बिकवाली का सिलसिला चला। इसके अलावा कई अर्थव्यवस्थाओं में कोविड-19 कर दूसरा दौर शुरू होने की आशंका से भी धारणा प्रभावित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 32 पैसे टूटकर 73.89 रपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इस बीच, वैश्विक बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल 0.22 प्रतिशत के नुकसान से 41.68 डॉलर प्रति बैरल पर बोला गया।

रुपया 32 पैसे की गिरावट के साथ 73.89 प्रति डॉलर पर बंद हुआ

बिजनेस डेस्क: घरेलू शेयर बाजार में बिकवाली तथा विदेशी कोषों की निकासी से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई जिससे बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 32 पैसे की गिरावट के साथ 73.89 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोरी के साथ 73.82 पर खुला और अंत में पिछले बंद भाव के मुकाबले रुपया 32 पैसे की गिरावट के साथ 73.89 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। बुधवार को रुपया एक पैसे की तेजी के साथ 73.57 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। दिन के कारोबार के दौरान रुपये ने 73.75 के ऊपरी स्तर और 73.96 के निचले स्तर को देखा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि छह प्रमुख वैश्विक मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत की तेजी के साथ 94.42 हो गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को शुद्ध रूप से 3,912.44 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की। वैश्विक बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल वायदा 0.77 प्रतिशत गिरकर 41.45 डॉलर प्रति बैरल पर था।

पीएम किसान सम्मान निधि स्कीम में हुआ फर्जीवाड़ा, 5.38 लाख लाभार्थी निकले

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि स्कीम में अवैध तरीके से पैसे निकाले जाने का मामला सामने आया है। जिसके बाद तमिलनाडु में 5.95 लाख लाभार्थियों के अकाउंट की जांच करने पर करीब 5.38 लाख फर्जी निकले। अब संबंधित बैंकों के जरिए फर्जी लाभार्थियों के बैंक अकाउंट में गई रकम को वसूलने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, ताकि यह पैसा केंद्र सरकार के अकाउंट में वापस आए। इस प्रक्रिया में अब तक करीब 61 करोड़ रुपए वसूले गए हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने अपने बयान में कहा कि 96 कांट्रैक्ट कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर दी गईं हैं। अपात्र लाभार्थियों के रजिस्ट्रेशन के लिए जिम्मेदार पाए गए 34 अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी है। 3 ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों तथा 5 सहायक कृषि अधिकारियों को सस्पेंड किया गया है। ये लोग पासवर्ड के दुरुपयोग के लिए जिम्मेदार पाए गए थे। 13 जिलों में एफआईआर दर्ज करके संविदा कर्मियों सहित 52 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आगे चलकर ऐसी घटनाएं दोबारा न हो तो राज्य सरकार ने केंद्र के साथ विचार-विमर्श करके एक स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग सिस्टम तैयार कर प्रणाली को सुदृढ़ करने का काम शुरू किया है। सरकार ने स्पष्ट किया हैकि पात्र किसान परिवारों की पहचान करने की पूरी जिम्मेदारी राज्य सरकारों की है।

ऐसे रोका गया फर्जीवाड़ा

पीएम किसान स्कीम में फर्जी तरीके से करोड़ों रुपए निकाले जाने के बाद राज्य सरकार ने जांच करवाई। जिसके बाद पता चला कि कुछ चालबाज लोगों ने अपात्र व्यक्तियों की बड़ी संख्या में बुंकिग करने के लिए जिला अधिकारियों के लॉग-इन आईडी और पासवर्ड का दुरूपयोग किया था। जांच में कृषि विभाग द्धारा रखे गए कांट्रैक्ट कर्मचारी भी इस गैरकानूनी कार्य में शामिल पाए गए थे। राज्य सरकार ने तत्काल जिला अधिकारियों के पासवर्ड को बदल दिया था। ब्लॉक स्तरीय पीएम-किसान खातों एवं जिला स्तरीय पीएम-किसान लॉग-इन आईडी को निष्क्रिय कर दिया गया। ताकि फर्जीवाड़ा रुक जाए।

तोमर ने खाद्य प्रसंस्कणरण उद्योग मंत्रालय की जिम्मेदारी संभाली

नई दिल्ली। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने बुधवार को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय का पदभार संभाल लिया। शिरोमणि अकाली दल की नेता हरसिमरत कौर बादल के पिछले सप्ताह कृषि क्षेत्र से जुड़े विधेयकों के विरोध में मंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद तोमर को इस मंत्रालय की नई जिम्मेदारी दी गयी। एक आधिकारिक बयान के अनुसार तोमर का खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्यमंत्री रामेश्वर तेली ने मंत्रालय में स्वागत किया। इस मौके पर सचिव पुष्पा सुब्रमणियम भी मौजूद थी। मंत्री ने सभी वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की और योजनाओं की समीक्षा की। तोमर के पास कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास और पंचायती राज्य मंत्रालय की भी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग विकास के चरण में है। तोमर ने बयान में कहा कि मंत्रालय युवाओं के लिये रोजगार सृजन, किसानों को लाभकारी मूल्य उपलब्ध कराकर उन्हें लाभ पहुंचाने तथा ग्राहकों को बेहतर सामान उपलब्ध कराने को लेकर हर संभव प्रयास और योगदान कर रहा है।

फ्लाइट में सामान ले जाने का बदला नियम, जारी हुआ नया आदेश

नई दिल्ली।

नागर विमानन मंत्रालय ने विमान कंपनियों पर ही बैगेज लिमिटेशन का फैसला छोड़ दिया है। जारी हुए नए आदेश में कहा गया है कि घरेलू रूट्स पर बैगेज लिमिटेशन का फैसला विमान कंपनियों ही तय करेंगी। बता दें कि दो महीने के लॉकडाउन के बाद 25 मई घरेलू फ्लाइट्स को फिर से शुरू किया गया, तब नागर मंत्रालय ने कहा था कि प्रति पैसेंजर केवल एक चेक-इन बैगेज और एक हैंड बैंक की अनुमति होगी। इसके बाद 23 सितंबर को मंत्रालय की तरफ से एक नए आदेश में कहा गया कि,बैगेज लिमिटेशन एयरलाइन के पॉलिसी के आधार पर होगा।

नया आदेश जारी

मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि चेक-इन बैगेज से संबंधित विषय को रिव्यू किया गया है। इसमें स्टेकहोल्डर्स द्वारा प्राप्त फीडबैक/इनपुट्स को भी ध्यान में रखा गया है। विमान कंपनियों को आदेश है कि वह कोरोना काल से पहले कुल फ्लाइट्स की संख्या का 60 फीसदी ही ऑपरेट करेगी।

जानें बैगेज का लेकर क्या था नियम

कोरोना महामारी के पहले एअर इंडिया ही केवल इकलौती विमान कंपनी थी जो कि पैसेंजर्स को 20 किलोग्राम के बैगेज चेक-इन की अनुमति देती थी। अधिकतर प्राइवेट विमान कंपनियां इकोनॉमी क्लास के पैसेंजर्स के लिए 15 किलो बैगेज की ही अनुमति देती हैं। बता दें कि अतिरिक्त बैगेज के लिए पैसेंजर्स को अतिरिक्त चार्ज देना पड़ता है। वहीं, बुधवार एअर इंडिया एक्सप्रेस ने ट्वीट कर का कहा कि वो अभी भी सऊदी अरब से भारत के लिए ऑपरेट कर रही है। इस ट्वीट में कहा गया कि विमान कंपनी सऊदी अरब से भारत के लिए पैसेंजर्स को कैरी नहीं करेगी। इसके पहले 22 सितंबर को सऊदी अरब नागर विमानन अथॉरिटी ने इंडिया, अर्जेंटीना और ब्राजील से फ्लाइट्स पर प्रतिबंध लगा दिया था।

रेफ्रिजरेटर मार्किट में उतरी हैवेल्स, लॉयड ब्रांड के जरिए लॉन्च किए 25 मॉडल

बिजनेस डेस्क।

उपभोक्ता इलेक्ट्रिकल सामान कंपनी हैवेल्स रेफ्रिजरेटर बाजार में उतर गई है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को अपनी टिकाऊ उपभोक्ता सामान इकाई लॉयड के जरिये देश के रेफ्रिजरेटर बाजार में उतरने की घोषणा की। इस कदम के साथ लॉयड एक पूर्ण टिकाऊ उपभोक्ता सामान ब्रांड बन जाएगा। यह ब्रांड पहले से एयर-कंडीशनर, एलईडी टीवी और वॉशिंग मशीन खंड में मौजूद है। कंपनी ने बयान में कहा कि उसने 25 नए इन्वर्टर प्रौद्योगिकी आधारित डायरेक्ट कूल (डीसी), फ्रॉस्ट-फ्री और साइड-बाय-साइड रेफ्रिजरेटर मॉडल पेश किए हैं। कंपनी का इरादा दिवाली तक 25 और नए मॉडल उतारने का है। इसके अलावा लॉयड की योजना नवंबर में डिशवॉशर खंड में भी उतरने की है। लॉकडाउन के दौरान लोग अपने घर से काम कर रहे हैं। ऐसे में डिशवॉशर जैसे उत्पादों की मांग बढ़ी है। लॉयड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) शशि अरोड़ा ने कहा, ''आज हम डीसी, साइड-बाय-साइड, फ्रॉस्ट फ्री रेफ्रिजरेटर की श्रृंखला पेश कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि 'मेक इन इंडिया' पहल के अनुरूप कंपनी अपने रेफ्रिजरेटर की समूची श्रृंखला का उत्पादन भारत में ही करेगी। लॉयड के रेफ्रिजरेटर 190 से 587 लीटर क्षमता में उपलब्ध होंगे। इन मॉडलों की शुरुआती कीमत 10,000 रुपये से 84,990 रुपये होगी। इनमें ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) के 2020 रेटिंग नियमों का अनुपालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एसी के बाजार में लॉयड शीर्ष तीन ब्रांड में है। हैवेल्स ने मई, 2017 में लॉयड का अधिग्रहण किया था।

जून महीने में जियो ने 45 लाख ग्राहक जोड़े, एयरटेल और वोडाफोन आइडिया को भारी नुकसान

कोलकाता।

जून में रिलायंस जियो ने करीब 45 लाख मोबाइल फोन ग्राहक जोड़े। इसी के साथ कंपनी के ग्राहकों की कुल संख्या 39.7 करोड़ हो गई है। दूसरी ओर भारती एयरटेल को जून में 11.2 लाख और वोडाफोन आइडिया को 48.2 लाख ग्राहकों से हाथ धोना पड़ा। बता दें कि एयरटेल, वोडाफोन आइडिया और जियो ने दिसंबर में प्रीपैड टैरिफ में तीन साल में पहली बार 14 से 33 फीसदी की बढ़ोतरी की थी। इस वजह से एयरटेल और वोडाफोन आइडिया का नुकसान हुआ। टेलिकॉम रेग्युलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (TRAI) के आंकड़ों के अनुसार जून में जियो के ग्राहकों की संख्या बढ़कर 39.729 करोड़ हो गई जबकि एयरटेल और वोडाफोन आइडिया के ग्राहकों की संख्या घटकर क्रमशः 31.667 करोड़ और 30.510 करोड़ रह गई।

जानें किसकी कितनी हिस्सेदारी

जून तिमाही के नतीजों में एयरटेल और वोडाफोन ने अपने ग्राहकों की संख्या क्रमशः 27.987 करोड़ और 27.980 करोड़ बताई थी जबकि जियो ने अपना यूजर बेस 39.83 करोड़ बताया था। ट्राई के आंकड़ों के मुताबिक जियो का कस्टमर मार्किट शेयर बढ़कर 34.82 फीसदी हो गया जबकि एयरटेल का घटकर 27.76 फीसदी और वोडाफोन आइडिया का 26.75 फीसदी रह गया।

कितने मोबाइल यूजर घटे

मोबाइल नेटवर्क पर एक्टिव सब्सक्राइबर की संख्या बताने वाले विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) के मुताबिक एयरटेल के 98.14 फीसदी यूजर एक्टिव थे। वोडाफोन आइडिया के 89.49 फीसदी और जियो के 78.15 फीसदी यूजर एक्टिव थे। ट्राई के अनुसार जून में भारत के मोबाइल यूजर्स के संख्या 32 लाख घटकर 1.14 अरब रह गई।

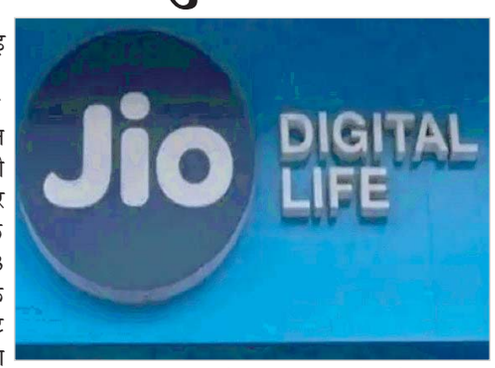

जिओ ने 22 अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में मोबाइल सेवाएं देने की शुरुआत की

नई दिल्ली।

रिलायंस जियो ने अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर 22 उड़ानों में मोबाइल सेवा की शुरुआत कर दी है। कंपनी ने वेबसाइट पर इसकी जानकारी दी है। कंपनी की साझेदार एयरलाइनों में कैथे पैसिफिक, सिंगापुर एयरलाइंस, एमिरेट्स, एतिहाद एयरवेज, यूरो विंग्स, लुफ्थांसा, मालिंडो एयर, बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस और एलिटालिया शामिल हैं। इसके साथ, जिओ उड़ान के दौरान (इन-फ्लाइट) मोबाइल सेवा प्रदान करने वाली दूसरी भारतीय दूरसंचार कंपनी बन गई है। इससे पहले टाटा समूह की कंपनी नेल्को लंदन मार्ग पर विस्तार एयरलाइंस में इन-फ्लाइट मोबाइल सेवाएं शुरू कर चुकी है। जियो ने एक दिन की वैधता के साथ भारत से उड़ान भरने वाले यात्रियों के लिये 499 रुपये, 699 रुपये और 999 रुपये के तीन अंतरराष्ट्रीय रोमिंग पैक की घोषणा की है। सभी प्लान 100 मिनट की आउटगोइंग वॉयस कॉल और 100 एसएमएस की पेशकश करते हैं। इनके अलावा 499 रुपये वाले प्लान में 250 मेगाबाइट (एमबी) मोबाइल डेटा मिलता है। इसी तरह 699 रुपये में 500 एमबी और 999 रुपये में एक जीबी डेटा का प्लान है। जिओ की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कोई भी प्लान इनकमिंग कॉल की अनुमति नहीं देगा, जबकि इनकमिंग एसएमएस मुफ्त है। इन-फ्लाइट मोबाइल सेवाओं का पहली बार उपयोग करने वालों को जिओ नेटवर्क पर योजनाओं को सक्रिय करने की आवश्यकता होगी। जिओ फोन और जिओ के वाईफाई डिवाइस पर अंतरराष्ट्रीय रोमिंग सेवाएं काम नहीं करेंगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

सीए ने शेफील्ड शील्ड ट्रॉफी कार्यक्रम घोषित किया

मेलबर्न । क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने अक्टूबर और नवंबर में होने वाली शेफील्ड शील्ड ट्रॉफी कार्यक्रमों की घोषणा कर दी है, जिसमें साउथ आस्ट्रेलिया शुरुआती चार राउंड के मैचों की मेजबानी करेगा। राउंड एक के मैच 10 अक्टूबर से शुरू होंगे, जिसमें पहले मैच में साउथ आस्ट्रेलिया का सामना वेस्टर्न आस्ट्रेलिया से और क्वीसलैंड का सामना तस्मानिया से होगा। साउथ आस्ट्रेलिया पहुंचने पर खिलाड़ियों को 14 दिन के क्वारंटीन में रहना होगा। विक्टोरिया और न्यू साउथ वेल्स ने 17 नवंबर को होने वाले राउंड वन के मैच को स्थगित करने पर सहमति जताई है। बाकी के तीन राउंड के मैच अक्टूबर-नवंबर में खेले जाएंगे। इसके बाद दिसंबर में बिग बैश लीग (बीबीएल) का 10वां सीजन शुरू होगा। सीए ने एक बयान में कहा कि दक्षिण ऑस्ट्रेलिया में मार्श शेफील्ड शील्ड के पहले चार राउंड के मैच खेलने का निर्णय, एक पूर्ण घरेलू कार्यक्रम खेलने के लिए सबसे अच्छा मौका है।

पीएम मोदी ने कोहली से पूछा आप भी यो-यो टेस्ट कराते हैं क्या?

नई दिल्ली।

फिटनेस और विराट कोहली का गहरा नाता है। कोहली देश के सबसे फिट खिलाड़ियों में से एक हैं। यही कारण है कि फिट इंडिया मूवमेंट की पहली वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोहली से पूछ ही लिया कि, उनकी फिटनेस का राज क्या है और क्या वह भी अपना यो-यो टेस्ट कराते हैं?। प्रधानमंत्री गुरुवार को भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए इस अभियान की पहली वर्षगांठ पर भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान कोहली से मुखातिब थे। इस दौरान दोनों के बीच रोचक संवाद हुआ। कोहली अभी संयुक्त अरब अमीरात में IPL खेल रहे हैं और इस अभियान के एक साल होने पर वह वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए प्रधानमंत्री से मुखातिब हुए।

प्रधानमंत्री के विराट कोहली से सवाल-जवाब

इस संवाद के दौरान प्रधानमंत्री ने कोहली से यो-यो टेस्ट और थकान के बारे में सवाल पूछा, जिसका विराट कोहली ने अपने अंदाज में जवाब दिया। कोहली ने कहा कि, आजकल लाइफ की डिमांड ज्यादा हो गई है। फिटनेस को नहीं इंप्रूव करेंगे तो खेल में पीछे छूट जाएंगे। खेल में सफलता के लिए सिर्फ स्किल ही नहीं शरीर और दिमाग कितना तंदरुस्त है, ये भी मायने रखता है।

प्रधानमंत्री ने कोहली से पूछा कि, आपको कभी थकान नहीं लगती? जिस पर कोहली बोले, ईमानदारी से कहूं तो थकान हर किसी को होती है। अगर आप शारीरिक मेहनत करेंगे तो थकान लगेगी। लेकिन अगर आपका लाइफस्टाइल अच्छा है, अच्छा खा रहे हैं, नींद अच्छी है तो आपकी रिकवरी तेज होगी। अगर मैं थक रहा हूं और एक मिनट में दोबारा तैयार हो जाता हूं, यह मेरा प्लस प्वाइंट है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि, आजकल टीम के लिए यो-यो टेस्ट हो रहा है। क्या कैप्टन को भी ये टेस्ट कराना पड़ता है? इस पर भारत और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर टीम के कप्तान कोहली ने फिटनेस के लिहाज से यो-यो टेस्ट को बहुत जरूरी बताया। कोहली ने कहा, इससे टीम का फिटनेस लेवल बढ़ता है।

टेस्ट मैच में फिटनेस बहुत जरूरी है। टी-20 और वन डे की तुलना में टेस्ट मैच पांच दिन खेलना होता है। इसमें फिटनेस स्टैंडर्ड ज्यादा मायने रखता है। इसीलिए यो-यो टेस्ट में मैं भी भाग लेता हूं। अगर मैं भी फेल हो जाऊंगा तो सलेक्शन के लिए उपलब्ध नहीं रहूंगा। स्किल हमारे पास हमेशा से रही है, लेकिन फिटनेस भी जरूरी होता है। फिटनेस की वजह से अब हमारे रिजल्ट बेहतर आ रहे हैं।

विराट कोहली ने कहा, जिस पीढ़ी में हमने खेलना शुरू किया, चीजें बहुत तेजी से बदलीं। हमारे स्किल में प्राब्लम नहीं थी, लेकिन फिटनेस में प्रभाव पड़ रहा था। फिटनेस प्रायरिटी होनी चाहिए। प्रैक्टिस मिस हो जाए तो मुझे खराब नहीं लगता। लेकिन फिटनेस छूट जाए तो खराब लगता है।

कोहली एंड कंपनी को रोकने के लिए हमारे पास योजना : कुंबले

दुबई । किंग्स इलेवन पंजाब के मुख्य कोच अनिल कुंबले का मानना है कि दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मिली हार से टीम ने बहुत कुछ सकारात्मक चीजें हासिल की है और अब टीम की कोशिश उन गलतियों को पीछे छोड़ते हुए बेहतर प्रदर्शन करने की होगी। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने पहले मैच में सुपर ओवर में हारने के बाद किंग्स इलेवन पंजाब की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें संस्करण के अपने दूसरे मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ गुरुवार को यहां दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में उतरेगी। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पंजाब ने मयंक अग्रवाल की 60 गेंदों में 89 रनों की पारी के दम पर 158 रनों का लक्ष्य का पीछा किया था। पंजाब के बाकी बल्लेबाज प्रभाव नहीं छोड़ सके थे, लेकिन मयंक ने एक छोर संभाले रखते हुए अपने दम पर पंजाब को टारगेट के पास पहुंच दिया था। लग रहा था कि लोकेश राहुल की कप्तानी वाली पंजाब मैच जीत लेगी। पंजाब को जब तीन गेंदों पर एक रन की जरूरत थी तभी पंजाब ने आखिरी दो गेंदों पर दो विकेट खो दिए और मैच सुपर ओवर में चला गया। सुपर ओवर में कागिसो रबादा ने दिल्ली कैपिटल्स को जीत दिलाई। किंग्स इलेवन पंजाब ने अपने ट्विटर पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें कुंबले ने कहा, विराट कोहली, अब्राहम डिविलियर्स और एरॉन फिंच के होने से आरसीबी की बल्लेबाजी क्रम बेहद मजबूत है और वे सभी काफी अनुभवी भी हैं। युवा देवदत्त पडिकल ने भी पिछले मैच में उनके लिए अच्छी बल्लेबाजी की थी। लेकिन हमारे पास अपनी योजना है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हम इससे निकलने में सक्षम हैं, लेकिन यह सबकुछ इस बात पर निर्भर करता है कि उस दिन कौन अच्छा प्रदर्शन करता है। पिछले एक महीने से भी ज्यादा से हमारी तैयारी बेहतरीन रही है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हुए मैच के बाद से हम बेहद सकारात्मक हैं कि हमें क्या करने की जरूरत है।

एफआईएच प्रो हॉकी लीग में जर्मनी को दोहरी सफलता

दुसेलदोर्फ। एफआईएच प्रो हॉकी लीग में जर्मनी को दोहरी सफलता हासिल हुई है। जर्मनी की महिला एवं पुरुष टीमों ने बेल्जियम के साथ हुए डबल हेडर में जीत हासिल की है। बुधवार को हुए पहले मैच में जर्मनी की महिला टीम ने बेल्जियम को 3-1 से हराया। जर्मनी के लिए हाना गैबलाक, ससिलि पीपर और रेबेका ग्रोट ने गोल किए। जर्मन महिलाओं की बेल्जियम पर यह लगातार दूसरी जीत है। इसी तरह, मंगलवार को बेल्जियम के हाथों मिली 1-6 की करारी शिकस्त को भूलते हुए जर्मन पुरुष टीम ने शूटआउट में जीत हासिल करते हुए स्कोर 1-1 कर लिया है। अगले प्रो लीग मुकाबले अक्टूबर में खेले जाएंगे और इसमें नीदरलैंड्स तथा ब्रिटेन की महिला एवं पुरुष टीमें आमने-सामने होंगी। ये मुकाबले नीदरलैंड्स में होंगे।

KKR के खिलाफ जीत के बाद बोले मुंबई के कप्तान रोहित, हमने अपनी रणनीति को अच्छे से लागू किया

अबू धाबी।

IPL-13 में बुधवार को अपनी जीत का खाता खोलने वाली मौजूदा विजेता मुंबई इंडियंस (MI) के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि, टीम ने अपनी रणनीति को मैदान पर अच्छे से लागू किया, इसलिए वो मैच जीतने में सफल रही। मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर 195 रन बनाए थे। कोलकाता नाइट राइडर्स (चयक्र) के मजबूत बल्लेबाजी क्रम को मुंबई के गेंदबाजों ने 20 ओवरों में 9 विकेट पर 146 रनों तक ही सीमित कर दिया और 49 रनों से मैच जीता। मैच जीतने के बाद रोहित ने कहा, यह अपनी रणनीति को सही से लागू करने की बात है, जो हमने किया। हम मैच में हमेशा आगे थे, लेकिन यह लगातार यही करने की बात है। रोहित ने इस मैच मैच में 54 गेंदों पर छह छक्के और तीन चौकों की मदद से 80 रनों की पारी खेली। इस पारी के लिए वो मैन ऑफ द मैच भी चुने गए। अपनी पारी को लेकर रोहित ने कहा, छह महीने बिना क्रिकेट के काफी लंबा समय होता है। मैं विकेट पर कुछ समय बिताना चाहता था। ऐसा पहले मैच में नहीं कर सका, लेकिन खुश हूं कि आज कर सका। यहां लंबी पारी खेलना आसान नहीं है। मैं बस खड़ा होकर मारना चाहता था।

हार के बाद बोले दिनेश कार्तिक

वहीं दो बार की विजेता कोलकाता के कप्तान दिनेश कार्तिक ने हरा के बाद कहा कि, ईमानदारी से कहूं तो काफी बुरा दिन रहा। मैं इसे लेकर विश्लेषण नहीं करना चाहता। खिलाड़ी जानते हैं कि उन्हें कहां सुधार करने की जरूरत है। ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस और इंग्लैंड के कप्तान इयोन मोर्गन हाल ही में सीमित ओवरों की सीरीज खेलकर लौटे हैं और बुधवार को ही उनका क्वारंटीन पीरियड खत्म हुआ है। कार्तिक ने कहा, कमिंस और मोर्गन ने अपना क्वारंटीन आज (बुधवार) को ही खत्म किया है। इसलिए आकर सीधे खेलना वो भी इतनी गर्मी में आसान नहीं रहता।

संक्षिप्त समाचार

एफसी बार्सिलोना छोड़ एटलेटिको मेड्रिड पहुंचे सुआरेज

मेड्रिड । उरुग्वे के करिश्माई फारवर्ड लुइस सुआरेज ने एफसी बार्सिलोना का साथ छोड़ दिया है। सुआरेज अब स्पेन के ही एक अन्य अग्रणी क्लब एटलेटिको मेड्रिड के लिए खेलते दिखेंगे। मेड्रिड स्थित क्लब ने सुआरेज के ट्रांसफर की पुष्टि की। क्लब ने अपने बयान में कहा, एफसी बार्सिलोना और एटलेटिको मेड्रिड के बीच एक करार हुआ है, जिसके तहत लुइस सुआरेज का ट्रांसफर हो रहा है। इस ट्रांसफर के बदले एटलेटिको एफसी बार्सिलोना को 60 लाख यूरो देगा। सुआरेज छह साल से एफसी बार्सिलोना के साथ थे। इस दौरान सुआरेज ने क्लब के लिए 283 मैचों में 198 गोल किए और लियोनेल मेसी तथा नेमार के साथ शानदार तिकड़ी बनाई थी, जिससे दूसरे क्लब थर्राते थे। 33 साल के सुआरेज 2014 में लिवरपूल छोड़कर बार्सिलोना आए थे। छह साल में सुआरेज ने बार्सिलोना के साथ चार ला लीगा खिताब, चार कोपा डेर रे खिताब, एक चैम्पियंस लीग और एक क्लब वर्ल्ड कप खिताब जीते। इस बीच, एटलेटिको ने यह भी कहा है कि टीम में शामिल करने से पहले सुआरेज का मेडिकल होगा और सारी योग्यताएं पूरी करने के बाद ही उन्हें क्लब के लिए खेलने का मौका मिलेगा।

ओलंपिक तैयारियों के लिए टीम सही दिशा में अग्रसर : वंदना

बेंगलुरू। भारतीय महिला हॉकी टीम की अनुभवी स्ट्राइकर वंदना कटारिया ने पिछले महीने खेलों की फिर से शुरुआत होने के बाद जिस तरह से टीम आगे बढ़ रही है उस पर अपनी संतुष्टि जाहिर की है। 28 वर्षीय वंदना ने कहा कि अपनी शीर्ष फॉर्म हासिल करने के लिए टीम सही दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा, हमारी कोच ने हमसे कहा है कि इस समय हमें किसी भी चीज को लेकर जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए, हमारे पास अभी काफी समय है और हम अपने गेम को फिर से बनाने के लिए धीरे धीरे आगे बढ़ रहे हैं। यह देखकर अच्छा लग रहा है कि हमारी खेल गतिविधियों के फिर से शुरू होने के बाद पिच पर खिलाड़ियों की प्रतिक्रिया अच्छी रही है। वंदना ने कहा, निश्चित रूप से हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं और हम सही समय पर फिर से अपनी शीर्ष फॉर्म हासिल कर लेंगे और यह जरूरी भी है क्योंकि ओलंपिक से पहले ही टॉप फॉर्म में होना हमारे लिए महत्वपूर्ण है। फॉरवर्ड वंदना ने भारत के लिए अब तक 200 से अधिक मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 64 गोल किए हैं। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही भाग्यशाली बात है कि कोविड-19 महामारी के बीच उन्हें सुरक्षित माहौल में ओलंपिक की तैयारी करने को मिल रहा है। वंदना ने कहा, पूरे विश्व के लिए यह एक मुश्किल समय है, लेकिन हमने फिर भी ओलंपिक की तैयारियों के लिए अपना रास्ता ढूंढ़ लिया है। हम यह सुनिश्चित करते हैं कि जब हम पिच से दूर रहे हैं तो अपनी फिटनेस स्तर को बनाए रखें। उन्होंने कहा, हॉकी इंडिया और साई ने बेंगलुरू के साई सेंटर में हमारे लिए सुरक्षित वातावरण बनाने में वाकई ही कड़ी मेहनत की है। हम बहुत ही भाग्यशाली हैं कि बिना किसी परेशानी के लिए हम फिर से अपने खेलों को खेलने में सक्षम हैं।

आईपीएल-13 :

बल्लेबाजी क्रम में सुधार चाहेंगी चेन्नई, दिल्ली (प्रीव्यू)

दुबई।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें सीजन में शुक्रवार को चेन्नई सुपर किंग्स का सामना दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के साथ होगा। चेन्नई ने मुंबई को हराकर जीत के साथ शुरुआत की थी, लेकिन दूसरे मैच में राजस्थान रॉयल्स ने महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली टीम को हरा दिया था। राजस्थान के खिलाफ टीम के गेंदबाजों ने काफी रन लुटाए थे और चेन्नई को जीत के लिए 217 रनों की चुनौती दी थी। चेन्नई काफी कोशिश की बाद 16 रनों से मैच हार गई थी। गेंदबाजी के अलावा बल्लेबाजी में भी टीम ने कुछ खास नहीं किया था। सिर्फ फाफ डु प्लेसिस का बल्ला चला था बाकी सभी असफल रहे थे। पहले मैच में फाफ के साथ टीम को जीत दिलाने वाले बल्लेबाज अंबाती रायडू दूसरे मैच में नहीं खेले थे। उनकी जगह ऋतुराज गायकवाड को उतारा गया था जो पहली ही गेंद पर आउट हो गए थे। रायडू के दूसरे मैच में खेलने पर अभी भी अनिश्चित्ता है और यह चेन्नई के लिए बड़ी मुश्किल साबित हो सकता है। धोनी, रायडू की भरपाई किस तरह से करेंगे और कौन उनका स्थान लेगा यह सवाल ही है। पिछले दो मैचों में चेन्नई की सलामी जोड़ी असफल रही है। न मुरली विजय चले हैं और न ही शेन वाटसन। दूसरे मैच में टीम को बड़े स्कोर के सामने जिस तरह की शुरूआत चाहिए थी वो यह दोनों दे नहीं पाए थे। ऐसे में सलामी जोड़ी में बदलाव की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता। चेन्नई की समस्या मध्य क्रम की भी है। केदार जाधव, ऋतुराज खुद, धोनी कुछ खास नहीं कर पाए हैं। धोनी ने पिछले दोनों मैचों में इंग्लैंड के युवा सैम कुरैन को अपने से ऊपर भेजा था। मुंबई के खिलाफ छह गेंदों में 18 रन बना कुरैन ने मैच जिताने में अहम रोल अदा किया था। राजस्थान के खिलाफ भी उन्होंने छह गेंदों में 17 रन बनाए थे, लेकिन विकेट पर टिकने में वो असफल रहे हैं। चेन्नई के लिए धोनी का स्थान एक चर्चा का विषय है। धोनी ने पिछले मैच में नंबर-7 पर बल्लेबाजी की थी, लेकिन जब तक वो आए थे और जिस तरह से शुरुआत में धीमी बल्लेबाजी कर रहे थे उससे कई सावल खड़े हुए थे।

उन्होंने आखिरी ओवर में तीन छक्के जरूर लगाए थे, लेकिन टीम के लिए उनका मतलब नहीं रह गया था। अब देखना होगा कि रायडू की अनुपस्थिति में धोनी ऊपर आकर टीम को संभालने की जिम्मेदारी लेते हैं या फिर नीचे ही खेलते हैं।

छेत्री सर्वश्रेष्ठ हैं और हर दिन सर्वश्रेष्ठ होना चाहते हैं : सहल

नई दिल्ली ।

भारत के फुटबॉल खिलाड़ी सहल अब्दुल समद ने अपने कप्तान सुनील छेत्री की तारीफ की है और उन्हें इस समय भारत का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बताया है। सहल ने साथ ही कहा है कि छेत्री हर दिन सर्वश्रेष्ठ बनना चाहते हैं। सहल ने एआईएफएफ टीवी पर बुधवार को बात करते हुए कहा, अगर मुझे उनके बारे में एक चीज चुननी है तो मैं छेत्री भाई की सकारात्मक मानसिकता को चुनूंगा। यह एक चीज हैं जिसे मैं अपनाना चाहता हूं। हर कोई जानता है कि वह भारत में सर्वश्रेष्ठ हैं, लेकिन फिर भी वह हर दिन सर्वश्रेष्ठ होना चाहते हैं। उन्होंने कहा, उस दिन से मैं समझा की वह किस तरह के इंसान हैं। इसके बाद जब मैं अंतिम-11 में चुना गया, तब हम दोनों साथ खेले, वहां से मुझे उनसे अनुभव मिला। वह युवा खिलाड़ियों को हमेशा सलाह देने के लिए तैयार रहते हैं। यह उनके बारे में सबसे अच्छी बात है। 23 साल का यह मिडफील्डर 2018-19 में देश का उभरता हुआ खिलाड़ी चुना गया था। उन्होंने किंग्स कप-2019 में सीनियर टीम के साथ खेला था और तब से वह टीम की मिडफील्ड के अहम सदस्य बन गए हैं। उन्होंने कहा, छेत्री भाई, हमेशा युवा खिलाड़ियों के साथ बैठते हैं। एक बार मुझे याद है कि उन्होंने मुझे, अनिरुद्ध थापा, अमरजीत सिंह, कमलजीत सिंह को रोका था और हमें सलाह दी थी कि एक पेशेवर खिलाड़ी कैसे बनें। किसी और ने मुझे इतनी साफगोई से इस चीज के बारे में नहीं बताया था।

नीदरलैंड्स फुटबाल टीम के कोच बने फ्रैंक बोएर

द हेग। फ्रैंक बोएर को नीदरलैंड्स की राष्ट्रीय फुटबाल टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। डच फुटबाल एसोसिएशन केएनवीबी ने इसकी पुष्टि की है। अगस्त में रोनाल्ड कोमैन के एफसी बार्सिलोना चले जाने के बाद यह पद खाली हुआ था। कोमैन की गैरमौजूदगी में सहायक कोच ड्वाइट लोडेवेजेस की देखरेख में टीम ने पोलैंड को 1-0 से हराया था और इटली से 0-1 से हार गई थी। मुख्य कोच पद के लिए केएनवीबी ने तीन नाम तय किए थे। फ्रैंक रिजकार्ड ने ना कर दिया क्योंकि वह मुख्यधारा में लौटना नहीं चाहते थे। इसी तरह पीटर बॉस ने भी ना कर दिया क्योंकि वह बायेर लेवरकुसेन के साथ करारबद्ध हैं और अंत में महासंघ ने बोएर के नाम पर अंतिम मुहर लगा दी। 50 साल के बोएर को 2022 विश्व कप तक के लिए करारबद्ध किया गया है। बोएर एक खिलाड़ी के तौर पर नीदरलैंड्स के लिए 112 मैच खेल चुके हैं। दिसम्बर 2010 में बतौर कोच उन्होंने एजाक्स के साथ नई पारी की शुरुआत की थी। इसके बाद वह इंटर्नाजियोनेल, क्रिस्टल पैलेस और एटलांटा युनाइटेड के कोच रह चुके हैं।

क्रिकेट जगत ने डीन जोंस को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली ।

आस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर और कॉमेंटेटर डीन जोंस का गुरुवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। जोंस इस समय संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेले जा रहे आईपीएल के लिए मुंबई में स्टार स्पोर्टस की कॉमेंट्री टीम का हिस्सा थे। जोंस के निधन की खबर सुनते ही क्रिकेट जगत में शोक की लहर दौड़ गई है और विश्व क्रिकेट समुदाय ने जोंस के निधन पर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दी है। भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने कहा, डीन जोंस का निधन, दिल दहला देने वाली खबर..ऑस्ट्रेलिया के मेरे पहले दौरे के दौरान उनके खिलाफखेलने का मौका मिला था। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। उनके प्रियजनों को मेरी संवेदनाएं। आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने कहा, मुंबई में डीन जोंस के निधन की खबर सुनना दुखद है, वह ऑस्ट्रेलिया के लिए एक शानदार खिलाड़ी थे और वह हमेशा याद आएंगे। उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने कहा, डीन जोंस के निधन की खबर सुनकर हैरान हूं। उनके परिवार और दोस्तों को भगवान इस मुश्किल समय में शक्ति दे। भारतीय सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने कहा, भगवान आपकी आत्मा को शांति दे। आपके मनोरंजन लेक्र र को पूरा क्रिकेट विश्व मिस करेगा। पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण ने कहा, डीन जोंस के निधन खबर सुनकर हैरान हूं। उनके परिजनों के प्रति मेरी संवादनाएं। श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा ने कहा, डीन जोंस के निधन की खबर, अविश्वसनीय रूप से दुखद समाचार। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज डेमियन फ्लेमिंग ने कहा, डीन जोन्स के निधन की खबर से स्तब्ध हूं। हमेशा बड़े व्यक्तित्व वाले थे। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज मार्क वॉ ने कहा, इस दुखद खबर पर विश्वास नहीं किया जा सकता। शानदार खिलाड़ी और मैदान पर हमेशा अपनी कंपनी का आनंद लेते रहे। इस दुखद समय में हम उनके परिवार के साथ हैं। आईपीएल लीग ने भी उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दी है। लीग ने कहा, हम डीन जोंस के असामयिक निधन के बारे में जानकर बेहद स्तब्ध और दुखी हैं। खेल के प्रति उनकी ऊर्जा और उत्साह वास्तव में छूट जाएगा। दुःख की इस घड़ी में उनके परिवार, दोस्तों और उनके अनुयायियों के प्रति हमारी संवेदनाएं। वह पाकिस्तान सुपर लीग में इस्लामाबाद युनाइटेड और कराची किंग्स की कोचिंग का भी हिस्सा थे।

टेनिस- पेस ने कहा- ओलंपिक-1992 में हारने के बाद कई घंटे बेंच पर बैठा रहा था

नई दिल्ली। 18 बार के युगल ग्रैंड स्लैम विजेता भारत के अनुभवी टेनिस स्टार लिएंडर पेस ने 1996 के अटलांटा ओलंपिक में पदक जीतकर इतिहास रच दिया था। वह ओलंपिक में पदक जीतने वाले पहले भारतीय टेनिस खिलाड़ी बने थे। हालांकि पेस का ओलंपिक में पदक जीतने का सपना चार साल पहले बार्सिलोना में भी पूरा हो सकता था, लेकिन वहां उन्हें और रमेश कृष्णन की पुरुष युगल जोड़ी को जॉन बासिल फिटजगेराल्ड और टॉड एंड्रयू वुडब्रिज की आस्ट्रेलियाई जोड़ी से क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। पेस ने एशियाई खेलो के स्वर्ण पदक विजेता स्क्र ॉश खिलाड़ी सौरव घोषाल द्वारा आयोजित द फिनिश लाइन के पांचवें एपिसोड में कहा, जब रमेश कृष्णन और मैं, 1992 ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में हार गए थे और पदक जीतने से चूक गए थे तो मुझे लगा कि रमेश अब संन्यास लेने जा रहा है और 1996 के ओलंपिक तक नहीं खेलेंगे। उन्होंने कहा, मुझे यह भी लगा कि यहां कोई ऐसा युवा नहीं था, जिसकी अटलांटा में पदक जीतने के लिए तैयारी पर्याप्त थी। 1992 में मैं केवल ओलंपिक पर ध्यान केंद्रित किए हुआ था और जब मैं पदक जीतने के करीब आया तो करीब दो घंटे और 45 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल मैच हारने के बाद मैं बेंच पर ही बैठा रहा। टेनिस में युगल वर्ग के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक पेस ने कहा कि इस हार के बाद उन्होंने एकल प्रतियोगिताओं के लिए अभ्यास करना शुरू कर दिया था। पेस ने कहा, मैंने अपनी सोच को मजबूत किया और 1992 और 1996 के बीच एकल प्रतियोगिताओं के लिए अपनी शारीरिक ताकत और मानसिक योग्यता को बदलने का फैसला किया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार-समाचार

30 लोगों ने प्राइवेट लैब में कराया कोरोना टेस्ट तो आए पॉजिटिव, जब उन्हीं की सरकारी में हुई जांच तो सब नेगेटिव

कानपुर .यूपी के कानपुर की नामचीन ज्ञान पैथालॉजी लैब में कोरोना नेगेटिव को पॉजिटिव बताने का खतरनाक खेल पकड़ा गया है। इस लैब से पॉजिटिव बताए गए 30 लोग सरकारी जांच में नेगेटिव मिले हैं। इस खुलासे से सनसनी मच गई है। डीएम ने इस घटनाक्रम का खुलासा करते हुए सीएमओ को रिपोर्ट दर्ज कराने का आदेश दिया है।

20 सितंबर को सील की गई थी लैब

20 सितंबर को डीएम आलोक तिवारी और सीएमओ डॉ. अनिल कुमार मिश्र ने एक मरीज की शिकायत पर स्वरूप नगर स्थित ज्ञान पैथालॉजी लैब पर छापा मारा था। लैब की शिकायत एक मरीज ने की थी, जिसे युगांडा जाना था। उसने लैब में जाचं कराई और उसे पॉजिटिव रिपोर्ट मिली। उसने दूसरी लैब में भी जांच कराई थी, जहां वह नेगेटिव निकला। उसे कोई लक्षण भी नहीं था। उसने लैब की शिकायत की। डीएम खुद जांच करने पहुंचे तो पता चला कि वहां कई मरीजों के नाम-पते और मोबाइल नम्बर गलत दर्ज हैं। डीएम आलोक तिवारी ने कहा कि गलत रिपोर्ट देना, पॉजिटिव मरीजों के पूरे एड्रेस न लिखना, ज्यादा पैसा लेना जैसी शिकायतें सही मिलीं तो लैब सील कर दी गई थी। एडीएम सिटी की निगरानी में तीन सदस्यीय जांच कमेटी बनाई गई, जिसमें दो एसीएमओ शामिल किए गए थे। जांच कमेटी ने विस्तृत पड़ताल की है। जांच में 20 सितम्बर से तीन दिन पूर्व की सभी कोरोना जांचों के रिकार्ड लिए गए। कमेटी ने उन सभी मरीजों की दोबारा जांच की है। उसी जांच में 30 पॉजिटिव मरीज निगेटिव मिले हैं। अभी 12 की रिपोर्ट आनी बाकी है।

आलोक तिवारी, डीएम, कानपुर कहते हैं कि ज्ञान पैथोलॉजी ने जिन 30 लोगों को कोरोना पाजिटिव बताया था, उनके दोबारा सैम्पल लिए गए। आरटीपीसीआर जांच कराई गई। सभी नेगेटिव मिले। संभव है कि दो-तीन ऐसे मरीज हों, जो स्वस्थ हो गए हों। पर पूरे 30 पाजिटिव छह दिन में निगेटिव नहीं हो सकते। सीएमओ को मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है।

वहीं डॉ. अरुण कुमार, संचालक, ज्ञान पैथोलॉजी का कहना है कि तीन दिन में पॉजिटिव मरीज नेगेटिव हो जाते हैं। जांच रिपोर्ट आईसीएमआर की गाइडलाइन से मरीजों को दी जा रही है। जिस तरह दोबारा मरीजों की क्रास जांच की गई है, उसमें मानकों का पालन हुआ या नहीं, यह हम नहीं कह सकते हैं। फिर भी हम मानने को तैयार हैं कि डाटा फीडिंग में गड़बड़ी हो सकती है। रिपोर्ट में किसी तरह त्रुटि की गुंजाइश नहीं है।

दिल्लीवालों के लिए बुरी खबर, अब के 6 के बजाए 8 महीने झेलनी पड़ेगी गर्मी

नई दिल्ली.दिल्ली को हर साल छह महीने की बजाय आठ महीने 32 डिग्री का तापमान झेलना पड़ेगा। विश्व आर्थिक मंच ने एक रिपोर्ट में बुधवार को कहा कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण वर्ष 2100 से यह बदलाव देखने को मिल सकता है।

अर्थ टाइम विजुअलाइजेशन रिपोर्ट के अनुसार, भारत समेत पूरे दक्षिण एशिया में लंबे समय तक गर्मी का कहर झेलना पड़ सकता है। अमेरिका में भी ऐसे ही हालात होंगे। पेट्रोल-डीजल के उपभोग में कमी के साथ कार्बन उत्सर्जन में कटौती के जरिये ही ऐसे भयावह नतीजों को टाला जा सकता है। इसके लिए सरकारों, कारोबारी जगत और नागरिक समूहों को साथ मिलकर प्रयास करने होंगे।

रिपोर्ट में कहा गया है अमेरिका में जंगलों की आग और तूफान की घटनाएं तेजी से बढ़ेंगी। वैश्विक संगठन ने कहा है कि औद्योगिकीकरण की मौजूदा पद्धतियों को बदलकर, कार्बन डाई ऑक्साइड का स्तर वायुमंडल में घटाकर और बड़े पैमाने पर पौधरोपण के जरिये हालात बदले जा सकते हैं। परिवहन और ऊर्जा उपभोग के मौजूदा तौर तरीके भी बदलने होंगे।

जुलाई-अगस्त का तापमान 38 डिग्री पहुंचेगा

रिपोर्ट के अनुसार, सदी के अंत में दुनिया के कई हिस्सों में जुलाई-अगस्त के बीच तापमान औसतन 38 डिग्री तक रहेगा। अमेरिका के एरिजोना, फोनिक्स क्षेत्र में भी साल के 200 दिन तापमान 32 डिग्री तक रहेगा। जबकि ठंडे इलाकों वाले यूरोप में भी तापमान 30 डिग्री तक होगा।

बिहार विधानसभा चुनाव: ऑनलाइन बनाए जा रहे फर्जी वोटर आईकार्ड, आयोग ने दिए जांच के आदेश

मुजफ्फरपुर. बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा से ठीक पहले पूरे देश में फर्जी इपिक (मतदाता पहचान पत्र) बनाने के खेल का भंडाफोड़ हुआ है। इस जालसाजी को कैफे के अलावा वेबसाइट व यूट्यूब के जरिए ऑनलाइन चलाया जा रहा है। कर्नाटक के वेल्लारी में मामला पकड़ में आने के बाद हुई जांच में देशभर में इस जालसाजी का पता चला है। चुनाव आयोग ने सभी राज्यों को इसकी जांच करने और कठोर कार्रवाई के आदेश दिए हैं। चुनाव आयोग के निर्देश पर बिहार के भी प्रत्येक जिले में इसकी सघन जांच शुरू हो गई है।

चुनाव आयोग के सचिव अजय कुमार ने सभी राज्यों को इसकी जांच का आदेश दिया है। कर्नाटक सीईओ (मुख्य निर्वाचन अधिकारी) ने ही चुनाव आयोग से पूरे देश में इसकी जांच कराने की अनुशंसा की है। अपनी अनुशंसा में उन्होंने कहा है कि उपायुक्त व पुलिस जांच में यह बात सामने आई है कि वेल्लारी के एक कैफे में फर्जी मतदाता पहचान पत्र बनाया जा रहा था। कैफे की जांच में यह बात सामने आई कि इस जालसाजी को ऑनलाइन भी चलाया जा रहा है।

इसकी पुष्टि के लिए जब वेबसाइट व यूट्यूब को खंगाला गया तो इस तरह के दर्जनों लिंक मिले, जहां निर्धारित

राशि लेकर फर्जी इपिक बनाने का काम हो रहा था। पूरे देश में इसका जाल फैला देख कर्नाटक सीईओ ने चुनाव आयोग से पूरे देश में मामले की जांच की अनुशंसा की और कहा कि फर्जी इपिक के इस खेल से देश की सुरक्षा व चुनाव प्रक्रिया को खतरा है।

फर्जी इपिक पर निर्वाचन अधिकारी का जाली हस्ताक्षर

जांच में पता चला कि फर्जी इपिक पर निर्वाचन अधिकारी का हस्ताक्षर जाली है। इसके बाद जांच में पता चला कि वह सेंटर वेबसाइट पर भी दर्ज है और वेबसाइट के जरिए व इपिक बनाने का ऑर्डर भी ऑनलाइन शुल्क वसूली के बाद लेता है। आगे जांच में पता चला कि यूट्यूब पर इस तरह के करीब आधा दर्जन लिंक हैं, जो देश के अलग-अलग हिस्सों में इपिक बनाने का काम करते हैं। इसके बाद अधिकारियों ने गूगल में प्रिंट पोर्टल टाइप कर जांच की तो पता चला कि पूरे देश में इस तरह की वेबसाइट का जाल बिछा है, जो इपिक तैयार कर ग्राहकों को देते हैं।

वेल्लारी में इस तरह पकड़ में आया फर्जी इपिक का धंधा

बीते 25 अगस्त को वेल्लारी के आधार निर्माण केंद्र पर एक युवक पहुंचा। आधार कार्ड के लिए उसने अपने इपिक की फोटोकॉपी प्रस्तुत की। ओरिजनल इपिक मांगने पर उसने बताया कि उसका इपिक खो गया है। 11 बजे इस बातचीत के बाद वह अपना आवेदन लेकर चला गया। ठीक पांच घंटे बाद नए इपिक के साथ आधार बनवाने के लिए फिर आवेदन दिया। शक होने पर उसे आधार के लिए अगले दिन बुलाया गया और इसकी जांच शुरू की गई। पूछताछ में उसने इपिक बनाने वाले का पता दिया। इसके बाद वेल्लारी चुनाव कार्यालय का कर्मी वहां ग्राहक बनकर गया और इपिक का ऑर्डर दिया। उसका भी इपिक बना दिया गया।

कई कार्यों में होता है इपिक का इस्तेमाल

उल्लेखनीय है कि इपिक का इस्तेमाल आधार कार्ड बनवाने के अलावा, बैंक अकाउंट खोलने, मोबाइल सिम लेने व पासपोर्ट आदि बनवाने में भी होता है। इसके अलावा चुनाव में वोटिंग में तो इसका इस्तेमाल अनिवार्य तौर पर होता है। कर्नाटक सीईओ ने साफ कहा है कि इस तरह पूरे देश में फर्जी इपिक के धंधे से पूरी चुनाव प्रक्रिया के अलावा देश की सुरक्षा को भी खतरा हो सकता है। इधर, बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा से ठीक पहले मामला प्रकाश में आने के बाद यहां भी तेजी से कार्रवाई शुरू हो गई है। अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को इसकी जांच कराने और मामले में कार्रवाई का आदेश दिया है।

'किसानों के भगवान हैं प्रधानमंत्री'

विपक्ष को किसानद्रोही बता कृषि बिलों के समर्थन में बोले शिवराज सिंह चौहान

भोपाल.कृषि से जुड़े तीनों विधेयकों को संसद से मंजूरी मिल गई है। पक्ष इसे किसानों के हित का बता रहा है, वहीं विपक्ष का कहना है कि इससे किसानों का घाटा होगा। इस बीच भारतीय जनता पार्टी के नेता से लेकर मंत्री तक किसान बिलों के फायदे गिनाने में जुट गए हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'किसानों का भगवान' बताया और कहा कि संसद से पारित कृषि सुधार संबंधी विधेयकों से अन्नदाताओं की आय दोगुनी होगी।

शिवराज सिंह चौहान ने इन विधेयकों के विरोध में उतरे विपक्षी दलों को 'किसानद्रोही' करार दिया और आरोप लगाया कि वे बिचौलियों की पैरवी कर रहे हैं। शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार रात इंदौर में संवाददाताओं से कहा, 'दूरदृष्टि से फैसले करने वाले प्रधानमंत्री किसानों के भगवान हैं। कृषि सुधारों से संबंधित तीनों विधेयक किसानों के लिए वरदान हैं जिनसे किसानों की आय दोगुनी होगी।'

उन्होंने कहा, 'इन विधेयकों का विरोध कर रहे विपक्षी दल अन्नदाताओं के शुभचिंतक नहीं, बल्कि किसानद्रोही हैं। वे किसानों को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन उनकी ये कोशिशें सफल नहीं होने दी जाएंगी।' विपक्षी दलों पर हमला जारी रखते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'अगर कोई निर्यातक अच्छे दाम देकर सीधे किसानों से गेहूं और धान खरीदता है, तो किसी बिचौलिये की जरूरत क्या है?विपक्षी दल बिचौलियों का समर्थन क्यों कर रहे हैं।'उन्होंने यह भी कहा कि विपक्षी दल कृषि विधेयकों को लेकर प्रधानमंत्री का नहीं, बल्कि किसानों के हितों का 'अंधविरोध' कर रहे हैं।

मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने मांगी माफी, कहा- प्रधानमंत्री की भावना के अनुरूप नहीं था उनका बयान

भोपाल.कोरोना के बढ़ते संक्रमण से खुद को बचाने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के द्वारा लगातार मास्क पहनने की अपील की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी जब तक दवाई नहीं, तब तक ढिलाई नहीं का संदेश दिया है, लेकिन इसका असर उनकी ही पार्टी के नेता और मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा पर नहीं हो रहा है। कल उन्होंने मीडिया के सवाल पर कहा था कि मैं मास्क्र नहीं पहनता हूं। हालांकि अपने उस बयान के लिए उन्होंने माफी मांगी है।

नरोत्त मिश्रा ने ट्वीट कर कहा, मास्क पहनने के बारे में मेरे बयान से कानून की अवहेलना महसूस हुई है। यह माननीय प्रधानमंत्री जी की भावना के अनुरूप नहीं था। मैं अपनी गलती मानते हुए खेद प्रकट करता हूं। मैं स्वंय भी मास्क पहनूंगा। समाज से भी अपील करूंगा कि सभी मास्क पहनें।

आपको बता दें कि कल नरोत्तम मिश्रा प्रदेश सरकार की गरीब कल्याण आधारित "सम्बल" योजना से जुड़े कार्यक्रम में भाग लेने इंदौर आये थे। इस कार्यक्रम में उनके मास्क नहीं पहनेने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने संवाददाताओं से कहा, "मैं किसी भी कार्यक्रम में (मास्क) नहीं पहनता। इसमें क्या होता है?"

उनके इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विपक्षी कांग्रेस ने सत्तारूढ़ भाजपा पर सवाल दागा है कि क्या कोविड-19 से बचाव के नियम-कायदे केवल आम लोगों पर लागू होते हैं?

मिश्रा के पास जेल, संसदीय कार्य, विधि एवं विधायी कार्य विभाग भी है। जब वह संवाददाताओं से बात कर रहे थे, तब भी उन्होंने मास्क नहीं पहन रखा था। हालांकि, उनके पास ही खड़े राज्य के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट और अन्य भाजपा नेताओं ने महामारी से बचाव के लिये मास्क पहना हुआ था।

उधर, प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा ने मास्क नहीं पहनने को लेकर मिश्रा के बयान के वायरल वीडियो को ट्वीट करते हुए लिखा, "है कोई माई का लाल जो नियमों के उल्लंघन पर इन पर कार्रवाई का साहस दिखा सके ? नियम सिर्फ जनता के लिये ?"

कोरोना के साये में हुए विधानसभा सत्र में बने कई रिकॉर्ड, जानिए

देहरादून.कोरोना के साये में हुए एक दिन के विधानसभा सत्र में बुधवार को तमाम रिकार्ड कायम हुए। विधायक जहां पहली बार सत्र से वर्चुअली जुड़े, वहीं सभा मंडप की तस्वीर भी अलग नजर आई। छह फीट की अनिवार्य दूरी बनाने के लिए विधायकों को पत्रकार और दर्शक दीर्घा में बैठाया गया, जबकि कुछ विधायक फंक्शन हॉल से सत्र से जुड़े। एक ही दिन में सरकार ने 19 विधेयक सदन के पटल पर पेश किए और उन्हें पारित कराया। पेश है 'हिन्दुस्तान' की रिपोर्ट-

मानसून सत्र की कार्यवाही से वर्चुअली जुड़े विधायक

उत्तराखंड के इतिहास में पहली बार विधायकों को सत्र में वर्चुअली जुड़ने का मौका मिला। 14 विधायकों ने इस सुविधा का लाभ उठाया और वे अपने जिले से ही वर्चुअल तरीके से विधानसभा की कार्यवाही में शामिल हुए। कोरोना संक्रमण को देखते हुए विधानसभा सचिवालय ने एनआईसी के सहयोग से जिला मुख्यालय से जुड़ने की व्यवस्था की और यह व्यवस्था पूरी तरह सफल रही। राज्य गठन के बाद यह पहला मौका था जब विधायक जिला मुख्यालय से ही सत्र से जुड़े और उन्हें उपस्थित भी माना गया।

विधेयक एक ही दिन में सदन में पेश और पास

विधानसभा की कार्य संचालन नियमावली 2005 के अनुसार कोई भी विधेयक एक दिन पेश किया जाएगा और फिर अगले दिन उस पर विचार के बाद उसे पास किया जाएगा। लेकिन कोरोना संक्रमण की वजह से एक ही दिन का सत्र बुलाए जाने की वजह से सदन में सुबह 19 विधेयक और 10 अध्यादेश पेश किए गए। जबकि शाम को भोजनावकाश के बाद उन्हें पारित कर दिया गया। इसके लिए दिन मे कार्य मंत्रणा की बैठक कर दोबारा कार्यसूची तैयार करनी पड़ी।

कोरोना के चलते कार्यवाही से बाहर रहे कई मंत्री-विधायक कोरोना संक्रमण की वजह से कैबिनेट मंत्री डॉ.हरक सिंह रावत व राज्यमंत्री डॉ.धन सिंह रावत को सदन की कार्यवाही से बाहर रहना पड़ा। इसके अलावा भाजपा के सात जबकि कांग्रेस के तीन विधायक भी कोरोना की वजह से सत्र में भाग नहीं ले पाए।

विधानसभा में आने के लिए दिखानी पड़ी रिपोर्ट ऐसा भी पहली बार हुआ जब विधायकों को सत्र में शामिल होने के लिए अपने स्वस्थ होने का प्रमाण देना पड़ा।

सत्र शुरू होने से पूर्व विधानसभा सचिवालय ने विधायकों-मंत्रियों की कोरोना जांच कराई। जो विधायक बिना जांच के पहुंचे उन्हें एंटीजन जांच के बाद प्रवेश मिला।

बदलती दिल्ली : अब घटनास्थल पर जाएगी एडवांस फॉरेंसिक क्राइम टीम

नई दिल्ली.देश की सबसे स्मार्ट पुलिस फोर्स में शुमार की जाने वाली दिल्ली पुलिस अब अपनी जांच को पूरी तरह साइंटिफिक सबूतों के विश्लेषण पर आधारित करने की दिशा में तेजी से कदम उठा रही है। इसका मकसद है हर तरह से सबूत एकत्र कर अपराधियों को हर हाल में सजा दिलाना। इसके लिए किसी भी घटना के बाद से ही साइंटिफिक साक्ष्यों को एकत्र करने की प्रक्रिया शुरू होगी, जिसमें अब किसी भी बड़ी वारदात वाले घटनास्थल पर एडवांस फॉरेंसिक साइंटिफिक क्राइम टीम को भेजा जाएगा। इसकी दिल्ली पुलिस की तरफ से जोर-शोर से तैयारी की जा रही है। माना जा रहा है कि अगले कुछ दिनों में यह व्यवस्था लागू कर दी जाएगी।

इस टीम में जरूरत के मुताबिक टेक्नो, बॉयो, केमिकल, बैलेस्टिक व ड्रग सहित अन्य जिस भी विशेषज्ञता वाले शख्स की जरूरत होगी, उसे भेजा जाएगा। ताकि घटना के बाद से ही मौके से साइंटिक सबूत एकत्र कर उसका विश्लेषण शुरू किया जा सके। इसके पहले दिल्ली में जिस भी जिले में वारदात होती थी, उस जिले की क्राइम टीम क्राइम टीम मौके पर जाती थी जिसमें पुलिसकर्मी ही शामिल होते थे और वहीं मौके से सबूत एकत्र करते थे।

क्या होगा फायादा

इस व्यवस्था से तफ्तीश मे में मिलेगी मदद। साइंटिफिक पहलुओं पर पहले से ही जांच अधिकारी अपनी तफ्तीश को आगे बढ़ा पाएंगे और सबूतों का अभाव नहीं रहेगा, जिसका अक्सर फायदा अपराधी को मिल जाता है। दूसरा यह है कि सबूत पुख्ता होने पर सजा दिलाने का दर भी अच्छा हो जाएगा।

क्यों उठाया गया यह कदम

पहले मौके से कई बार साइंटिफिक सबूत एकत्र नहीं हो पाने के कारण जांच में मदद नहीं मिल पाती थी। इसके लिए कई दूसरे विकल्पों पर आश्रित रहना पड़ता था, जिसके कारण जांच में देरी होती थी। इसके अलावा सबूतों के अभाव में सजा दिलाने का दर भी ठीक नहीं होता था और कई बार जांच पर सवाल भी उठते थे। ऐसे में यह साइंटिफिक सबूतों के साथ जांच करने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है।

क्या है फॉरेंसिक टीम

फॉरेंसिक टीम किसी आपराधिक मामले की जांच करने के लिए वैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित निष्कर्ष निकालने वाली टीम है। तकनीकों का उपयोग करते हुए विशेषज्ञ ब्लड, बॉडी फ्लूड, सलाइवा, शरीर के दूसरे पदार्थ, हेयर, फिंगर प्रिंट, फुट प्रिंट, टिशू, यूरीन में पाये जानेवाले अल्कोहल, स्पर्म और विस्फोटक पदार्थ आदि के आधार पर तफ्तीश करते हुए एक निष्कर्ष निकाल जांच एजेंसियों को रिपोर्ट देते हैं।

क्या है क्राइम टीम

अपराध के बाद मौके से सबूत एकत्र करने के लिए पहुंचने वाली पुलिस की टीम को क्राइम टीम कहते हैं।

इस टीम के पुलिसकर्मी मौके का मुआयना करते हैं और जो भी सबूत उन्हें मौके पर मिलते हैं, उसे जांच के लिए एकत्र करते हैं। लेकिन इसमें अमूमन फॉरेंसिक की तरह विशेषज्ञता रखने वाले पुलिसकर्मी शामिल नहीं होते हैं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

काले धन को सफेद करने में लगे पाकिस्तान के कम से कम 6 बैंकः रिपोर्ट

इस्लामाबादः

पाकिस्तान के कम से कम 6 बैंक काले धन को सफेद करने में लगे हुए हैं। एक जांच में यह बात सामने आई है कि इन बैंकों ने अढ़ाई मिलियन डालर की मनी लांड्रिंग की है। इसका खुलासा इंटरनेशनल कंसोर्टियम ऑफ इंवेस्टिगेटिव जर्नलिस्ट्स (आई.सी.आई.जे.) और बजफीड की जांच में हुआ है। फिनसेन जांच रिपोर्ट मुताबिक अढ़ाई मिलियन डॉलर के कम से कम 29 बड़े संदिग्ध लेनदेन पाकिस्तानी बैंकों से संबंधित हैं, जिनका इस्तेमाल संभावित तौर पर काले धन को सफेद करने में हुआ है। संदिग्ध लेन देन में शामिल बैंकों की सूची में यूनाईटिड बैंक (यू.बी.एल.) अलाईड बैंक, बैंक अलफलाह, हबीब मैट्रोपोलीटन बैंक, स्टेंडर्ड चार्टर्ड बैंक पाकिस्तान और हबीब बैंक (एच.बी.एल.) शामिल हैं। जांच रिपोर्ट के अनुसार यह सारे संदिग्ध 29 लेन देन साल 2011 और 2012 के बीच किए गए हैं। बजफीड द्वारा आई.सी.आई.जे. के साथ सांझे किए गए जांच आंकड़े अनुसार इनमें अधिक मामले स्टेंडर्ड चार्ट्र्ड बैंक पाकिस्तान से संबंधित हैं। रिपोर्ट साल 1999 से 2017 के बीच बैंकों और वित्तीय संस्थाओं द्वारा दायर की गई 2,100 से अधिक संदिग्ध गतिविधियों की रिपोर्ट (एस.ए.आर.एस.) पर आधारित थी फिनसेन को बजफीड से प्राप्त हुई। इन खुलासों से यह तो स्पष्ट है कि पाकिस्तानी सरकार नाजायज फंडिंग और काले धन को सफेद करने वालों पर रोक नहीं लगा सकी है।

पाक PM की कुर्सी खतरे में, सरकार के खिलाफ इकट्टी हुई विरोधी पार्टियां

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान में इमरान ख़ान सरकार की कुर्सी एक बार फिर से खतरे में पड़ती नजर आ रही है। इस बार पाकिस्तान की सभी विरोधी पार्टियां इमरान ख़ान सरकार के ख़िलाफ इकट्टी हो गई हैं। पाकिस्तान में विपक्ष ने रविवार को घोषणा की कि वह डेमोक्रेटिक मूवमैंट नामक एक नया गठबंधन बनाने के लिए आएंगे। जी.ओ. न्यूज मुताबिक गठबंधन की सहमति इस्लामाबाद में एक सम्मेलन के बाद हुई, जिसमें विरोधी पक्ष ने सत्ताधारी पाकिस्तानी तहरीक-ए -इंसाफ़ सरकार से देश को छुटकारा दिलाने के लिए कार्यवाही का अगला रास्ता बताया। एक प्रैस वार्ता को संबोधित करते हुए जमीअत उलेमा -ए -इस्लाम के प्रमुख मौलाना फज़ल उर्फ रहमान ने कहा कि विरोधी पक्ष पी.एम. इमरान के इस्तीफ़े की मांग कर रहा है।

राष्ट्र स्तरीय विरोध प्रदर्शन अक्तूबर से होंगे और इसमें वकीलों, व्यापारियों, मज़दूरों, किसानों और नागरिक समाज की हिस्सेदारियां होंगी। पहले पढ़ाव में बलोचिस्तान, ख़ैबर पखतूनवा और पंजाब में रैलियां आयोजित की जाएंगी। दूसरे में दिसंबर से शुरू होने वाले विशाल प्रदर्शन देश व्यापक होंगे। तीसरे पढ़व में अगले साल जनवरी में एक लंबा मार्च इस्लामाबाद की तरफ से बढ़ेगा।

अमरीकी संसद ने चीन से आयातित सामान पर पाबंधी लगाने के बिल को दी मंजूरी

वाशिंगटनः

अमरीका और चीन के बीच जारी तनाव में अमरीकी संसद में एक और बिल कारोबारियों और चैंबर आफ कामर्स के विरोध के बावजूद पास हो गया। यह बिल चीन के शिनजियांग राज्य में उइगर मुसलमानों से करवाई जा रही जबरन श्रम के खिलाफ है, जिसके तहत ऐसे सामान के अमरीका में आने पर रोक लगा दी गई है। चीन पर उइगर मुसलमानों को कैंपों में रखकर उनसे जबरदस्ती माल तैयार करवाने के आरोप हैं। लोकसभा में उइगर जबरन श्रम अधिनियम के पक्ष में 406 वोट पड़े जबकि विरोध में सिर्फ तीन। कानून को प्रभावी होने से पहले सैनेट में पास करवाना जरुरी होगा। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, शिनजियांग राज्य के कैंपों में कम से कम 10 लाख उइगर व ओर कम गिनती मुसलमानों को रखा गया है। लोकसभा द्वारा पास इस बिल की अमरीकी कारोबारियों और चैंबर आफ कामर्स ने आलोचना की है। ऐसे इसलिए क्योंकि उनके कारोबार में ज्यादातर कपड़ों में यहां का धागा शामिल होता है। अधिकार संगठन की एक शोध के अनुसार, अमरीका में आने वाले 20 फीसदी से अधिक कपड़ों में इस्तेमाल किया हुआ कुछ ना कुछ धागा शिनजियांग राज्य में ही तैयार होता है।

नेपाल के क्षेत्र में चीन की तरफ से इमारतें बनाने के मामले के विरुद्ध लोगों ने किया प्रदर्शन

काठमांडू-

नेपाल की राजधानी काठमांडू में चीनी दूतावास के सामने नेपाली लोगों के एक समूह ने बुधवार दोपहर को चीन की तरफ से किए गए जमीनी कब्जे के खिलाफ प्रदर्शन किया। रिपोर्टों में कहा गया है कि चीन ने तिब्बत के साथ लगते हुमला जिले में कथित तौर पर नेपाली जमीनों पर 9 इमारतें बनाईं थीं। यह इमारतें हुमला जिले के लेपचा बागर क्षेत्र में बनने का दावा किया गया था। इन खबरों के सामने आने के बाद नेपाल के लोगों में चीन के प्रति गुस्सा पैदा हो गया। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में पोस्टर और बैनर पकड़े थे, जिन पर लिखा था- 'बैक ऑफ चाइना। मुख्य जिला अधिकारी चिरंजीबी गिरी ने बुधवार को पहले इस क्षेत्र का दौरा किया था, जहां उन चीनी फौजियों ने यह दावा किया था कि यह उनकी जमीन है और उनकी जमीन पर ही इमारत बनाई गई थी। हालांकि चीन की तरफ से इमारतें बनाने के विरुद्ध देश के सिविल सोसायटी समूहों की तरफ से किए जा रहे विरोध प्रदर्शनों को लेकर चीन ने ऐसी खबरों को खारिज करते हुए इस कब्जे से इन्कार किया है। नेपाल में चीनी दूतावास ने कब्जे हटाने की खबरों से इन्कार किया। उन्होंने कहा कि इमारतें चीन की सरहद के अंदर बनी हैं। चीन और नेपाल में कोई भौगोलिक विवाद नहीं है। इसके साथ ही नेपाल के विदेश मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया है कि उसके देश का चीन के साथ कोई सरहदी विवाद नहीं है और न ही चीन ने उसके देश की धरती पर कब्जा किया है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी चुनाव को लेकर फेसबुक की सख्ती, हटाए चीन से चलने वाले सैंकड़ों फेक अकाउंट

नेशनल डेस्क। अमेरिकी चुनाव में दुष्प्रचार रोकने के लिए फेसबुक ने कमर कस ली है। इसी के तहत कंपनी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चीन से चलने वाले फर्जी खातों के एक छोटे नेटवर्क को हटा दिया है। फेसबुक ने कहा कि चीन में बनाए गए कुछ फर्जी अकाउंटों और पेजों के नेटवर्क को कंपनी ने खत्म कर दिया है। ये पेज अमेरिका और अन्य देशों में राजनीतिक गतिविधियों को प्रभावित करने पर केंद्रित थे। अमेरिका केंद्रित पेजों पर लगभग न के बराबर फॉलोविंग थी। उनका मुख्य केंद्र फिलीपीन समेत दक्षिणपूर्वी एशिया था। अमेरिका में इन अकाउंटों पर राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों पेट बेतिग, जो बाइडेन और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थन और विरोध में पोस्ट डाली गई थीं। फेसबुक सीधे तौर पर तो इस नेटवर्क को चीनी सरकार के साथ नहीं जोड़ रहा है। हालांकि उसने कहा कि इस नेटवर्क के पीछे के लोगों ने अपनी पहचान और स्थान को निजी नेटवर्कों और अन्य तरीकों से छुपाने की कोशिश की। अमेरिकी की खुफिया एजेंसी एफबीआई और गृह सुरक्षा विभाग की साइबर सिक्योरिटी एजेंसी ने चुनाव में हस्तक्षेप से जुड़ी चिंताओं के संबंध में चेतावनी जारी की थी। इसमें कहा गया था कि विदेशी पक्ष और साइबर अपराधी चुनाव के परिणाम को लेकर गलत जानकारी साझा करने की कोशिश कर सकते हैं।

नवाज की चेतावनी से इमरान सरकार और पाक सेना में खलबली, भारत के सिर फोड़ा ठीकरा

इस्लामाबादः पाकिस्तान में सारे विपक्षी दलों के एकजुट होने और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की वापसी से देश राजनीति में भूचाल आ गया है। ए संयुक्त विपक्ष की रैली में नवाज शरीफ ने इमरान खान और पाकिस्तानी सेना को खुले तौर पर चेतावनी के बाद से इमरान के मंत्री शिबली फराज, असद उमर, शाह महमूद कुरैशी, और फवाद चौधरी ने सरकार की तरफ से मोर्चा संभाला हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि नवाज शरीफ के इमरान सरकार की बुराई करने से भारत को खुशी हुई है। इमरान के मंत्री बोले- नवाज की टिप्पणी भारत में बन रही हेडलाइन पाकिस्तान के योजना और विकास मंत्री असद उमर ने कहा कि देश के दुश्मन यह महसूस कर रहे हैं कि पाकिस्तान विकास कर रहा है। इसलिए वे साथ मिलकर इस रास्ते में अड़चने पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नवाज शरीफ पाकिस्तानी सेना के खिलाफ व्यक्तिगत हमले कर रहे हैं। उनकी टिप्पणी भारत के मीडिया में हेडलाइन बन रही है। वे नेशनल अकाउंटबिलिटी ब्यूरो की आलोचना कर रहे हैं। जिसके अध्यक्ष को खुद पीपीपी और पीएमएल-एन ने नामित किया है। विपक्षी पार्टियों की रैली के दौरान नवाज शरीफ ने कहा था कि हमारा संघर्ष इमरान खान के खिलाफ नहीं है। आज, हमारा संघर्ष उन लोगों के खिलाफ है, जिहोंने इमरान खान को बैठाया है और जिन्होंने उन जैसे अक्षम व्यक्ति को लाने के लिए (2018 के) चुनाव को प्रभावित किया और मुल्क को तबाह किया। पाकिस्तानी विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने भी असद उमर के बयान का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि नवाज शरीफ के भाषण पर भारत में खुशी महसूस की गई। उन्होंने अपने भाषण में सरकार और सेना को धमकी दी और हर राज्य संस्था की आलोचना की। जबकि हमारे सेना के जवान देश की एकता और रक्षा के लिए अपनी जान कुर्बान कर रहे हैं। सूचना मंत्री शिबली फराज ने कहा कि इस उन्होंने प्रधानमंत्री इमरान खान के आदेश पर विपक्षी नेताओं के भाषणों के प्रसारण की अनुमति दी। उन्होंने इस आरोप को भी नकार दिया कि मौलाना फ़ज़लुर रहमान का लाइव भाषण को सरकार ने सेंसर किया था।

जी4 देशों ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग की

नयी दिल्ली,

भारत, जापान, जर्मनी और ब्राजील ने काफी समय से लंबित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधारों के लिए किसी भी प्रकार के सार्थक प्रयास नहीं होने पर चिंता व्यक्त की और इस मुद्दे पर जल्द उचित कदम उठाने की मांग की। जी4 समूह में भारत, जापान, जर्मनी और ब्राजील आते हैं। जी4 देशों के विदेश मंत्रियों ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 75वें सत्र में एक ऑनलाइन बैठक की, जिसके दौरान उन्होंने यूएनएससी में तत्काल सुधार की आवश्यकता पर व्यापक चर्चा की। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया है, ''जी4 देशों के विदेश मंत्रियों ने इस प्रक्रिया को पटरी से उतारने के प्रयासों पर निराशा व्यक्त की और संयुक्त राष्ट्र की 75वीं वर्षगांठ पर इस विषय पर जल्द ही सार्थक कदम उठाने को लेकर प्रतिबद्धता जाहिर की।'' बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर, ब्राजील के विदेश मंत्री अर्नेस्टो अराजो, जापान के मोतेगी तोशिमित्सु और जर्मनी के मंत्री नील्स एनेन शामिल हुए।

UN के आगे प्रदर्शित की चीनी नसलकुशी का शिकार उइगरों की तस्वीरें

जेनेवाः

उइगर मुसलमानों पर चीन जो अत्याचार कर रहा है, वो सारी दुनिया जानती है। 45वें मानवीय अधिकार परिषद के सैशन दौरान यू.एन. के सामने चीन की तरफ से लापता किए गए और अत्याचार के शिकार हुए लोगों की तस्वीरों की प्रदर्शनी लगा कर उनके लिए न्याय मांगा गया है। विश्व उइगर कांग्रेस (डबल्यू.यू.सी.) की तरफ से तीन दिनों के लिए तस्वीरों द्वारा विरोध प्रदर्शन करने का आयोजन किया गया, जिसमें चीन के राज्य शिंजियांग में हो रहे अत्याचार की तस्वीरें सांझी की गई। इस सबका मकसद अंतर्राष्ट्रीय भाईचारे के आगे उइगर पीड़ितों की असली तस्वीरें लाना था जिससे उन्हें पता चल सके कि वह कौन से संकट से गुजर रहे हैं। डबल्यू.यू.सी. के प्रमुख डोलकन ईसा ने कहा कि हम इस प्रदर्शनी का प्रबंध करके लोगों को बताना चाहते हैं कि उइगर लगतार चीन की तरफ से नसलकुशी के शिकार हो रहे हैं। आज चीन की सरकार के कारण 3 मिलियन से अधिक उइगर मुसलमान दुखी हैं और कैंपों में अत्याचार सहन कर रहे हैं। चीनी सरकार उइगर मुसलमानों को जबरन मजदूरी के तौर पर इस्तेमाल कर रही है। इसलिए हम विशव को चीन के साथ कारोबार बंद करने के लिए कह रहे हैं। हम चीनी सरकार को विनती कर रहे हैं कि उइगर नसलकुशी को रोका जाए। उन्होंने विश्व से मदद मांगी है जिससे उइगरों को चीन की गिरफ्त से छुडाया जा सके।

कश्मीर पर बदलने लगे PAK के सुर? SAARC की बैठक में न विवादित नक्शा लगाया ना जिक्र किया

नेशनल डेस्कः

कोरोना संकट काल में गुरुवार को दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (SAARC) देशों के विदेश मंत्रियों की वर्चुअल बैठक हुई, जिसमें पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी भी शामिल हुए। कुरैशी ने अपने भाषण में कश्मीर का जिक्र नहीं किया। इससे पहले बैठक के दौरान पाकिस्तान की ओर से बैठक में एक और बदलाव दिखा, अब उसकी ओर से बैकग्राउंड में कोई नक्शा नहीं लगाया गया। पाकिस्तान के इस बदले सुर को लेकर अब कयास लगाए जाने लगे हैं।

पाकिस्तानी विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने अपने भाषण में संयुक्त राष्ट्र चार्टर और प्रस्तावों को लागू करने की बात कही। विवादित क्षेत्रों की स्थिति में एकतरफा बदलाव की भी निंदा समेत कई मुद्दों पर चर्चा की, लेकिन उन्होंने अपने भाषण में एक बार भी कश्मीर शब्द का उल्लेख नहीं किया।

बदलाव के पीछे क्या है रणनीति

इससे पहले विदेश मंत्रियों के इस बैठक में एक और बदलाव देखने को मिला, पाकिस्तान ने इस बार बैकग्राउंड में किसी तरह का नक्शा नहीं लगाया। पिछले दिनों एससीओ में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक में भारत ने पाकिस्तान की ओर से इसी विवादित नक्शा लगाने को लेकर कड़ा विरोध जताते हुए मीटिंग ही छोड़ दी थी। सार्क विदेश मंत्रियों बैठक में इन बदलावों के पीछे माना जा रहा है कि पाकिस्तान जल्द से जल्द सार्क के 19वें शिखर सम्मेलन की मेजबानी करना चाहता है।

जयशंकर बोले- मिलकर खत्म करना होगा आतंकवाद

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि दक्षेस को आतंकवाद तथा कारोबार एवं सम्पर्क में बाधा उत्पन्न करने से जुड़ी तीन महत्वपूर्ण चुनौतियों का निपटारा करने की जरूरत है। विदेश मंत्री ने यह बात दक्षेस समूह की डिजिटल माध्यम से हुई अनौपचारिक बैठक में कही जिसे पाकिस्तान की आलोचना के रूप में देखा जा रहा है। दक्षेस विदेश मंत्रियों की अनौपचारिक बैठक को संबोधित करते हुए जयशंकर ने आतंक का पोषण, समर्थन और प्रोत्साहित करने वाली ताकतों सहित आतंकवाद की बुराई को परास्त करने के लिये सामूहिक संकल्प की जरूरत बतायी। विदेश मंत्री ने 'पड़ोस प्रथम% की भारत की प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की और एक दूसरे से जुड़े, समन्वित और समृद्ध दक्षिण एशिया की कामना की। SAARC की स्थापना 8 दिसंबर, 1985 को बांग्लादेश की राजधानी ढाका में हुई थी। SAARC की स्थापना के समय इस संगठन में क्षेत्र के 7 देश (भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, मालदीव और श्रीलंका) शामिल हुए थे लेकिन साल 2007 में अफगानिस्तान को भी इस संगठन में शामिल कर लिया गया।

पाकिस्तान को अवैध रूप से कंप्यूटर उपकरण निर्यात करने के आरोप में पाकिस्तानी-अमेरिकी गिरफ्तार

वाशिंगटन।

अमेरिका में एक पाकिस्तानी-अमेरिकी को आवश्यक सरकारी स्वीकृति के बिना देश से उच्च तकनीक वाले कंप्यूटर के उपकरण और च्सॉफ्टवेयर ऐप्लिकेशन सॉल्यूशन पाकिस्तान परमाणु ऊर्जा आयोग को निर्यात करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। संघीय अभियोजकों के अनुसार पाकिस्तान स्थित च्बिजनेस सिस्टम इंटरनेशनल (बीएसआई) प्राइवेट लिमिटेड और शिकागो स्थित बीएसआई यूएसए के मालिक अब्दुल्ला सैयद (65) को 16 सितम्बर को गिरफ्तार किया गया। दोषी पाए जाने पर उन्हें अधिकतम 20 साल की सजा हो सकती है। वह अभी संघीय हिरासत में हैं। संघीय अभियोजकों ने बताया कि सैयद की दोनों कम्पनियों ने उच्च तकनीक वाले कंप्यूटर के उपकरण, सर्वर औरच्सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन सॉल्यूशन निर्यात किए। शिकागो में जिला अदालत में चल रहे मुकदमे के अनुसार 2006 से 2015 तक, सैयद और बीएसआई ने पाकिस्तान में कम्पनी के कर्मचारियों के साथ मिलकर अमेरिकी वाणिज्य विभाग से आवश्यक प्राधिकरण प्राप्त किए बिना अमेरिका से पाकिस्तान परमाणु ऊर्जा आयोग (पीएईसी) को कंप्यूटर उपकरण निर्यात करके अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक ऊर्जा अधिनियम का उल्लंघन किया। पाकिस्तान परमाणु ऊर्जा आयोग एक सरकारी एजेंसी है जो उच्च विस्फोटक और परमाणु हथियार के हिस्सों, यूरेनियम खनन और संवर्धन और ठोस ईंधन वाली बैलिस्टिक मिसाइलों का निर्माण और परीक्षण करती है।

फ्रांसीसी रक्षा मंत्री ने अपने सैनिकों की वायरस सुरक्षा को लेकर बोला झूठ, किया कबूल

इंटरनेशनल डेस्कः कोरोना वायरस को लेकर फ्रांस की रक्षा मंत्री की एक बड़ी लापरवाही सामने आई है। उन्होंने स्वीकार किया है कि उन्होंने चीन के शहर वुहान से फ्रांसिसी नागरिकों को सुरक्षित निकालने वाले वायुसेना के कर्मियों के लिए वायरस सुरक्षा के बारे में देश को गुमराह किया था। रक्षा मंत्री फ्लोरेंस पार्ली ने यह खुलासा सीनेट की जांच समिति के समक्ष किया जो फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों सरकार की विश्वसनीयता के लिए एक झटका है। वहीं, स्वास्थ्य मंत्री ओलिवियर वेरान कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के बीच बुधवार को नये प्रतिबंधों की घोषणा कर सकते है। रक्षा मंत्री ने कहा कि जनवरी में जब चीन वुहान शहर को बंद कर रहा था तो फ्रांस सरकार ने वहां से अपने नागरिकों को स्वदेश लाने के लिए उड़ानों की शुरूआत की। वुहान से इस तरह की पहली उड़ान 31 जनवरी को वापस आई थी। फ्रांस में कोरोना वायरस से 31,400 लोगों की मौत हो चुकी है और इस महामारी से मृतकों के मामले में फ्रांस यूरोप में ब्रिटेन और इटली के बाद तीसरे स्थान पर है। फ्रांस में अब एक दिन में वायरस के लगभग 10,000 नये मामले सामने आ रहे हैं।

पीएम मोदी के दोस्त ट्रम्प पर भारतीय-अमेरिकियों को भरोसा, दोबारा मिल सकती है राष्ट्रपति की गद्दी!

इंटरनेशनल डेस्क।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव में भारतीय-अमेरिकी 12 कारणों से देश के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के समर्थन में आगे आ रहे हैं, जिनमें से एक कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी मित्रता है। ट्रम्प के चुनाव प्रचार अभियान में लगे एक दल द्वारा किए गए सर्वेक्षण में यह दावा किया गया है। 'ट्रम्प विक्ट्री इंडियन अमेरिकन फाइनेंस कमेटी% के सह अध्यक्ष अल मैसन और उनके दल के सर्वेक्षण के अनुसार देश के पूर्व राष्ट्रपतियों और डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडेन के विपरीत ट्रम्प प्रशासन भारत के आंतरिक मामलों, खासकर कश्मीर जैसे मामलों से दूर रहा है। इसके अलावा वैश्विक मंच पर भारत का दर्जा ऊंचा करने में ट्रम्प की स्पष्ट भूमिका एक अन्य अहम कारण है। सर्वेक्षण में कहा गया है कि यह मुख्य रूप से ट्रम्प-मोदी फैक्टर के बारे में है। इसमें कहा गया है कि भारतीय-अमेरिकियों का काफी हद तक यह मानना है कि आगामी चार साल में मोदी और ट्रम्प के मिलकर काम करने से वैश्विक मंच पर चीन को रोकने में मदद मिलेगी। सर्वेक्षण में कहा गया है कि इनके अलावा, चीन के खिलाफ ट्रम्प के कड़े रवैये,देश को युद्ध की स्थिति में ले जाने के बजाए शांति कायम करने की कोशिश करने, कोविड-19 से पहले ''अमेरिका का आर्थिक पुनरुद्धार और वैश्विक महामारी से उचित तरीके से निपटने%% आदि के कारण भारतीय-अमेरिकी ट्रम्प की ओर आकर्षित हो रहे हैं। इसमें कहा गया कि ट्रम्प ने वैश्विक मंच पर भारत का दर्जा बढ़ाया है। निस्संदेह, इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका को लेकर दक्ष नीति को जाता है। भारत और अमेरिका के संबंध मजबूत हैं। भारत और अमेरिका के बीच मजबूत संबंधों का श्रेय ट्रम्प और मोदी को जाता है। सर्वेक्षण में कहा गया कि भारत में हर भारतीय-अमेरिकी के माता-पिता, भाई, बहन, मित्र हैं या कोई कारोबार है। वे चाहते हैं कि भारत का सम्मान हो और उसकी चीन से रक्षा हो। ट्रम्प ऐसा कर सकते हैं। उन्हें डर है कि ट्रम्प की गैरमौजूदगी में, चीन भारत के साथ युद्ध शुरू कर सकता है।

सर्वेक्षण में कहा गया है कि संभावित भारतीय अमेरिकी मतदाताओं में से 50 प्रतिशत मतदाता ट्रम्प के पक्ष में मतदान करेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बलात्कार का आरोपी गिरफ्तार

बलिया (एजेंसी)। जिले के बांसडीह क्षेत्र में शादी का झांसा देकर बलात्कार करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के मुताबिक बांसडीह कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली 25 वर्षीय युवती ने आरोप लगाया है

कि सचिन परिहार नामक व्यक्ति शादी का झांसा देकर उससे पिछले तीन साल से बलात्कार कर रहा था।

बीती 22 सितम्बर को जब युवती ने शादी के लिए दबाव बनाया तो उसने शादी से इंकार कर दिया।

युवती की शिकायत पर बुधवार को सचिन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

उसे बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

कृषि सुधार विधेयकों का विरोध बेबुनियाद–स्वतंत्र देव

लखनऊ (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने केन्द्र सरकार द्वारा लाए गए कृषि सुधार विधेयकों को किसानों के हित में ऐतिहासिक कदम बताया है। उन्होंने कृषि सुधार विधेयकों को लेकर कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों द्वारा किये जा रहे विरोध को बेबुनियाद बताते हुए कहा कि कांग्रेस ने शुरू से ही देश के किसानों को कानून के नाम पर जकड़े रखा। कांग्रेस ने आज तक तो किसानों के हित में कोई फैसला लिया नहीं और आज जब कृषि सुधार पर फैसले लिए जा रहे है तो किसानों को गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टियों द्वारा यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि सरकार चाहती है कि किसान अपनी भूमि को पूंजीपतियों को बेच दे जबकि तथ्य यह है कि किसानों को इन विधेयकों में पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की गई है, किसानों की भूमि की बिक्री या गिरवी रखना पूर्णतः निषिद्ध है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने गुरुवार को यहां बयान जारी कर कहा कि कांग्रेस ने किसानों को सशक्त करने के लिए आज तक कुछ भी नहीं किया। 55 साल में एक बार कांग्रेस ने किसानों का कर्ज माफ करने की योजना बनाई और उसमे भी बड़ा घोटाला किया। कांग्रेस के पास कृषि व्यवस्था में कोई भी सुधार करने की न तो नीयत थी न ही कोई इच्छाशक्ति। उन्होंने कहा कि यह विधेयक 70 वर्षो से हमारे अन्नदाताओं के होने वाले शोषण को समाप्त कर एक नई व सुगम व्यवस्था को स्थापित करेंगे। पूर्व में किसानों को अपनी फसलों का भुगतान लेने में अनेकों कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस व दूसरे विरोधी दल किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य के विषय में भड़काने का प्रयास कर रहे है, जबकि स्वयं प्रधानमंत्री कई बार कह चुके है कि देश भर में एमएसपी की व्यवस्था पहले की तरह जारी रहेगी। किसानो के लिए फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य के सुरक्षा कवच को बरकरार रखा गया है।

प्रदेश की पहली फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी की स्थापना में तेजी लाने के मुख्यमंत्री ने दिये निर्देश

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में स्थापित की जाने वाली प्रदेश की पहली फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी के कार्य में और अधिक तेजी लाये जाने के निर्देश दिये हैं।

अपर मुख्य सचिव, गृह अवनीश कुमार अवस्थी की अध्यक्षता में गुरुवार को यहां इस संबंध में अब तक हुई कार्यवाही की गहन समीक्षा हुई। बैठक में बताया गया कि लखनऊ जनपद की तहसील सरोजनीनगर के ग्राम पीपरसण्ड में खुलने वाले इस फोरेंसिक साईंस विश्वविद्यालय के लिए कुलपति, कुल सचिव एवं वित्त अधिकारी के पदों का सृजन कर दिया गया है। साथ ही शासन द्वारा विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों के लिए 20 करोड़ रूपये की धनराशि भी मंजूर की जा चुकी है। अपर पुलिस महानिदेशक, तकनीकी सेवाएं संदीप सालुंके को इस विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु नोडल अधिकारी नामित किया गया है तथा अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक स्टेयरिंग कमेटी का भी गठन किया जा चुका है। इस स्टेयरिंग कमेटी के लिए दो फोरेंसिक विशेषज्ञ क्रमशः डा. एके बापुली, चीफ फोरेन्सिक साइंटिस्ट, डीएसएफ रॉची, झॉरखण्ड एवं डा. दीपा वर्मा, निदेशक, राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला को नामित किया गया है।

अपर मुख्य सचिव अवस्थी ने बताया कि इस विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए डा. एपीजे अब्दुल कलाम, प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ से भी सहयोग एंव सहकार्य के लिए एमओयू किया जाना है। साथ ही साथ इस विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए इजराइल देश से तकनीकी सहयोग प्राप्त करने हेतु कार्यवाही प्रचलित है। इसके अलावा गुजरात फोरेंसिक यूनिवर्सिटी गॉधीनगर से भी एमओयू की कार्यवाही की जा रही है।

त्रिस्तरीय पंचायतों के निर्वाचक नामावलियों के पुनरीक्षण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को प्रदान किया गया प्रशिक्षण

बहराइच । त्रिस्तरीय पंचायतों के निर्वाचक नामावलियों के वृहद पुनरीक्षण कार्यक्रम को पारदर्शिता एवं त्रुटि रहित सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से जनपद स्तर पर उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, खण्ड विकास अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शम्भु कुमार की अध्यक्षता में विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिये गये कि बीएलओ व पर्यवेक्षक का अच्छा कार्य करने वाले कर्मचारियों को ही लगाया जाये।

साथ ही प्रत्येक सप्ताह पुनरीक्षण कार्य की गहन समीक्षा एवं मनीटरिंग भी अवश्य की जाय।

उन्होनें यह भी निर्देश दिया कि प्रथम सप्ताह से ही पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा शुरू कर दे जिससे पुनरीक्षण कार्य समय से पूर्ण कराकर त्रुटि रहित निर्वाचक नियमावली तैयार की जा सके।

प्रशिक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी जयचन्द्र पाण्डेय द्वारा निर्देश दिये गये कि 01 अक्टूबर 2020 से प्रारम्भ होने वाले गणना व सर्वे के लिए नियुक्त किये गये सभी बूथ लेबिल अधिकारी व सुपरवाइजर को पुनरीक्षण के सम्पूर्ण प्रकिया के बारे में विधिवत प्रशिक्षण प्रदान किया जाये जिससे पारदर्शिता के साथ त्रुटि रहित मतदाता सूची तैयार हो सके। प्रशिक्षण के दौरान ई–बीएलओ एप को डाउनलोड कराकर संचालन अवश्य करा दिया जाये।

इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी प्रदीप कुमार यादव, उप जिलाधिकारी महसी एस.एन. त्रिपाठी, कैसरगंज महेश कुमार कैथल, मोतीपुर ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी, तहसीलदार, खण्ड विकास अधिकारी व अन्य सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

विवादास्पद बना कुआं,कोई घटना बना तो जवाबदार कौन अर्जीकर्ता या प्रतिवादी के प्रशासन ?

रामपुर –स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम सिधवन निवासी हरिवंश दुबे के पाटीदार विवादित जमीन पर गिरे दालान को पैसे और बलपूर्वक

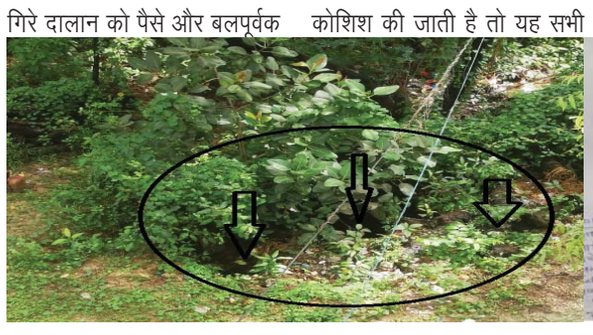

बनाने की कोशिश कर रहे है। और धमकी भी दे रहे है।

जिसके लिए भोगी पहले ही उप जिलाधिकारी मड़ियाहूँ को एक प्रार्थना पत्र देकर पुनः निर्माण रोकने की दरखास्त दे चुके है। और अवगत भी करा चुके है

जिस पर पिछले पांच साल से न्यायालय सिविल जुडिशियल जौनपुर में मुकदमा चल रहा है

और जब निर्माण रोकने की कोशिश की जाती है तो यह सभी लोग फौजदारी पर आमादा हो जाते हैं जब मैं अपने हिस्से की जमीन व खस्ताहाल कुआँ को भाटने का कार्य कराने की कोशिश करता हूं तो यह सभी लोग संख्या बल अधिक होने के कारण कार्य कराने से रोक देते है

भोगी हरिवंश दुबे के घर के सामने 15 फुट के दूरी पर जर्जर कुंवा है जिसमें 10–12 साल से पानी नहीं है। और हमेशा खस्ता. हाल कुंवा में गिरने का खतरा या अनहोनी बना रहता है। लेकिन। ये बल पूर्वक चंद्रभूषण , बृजभूषण , कृष्णचन्द्र, रामचंद्र और हरिश्चंद्र पुत्र गण सर्वगीय कमला प्रसाद दुबे एवं ओम प्रकश दुबे और जय प्रकाश दुबे पुत्र बृजभूषण दुबे एवं रजनीश दुबे पुत्र हरिश्चंद्र दुबे कुंवा भाटने नहीं दे रहे है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, शिक्षा क्षेत्र में सुधार का सबसे बड़ा अभियान–योगी

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020' आजादी के बाद शिक्षा क्षेत्र में सुधार का सबसे बड़ा अभियान है। यह हमें केवल सैद्धान्तिक ज्ञान तक सीमित नहीं रखेगा, बल्कि यह छात्र–छात्राओं को व्यावहारिक व तकनीकी ज्ञान से जोड़ने का सशक्त माध्यम बनने जा रहा है। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को यहां 'यू–राइज' पोर्टल लॉन्च तथा 'दीन दयाल उपाध्याय गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम' के अन्तर्गत चेक वितरण एवं नवीन कार्यों के शिलान्यास कार्यक्रम को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि 'यू–राइज' पोर्टल एक यूनिफाइड पोर्टल है। यह पोर्टल प्राविधिक, व्यावसायिक व कौशल विकास से जुड़े छात्र–छात्राओं के साथ ही उनके जितने भी विशेषज्ञ हैं, उन सबको एक प्लेटफार्म उपलब्ध करा रहा है। इसमें विद्यार्थियों के जीवन चक्र को बेहतर तरीके से प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020' लागू करने वाला उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है, जहां देश का पहला एकीकृत पोर्टल लागू हुआ है।

यह अन्य राज्यों के लिए भी एक मानक बनेगा। 'यू–राइज' पोर्टल का लोकार्पण तथा दीन दयाल उपाध्याय गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम के तहत नवीन कार्यों का शिलान्यास यह दिखाते हैं कि बड़ी से बड़ी चुनौतियां भी हमारे कार्यों में बाधा नहीं बन सकती। उन्होंने कहा कि 'यू–राइज' पोर्टल के माध्यम से किसी भी छात्र–छात्रा के बारे में किसी संस्था या संस्थान को जानकारी प्राप्त करना हो तो वह आसानी से प्राप्त कर सकेगी। उन्होंने कहा कि इस पोर्टल से 20 लाख से अधिक छात्र–छात्राएं लाभान्वित होंगे।

अफीम पर अवैध बिक्री पर हो प्रभावी कार्रवाई–योगी

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अवैध मादक पदार्थों का सेवन करने तथा उसके कारोबार में लिप्त व्यक्तियों की गहन जॉच पड़ताल कर प्रभावी कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने यह भी निर्देश दिये हैं कि राज्य में की जाने वाली अफीम की खेती किसी भी प्रकार से अवैध बाजारों में बेचने का स्रोत न बनने पाये और न ही नशेड़ियों आदि को उसे बेचा जाय।

मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में अपर मुख्य सचिव, गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने प्रदेश के सभी मण्डलायुक्तों, जिलाधिकारियों, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया है कि एनडीपीएस एक्ट, 1985 की धारा–15 से 31ए एवं गिरोहबन्द अधिनियम के अन्तर्गत मादक पदार्थो (अफीम) की अवैध बिक्री के कार्यो में संलिप्त अभियुक्तों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही सख्ती से सुनिश्चित की जाय। उन्होनें की गयी कार्यवाही से शासन को अवगत कराने के निर्देश दिये। उन्होंने यह निर्देश भी दिये है कि नारकोटिक्स से सम्बन्धित विभागों के साथ अतिशीघ्र बैठक भी आयोजित की जाय।

मंडला आयुक्त ने नारायना हॉस्पिटल का किया आकस्मिक दौरा

संजय मौर्य

कानपुर मण्डलायुक्त डा0 राजशेखर ने आज नारायना अस्पताल का आकस्मिक निरीक्षण किया।

जिसमें पहले से ही कोविड अस्पताल चल रहा था। उन्होंने नारायना अस्पताल को डेडीकेटेड अस्पताल 300 बेड का बनाये जाने हेतु दिशा निर्देश जारी किये। जिसमें 150 बेड आई0सी0यू0 के और 150 बेड आइसोलेशन का बनाने के निर्देश दिये। उन्होनें अस्पताल प्रबंधक से डेडीकेटेड अस्पताल बनाये जाने हेतु प्रोपोजल बनाकर यथाशीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिये।

उन्होंने अस्पताल प्रबंधक को नारायना अस्पताल को डेडीकेटेड अस्पताल बनाये जाने हेतु सभी आवश्यक कार्यवाही करने एवं जिन मूलभूत सुविधाओं की आवश्यकता हो उसका भी प्रस्ताव बनाकर अतिशीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिये ताकि उ0प्र0 शासन को प्रस्ताव भेजकर डेडीकेटेड अस्पताल बनाये जाने हेतु सभी आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके।

नारायना अस्पताल के सचिव श्री अमित नारायण ने मंडलायुक्त को अवगत कराया कि नारायना अस्पताल को डेडीकेटेड अस्पताल बनाये जाने हेतु पर्याप्त बेड व भवन उपलब्ध है, साथ ही संसाधन भी उपलब्ध है।

डायलिसिस बना हुआ है, बाहर के मरीज भी आ रहे हैं। प्लाज्माथेरेपी भी जल्द स्टार्ट हो

जायेगी। आई0टी0पी0आर0सी0 मशीन आ चुकी है। इन्फ्रास्ट्रक्चर की कोई समस्या नही है। पर्याप्त उपकरण व सीनियर डाक्टर मौजूद हैं। स्टोरेज की क्षमता है। लगभग 250 नर्सेज हैं।

उन्होंने मण्डलायुक्त को आश्वस्त किया कि उनके द्वारा दिये गये सभी निर्देशों का अनुपालन करते हुये समय अवधि के भीतर सभी कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा।

मण्डलायुक्त ने अस्पताल प्रबंधक को निर्देशित करते हुये कहा कि वह आक्सीजन प्लांट, सी0टी0 मशीन, ब्लड बैंक, ईको और प्लाज्माथेरेपी एवं आई0टी0प0आर0सी0 भी लगवाना सुनिश्चित करें। इसके उपरान्त मण्डलायुक्त ने डायलिसिस डेडीकेटेड (कोरोना मरीज के लिये) का भी निरीक्षण किया एवं उससे संतुष्ट हुये।

उन्होंने अन्य सभी सुविधायें जल्द से जल्द चालू करने के निर्देश दिये। उन्होंने उपस्थित चिकित्सकों से भी नारायना अस्पताल को डेडीकेटेड अस्पताल बनाये जाने हेतु गम्भीरता से विचार विमर्श किया एवं अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली।

उन्होंने अस्पताल में आक्सीजन बढ़ाये जाने के निर्देश दिये। उन्होनें नारायना अस्पताल को डेडीकेटेड अस्पताल बनाये जाने हेतु जिला प्रशासन की ओर से हर सम्भव सहयोग से अश्वासन दिया।

इस मौके पर जिलाधिकारी डा0 आलोक तिवारी, सीएमओ डा0 अनिल कुमार मिश्रा, ए0सी0एम0 डा0 अमित कुमार, स्टेटिक मजिस्ट्रेट श्री मनोज सिंह, सचिव अमित नारायण, अंकित दुबे, डा0 जी0के0 तिवारी, डा0 प्रदुभूषण, डा0 प्रदीप गुप्ता, डा0 ओ0पी0 मिश्र, डा0 राहुल यादव, डा0 अल्का, डा0 प्रदीप राजपूत, डा0 पारुल, डा0 दीपक अवस्थी आदि उपस्थित रहे।

अवैध रूप से चल रहे नर्सिंग होम के खिलाफ डीएम का चला चाबुक

संजय मौर्य

कानपुर जिलाधिकारी कानपुर नगर के निर्देशों के क्रम में जनपद कानपुर नगर में बिना लाइसेंस के चलने वाले अवैध नर्सिंग होम के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत आज पनकी स्थित महावीर नर्सिंग होम का निरीक्षण मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा किया गया ।निरीक्षण के दौरान महावीर नर्सिंग होम बिना लाइसेंस के चलते मिला। जहां 3 दर्जन से अधिक अनेक प्रकार के गंभीर रोगी और बुखार से पीड़ित रोगी भर्ती मिले। निरीक्षण के समय कोई भी चिकित्सक ड्यूटी पर नहीं मिला। अस्पताल में डेंगू मरीजों का भी इलाज किया जा रहा था। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा तत्काल अस्पताल को सीज करते हुए एफआईआर दर्ज कराने का निर्देश दिया गया। यहां भर्ती मरीजों का तत्काल कोरोना टेस्ट कराकर दूसरे अस्पतालों कराने का निर्देश दिया गया । ततपश्चात मेदांता अस्पताल कल्याणपुर का निरीक्षण भी किया गया ।जो बिना रजिस्ट्रेशन के विगत डेढ़ माह से चल रहा था, जिसके खिलाफ कार्यवाही कराने का निर्देश दिया गया।

सार–समाचार

बाजार से वापस लौट रहे बृद्ध की संदिग्ध अवस्था मे मौत

कानपुर(घाटमपुर)भीतरगांव चौकी क्षेत्र के बेहटा गांव निवासी शिवनारायण कुशवाहा 55 जो कि दोपहर 1 बजे के लगभग कस्बा भीतरगांव मे लगने वाली साप्ताहिक सब्जी बाजार से सब्जी खरीदकर वापस गांव लौट रहा था कि भेलसा व बेहटा बुजुर्ग गांव के मध्य रोड किनारे खाईं मे मृत अवस्था मे बृद्ध को राहगीरों ने देखा ।गांव मे परिजनों को मिली सूचना पर मौके पर पहुंचे परिजनों ने बृद्ध को मृत अवस्था मे पडा देख चीख पुकार मचाते हुए विलखना शुरु कर दिया ।सूचना पर मौके पर पहुंचे चौकी इंचार्ज भीतरगांव राजेश कुमार बाजपेयी ने शव का पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिए भेजा ।

डिप्टी सीएम के कार्यक्रम में घूमते रहे कोरोना पॉजिटिव

कानपुर(घाटमपुर) 22 सितम्बर को कस्बे के जनता इंटर कालेज परिसर में डिप्टी सीएम केशव मौर्या के कार्यक्रम के दौरान कई कोरोना संक्रमित भाजपाई कुर्सियों में जमे दिखे। जबकि, भीड़ के बीच मे भी धड़ल्ले से घूमते रहे।

बता दें कि बीते तीन दिन पूर्व भाजयुमो के दो पदाधिकारियों की एंटीजन किट से हुई कोरोना जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। इसके बाद भी दोनों डिप्टी सीएम के कार्यक्रम में शामिल रहे। वहीं, भाजपा के दो मंडल पदाधिकारी होम आइसोलेट होने के बावजूद कार्यक्रम और बैठक में शामिल दिखाई दिए।

घाटमपुर इन्स्पेक्टर का हुआ तबादला भाजपा नेताओं ने की थी डिप्टी सी.एम. से सिकायत

कानपुर(घाटमपुर)बताते चले कि बीते दिनों कई परियोजनाओं का शिलन्यास करने आए उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य जी घाटमपुर में आए इस दौरान उपचुनाव की भी हुंकार भरी थी तत्पश्चात कई घरों में जलपान भी लगा हुआ था तभी हंसराज परिहार जी के घर पर लगे हुए जलपान के दौरान कार्यकर्ताओं से हालचाल लेने के दौरान युवा भाजपा नेता सत्यम चौहान ने प्रशाशन द्वारा लगातार भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा अभद्रता व शोषण करने की और कार्यकर्ताओं की प्रशाशन पर जायज़ बात भी न सुनने का आरोप लगाकर लिखित शिकायत की थी जिसके बाद डिप्टी सीएम ने गंभीरता से लेते हुए डीआईजी को आदेश कर घाटमपुर क्षेत्र समेत तमाम थानेदारों के थाने बदले।

विकास खंड भीतरगांव में सम्पन्न हुई क्षेत्र पंचायत की बैठक

कानपुर(घाटमपुर) विकास खंड भीतरगांव के सभागार में आज क्षेत्र पंचायत सदस्यों की बैठक संपन्न हुई।जिसमे ग्राम प्रधानों ने शौचालयों के भुगतान की समस्या बताते हुए कहा कि जिन शौचालयों का निर्माण लगभग आधा से अधिक हो चुका हो उनमें कम से कम चौथाई भुगतान करने की मांग की।वहीं पशु पालन विभाग से सर्वेंद्र सचान ने जानवर के बारे में जानकारी दी । ए डी ओ ई एस बी देवी प्रसाद ने समूह बनाकर महिलाओं को सरकार के द्वारा रोजगार देने की बात बताई।और अम्बेडकर लोन के बारे में जानकारी दी।

ऑनलाइन पेंश न कराने के बारे में बताया।

बैठक में प्रमुख रूप से डी पी आर कमल किशोर,ओ,डी सी मनरेगा ए के सिंह,ब्लाक प्रमुख भीतरगांव,बी डी ओ भीतरगांव सौरभ वरनवाल, पशु चिकित्सक डाक्टर सिवेंद्र सचान आदि रहे।

बेटी से छेड़छाड़ का विरोध करने पर पिता की हत्या

मुरादाबाद (एजेंसी)। एक बेटी से छेडखानी का विरोध करने पर सबक सिखाने के लिए दंबगों द्वारा पिता की पीट–पीटकर हत्या मामले में शिथिलता बरतने के आरोप में चैकी प्रभारी को निलंबित कर दो दरोगा, चार सिपाहियों को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने लाईन हाजिर किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रभाकर चैधरी ने गुरुवार को यहां कहा कि मूंढापांडे इलाके के महेशपुर भिला गांव में बेटी से हुई छेड़खानी के विरोध में पिता की पीट–पीटकर हत्या किए जाने के मामले में पुलिस की बड़ी लापरवाही सामने आई। रिपोर्ट आने के बाद करनपुर चैकी इंचार्ज को निलंबित कर दिया गया जबकि दो दरोगा और चार सिपाहियों को लाइन हाजिर कर उनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं। थाना प्रभारी की भूमिका की जांच के लिए पुलिस क्षेत्राधिकारी को निर्देशित किया गया है।

विवरण के मुताबिक मूंढापांडे थाना क्षेत्र के महेशपुर गांव में 21 सितम्बर की शाम हाई स्कूल में पढ़ने वाली एक छात्रा के साथ गांव के ही कुछ युवकों ने छेड़खानी की थी। छात्रा ने इसकी शिकायत अपने पिता से की तो वह आरोपियों के घर शिकायत लेकर पहुंच गए थे। आरोप है कि इस दौरान आरोपी और उनके परिजनों ने छात्रा के पिता हरिओम के साथ मारपीट की थी। हरिओम के भाई और उनके भतीजे को भी पीटा गया था। इस मामले की शिकायत पुलिस चैकी में की गई, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। मूंढापांडे थाने में भी शिकायती पत्र दिया गया था। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की तो वह अपने घर लौट गए थे। मंगलवार सुबह फिर से आरोपियों ने पीड़ित परिवार के घर पर हमला बोल दिया था। जिसमें हरिओम गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल पहुंचने पर उनकी मौत हो गई। हरिओम के दो भाई और एक भतीजा इसकी शिकायत लेकर मूंढापांडे थाने पहुंचे तो उनके भी साथ मारपीट की गई तो इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस कर्मियों की जांच कराई। प्रथम दृष्टया करनपुर चैकी इंचार्ज वीरेंद्र कुमार की भूमिका संदिग्ध पाए जाने पर उन्हें निलंबित कर दिया गया है। मूंढापांडे थाना प्रभारी नवाबसिंह की भूमिका की जांच पुलिस क्षेत्राधिकारी हाईवे रामसागर को सौंपी गई है। इसके अलावा इसी चैकी पर तैनात दरोगा अश्वनी कुमार, परमानंद के अलावा सिपाही सुखनंदन, धीरेंद्र, मनोज कुमार और अतुल कुमार को लाइन हाजिर किया गया है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ओएनजीसी ब्लास्ट और आग की घटना में एक श्रमिक की मौत

सूरत गुरुवार तड़के सूरत के हजीरा स्थिर ओएनजीसी प्लांट में एक के बाद एक तीन धमाकों के बाद भीषण आग लग गई थी। इस घटना में कंपनी के पीछे झुग्गी में रहनेवाले एक श्रमिक की मौत होने की जानकारी सामने आई है। बता दें कि सूरत के हजीरा स्थित ओएनजीसी कंपनी के गैस प्लांट में आज धमाकों के बाद भीषण आग लग गई। धमाके इतने तीव्र थे कि मकानों की खिड़कियों के शीशे टूट गए और भयभीत लोग अपने अपने घरों के बाहर निकल आए। गैस सप्लाई रोक आग पर काबू पा लिया गया है। इस घटना में तीन लोगों के लापता होने की खबर सामने आई थी। हांलाकि बाद में ओएनजीसी ने स्पष्टता की थी कि इस घटना में कोई जानहानि नहीं हुई। लेकिन कंपनी के पीछे बनी एक झुग्गी में रहनेवाले श्रमिक की मौत हो गई हैद्य कंपनी के बाहर झुग्गी में रहनेवाले श्रमिक की आग में जलकर मौत हुई है। भाटपोर का निवासी रमेश राठौड की झुग्गी पर चिंगारी गिरने के बाद आग भड़क उठी। जिसमें जलकर उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक झुग्गी में तीन लोग रहते थे, जिसमें दो लोग समय रहते बाहर भाग गए थे

ओएनजीसी के गैस प्लांट में लगी आग नियंत्रण में

सूरत के हजीरा स्थित ओएनजीसी कंपनी के गैस प्लांट में गुरुवार तड़के एक के बाद एक तीन धमाकों के बाद भीषण आग लग गई। धमाके इतने तीव्र थे कि मकानों की खिड़कियों के शीशे टूट गए और भयभीत लोग अपने अपने घरों के बाहर निकल आए। गैस सप्लाई रोक आग पर काबू पा लिया गया है और इस घटना में फिलहाल कोई जानहानि की खबर नहीं हैं। जानकारी के मुताबिक मुंबई से समुद्र के रास्ते आनेवाले गैस पाइप लाइन के जरिए ओएनजीसी के एक प्लांट में गैस स्टॉक किया जाता है। सूरत के हजीरा स्थित इस प्लांट में एक के बाद एक तीन धमाकों से अफरातफरी मच गई। धमाकों के बाद आग ने विकराल स्वरूप धारण कर लिया। धमाकों की वजह से आसपास के मकानों की खिड़कियां टूट गईंद्य भूकंप के झटके समझ कर भयभीत लोग अपने अपने घरों से बाहर निकल आए। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मगदल्ला सर्कल से इच्छापोर सर्कल तक आवाजाही बंद कर दी गई। विकराल आग पर काबू पाने के लिए ओएनजीसी समेत तीन फायर स्टेशन की 5 गाडियों समेत रिलायंस इंडस्ट्रीज के फायर विभाग की भी मदद ली गई। मुंबई से सूरत आनेवाली गैस पाइप लाइन में प्लांट के निकट आग लगी थी, जिस पर काबू पाने के लिए उभराट के निकट वॉल्व को बंद कर दिया गया और उभराट से हजीरा के बीच पाइप लाइन की गैस को चिमनी जरिए जला दिया गया। पाइप में मौजूद के गैस के जल जाने से आग पर काबू पा लिया गयाद्य इस घटना में फिलहाल कोई जानहानि की खबर नहीं है।

ओएनजीसी के इस प्लांट से हजीरा की फर्टिलाइजर कंपनी, पावर और पेट्रोलियम कंपनी, सीएनजी उत्पादक कंपनियां, सिरामिक कंपनियों को गैस सप्लाई किया जाता है।

किसानों की खेती और रोजीरोटी छीनकर पूंजीपतियों के हवाले कर रही है मोदी सरकार : राजीव सातव

अहमदाबाद गुजरात कांग्रेस के प्रभारी और सांसद राजीव सातव ने आज कहा कि देश के किसान और मजदूर सड़कों पर हैं और आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। लेकिन सत्ता के अहंकार में डूबी केन्द्र की मोदी सरकार किसानों की खेती और रोजीरोटी छीनकर मुट्ठीभर पूंजीपतियों के हवाले कर रहे है। गुरुवार को गुजरात प्रदेश मुख्यालय में पत्रकार परिषद को संबोधित करते हुए राजीव सातव ने कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार तीन विभिन्न कृषि कानून लाकर देश के किसान, खेती और हिन्दुस्तान को बर्बाद कर रही है। सीमा के भीतर कोरोना और सीमा के बाहर चीन ने डेरा जमा रखा है।

2014 के चुनाव में किसानों की बात करने वाले मोदी प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के नाम पर बीमा कंपनियों को लूटने का लाइसंस दिया है। केन्द्र में मोदी सरकार के आते ही भूमि अधिग्रहण सुधार विधेयक लाया गया। जिसके देशभर में किसान और कांग्रेस ने जबर्दस्त विरोध किया। जिसकी वजह से सरकार को भूमि अधिग्रहण विधेयक में फेरबदल से पीछे हटना पड़ा।

पिछले एक साल में सरकार 27 अध्यादेश लाई हैद्य पाकिस्तान, बांग्लादेश और भारत में ही अध्यादेश की व्यवस्था हैद्य अध्यादेश लाने का मतलब संसद की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को ताक पर रखना। कृषि विधेयक पर राज्यसभा में सरकार ने मतदान नहीं करायाद्य किसान विरोधी तीन कानून का कांग्रेस समेत पूरा विपक्ष विरोध कर रहा था।

केन्द्र की मोदी सरकार संसद में पेश किए गए विधेयक के बजाए बाहर कुछ और बात करती है। नए कृषि विधेयक में एमएसपी का कोई उल्लेख नहीं है, इसके बावजूद सरकार किसानों को भ्रमित करने का प्रयास कर रही है।

सरकार किसान विरोधी भूमिका में होने का आरोप लगाते हुए राजीव सातव ने कहा कि पोर्ट और एयरपोर्ट की तरह खेती भी उद्योगपतियों के हाथ में सौंपने की दिशा में केन्द्र की मोदी सरकार आगे बढ़ रही है।

केन्द्र सरकार द्वारा लाए गए कृषि विधेयक देश का काला कानून है, जिससे किसान और खेती दोनों बर्बाद हो जाएगी। इसीलिए कांग्रेस समेत पूरा विपक्ष इसका विरोध कर राह है।

गुजरात समेत देशभर के किसानों को न्याय के लिए हम लड़ेंगे और आनेवाले दिनों में कांग्रेस किसानों के हित में आंदोलन भी करेगी।

गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अमित चावडा समेत पूर्व अध्यक्ष अर्जुन मोढवाडिया और सिद्धार्थ पटेल ने भी कृषि विधेयक को लेकर मोदी सरकार पर कड़े प्रहार किए।

राज्य में 1408 नए केस, 1510 लोग डिस्चार्ज, 14 मरीजों की मौत

गुजरात में फिर कोरोना के नियमित केसों का आंकड़ा 1400 को पार कर गया। 18 से 22 सितंबर तक कोरोना के रोजाना 1400 से अधिक केस सामने आ रहे थे। 23 सितंबर को कोरोना के 1372 नए केस दर्ज हुए थे। लेकिन आज फिर एक बार नए केसों की संख्या 1400 को पार कर गई। आज राज्य में 1408 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए और 1510 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया। जबकि 14 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक बीते 24 घंटों में सूरत कॉर्पोरेशन में 176, अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 156, राजकोट कॉर्पोरेशन में 102, सूरत में 102, जामनगर कॉर्पोरेशन में 91, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 91, मेहसाणा में 49, राजकोट में 45, बनासकांठा में 44, वडोदरा में 42, कच्छ में 33, पाटन में 33, अमरेली में 28, पंचमहल में 28, अहमदाबाद में 27, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 27, भावनगर कॉर्पोरेशन में 25, भरुच में 23, गांधीनगर में 23, मोरबी में 22, गिर सोमनाथ में 20, सुरेन्द्रनगर में 20, महीसागर में 19, जूनागढ़ में 18, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 18, दाहोद में 14, भावनगर में 13, साबरकांठा में 13, नर्मदा में 12, देवभूमि द्वारका में 11, नवसारी में 10, तापी में 10, खेडा में 9, पोरबंदर में 9, आणंद में 8, वलसाड में 8, अरवल्ली में 7, बोटाद में 7, जामनगर में 7, छोटाउदेपुर में 4 और डांग में 4 समेत राज्यभर में कुल 1408 नए केस दर्ज हुए। जबकि 1510 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया।

इस दौरान अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 3, सूरत में 3, राजकोट कॉर्पोरेशन में 2, सूरत कॉर्पोरेशन में 2, गांधीनगर कॉर्पोरेशन, राजकोट, वडोदरा और वडोदरा कॉर्पोरेशन में 1–1 समेत कुल 14 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक आज 61904 समेत राज्यभर में अब तक 4048274 लोगों का टेस्ट किया गया। राज्य में अब तक कुल 128947 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए। जिसमें 109211 लोग कोरोना से ठीक हो चुके हैं और 3384 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। शेष 16354 एक्टिव केसों में 16265 की हालत स्थिर है और 89 मरीज वेन्टीलेटर पर है। राज्य के विभिन्न जिलों में आज की तारीख में 598996 लोगों को कोरन्टाइन में रखा गया है। जिसमें 598612 होम कोरन्टाइन और 384 लोगों को फैसिलिटी कोरन्टाइन में रखा गया है।

बारिश से क्षतिग्रस्त सड़कों के कारण हाईवे पर लगा कई किलोमीटर लंबा जाम

भरुच बारिश की वजह से राज्यभर की सड़कों का बुरा हाल है और इसका खामियाजा वाहन चालकों को भुगतना पड़ रहा है। कई जगह क्षतिग्रस्त सड़कों की वजह से लंबा जाम लग रहा है। आज भरुच में नेशनल हाईवे से गुजरने वाले वाहन चालकों को करीब 7 से 8 घंटे लंबे जाम से परेशान होना पड़ा। जानकारी के मुताबिक बारिश के कारण हाईवे पर जगह जगह गड्ढे हो गए हैं, जिसकी वजह से आए दिन ट्रैफिक जाम होता है। सुबह से नेशनल हाईवे नंबर 48 पर भरुच से झंघार तक लंबा जाम लग गया। भरुच जिले में दो दिन से भारी बारिश हो रही है। 24 घंटों में भरुच में 3 ईंच और अंकलेश्वर में 6 ईंच मूशलाधार बारिश की वजह से सभी सड़कें क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं।

नर्मदा नदी पर बने भरुच और अंकलेश्वर को जोड़ने वाले पुराने सरदार ब्रिज का 2 किलोमीटर के हिस्से में छोटे–बड़े गड्ढे हो जाने से वडोदरा से सूरत की ओर जाने वाले वाहन धीरे धीरे रेंग रहे हैं।

27को अहमदाबाद में साइकिल फोर चैंज राइड का आयोजन

अहमदाबाद स्मार्ट सिटी मिशन के तहत आगामी 27 सितंबर को साइकिल फोर चैंज राइड का आयोजन किया गया हैद्य जिसमें साइकिलिंग के जरिए फीट रहने का संदेश दिया जाएगाद्य 1500 लोग इसमें शामिल होंगे और 27 सितंबर की सुबह 7 बजे से 8.30 बजे तक अपने घरों के आसपास साइकिलिंग करेंगेद्य शहर को कार्बन फ्री बनाने के उद्देश्य से आयोजित राइड के लिए अहमद. ाबाद के अलग अलग इलाकों में साइकिलिंग रूट बनाए गए हैं और 40 सदस्यों की टीम भी बनाई गई है। अहमदाबाद को साइकिल फ्रेंडली शहर बनाने के लिए इस अभियान में शामिल होकर स्मार्ट सिटी के पेज पर सफेद रंग की टी शर्ट के साथ साइकिलिंग को फोटो अपलोड कर इस अभियान को समर्थन दिया जा सकेगा।

आसिस्टन्ट पर दुष्कर्म के आरोप में गुजराती फिल्म प्रोड्युसर गिरफ्तार

वडोदरा शहर के सयाजीगंज की एक होटल में गुजराती फिल्म प्रोड्युसर द्वारा अपनी आसिस्टन्ट के दुष्कर्म की घटना सामने आई है।

पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू की है। जानकारी के मुताबिक वडोदरा के सावली के चंद्रनगर का निवासी दीप पटेल पिछले तीन साल से वडोदरा के कलालीनगर क्षेत्र में अपने पिता के साथ रहता है। छोटी–बड़ी फिल्मों को प्रोड्युस करनेवाले दीप पटेल ने एक महीने पहले रु. 13000 के वेतन पर एक युवती को आसिस्टन्ट के तौर पर रखा था।

एक महीने करने के बाद वेतन की तारीख आई तो दीप पटेल ने युवती को वडोदरा के सयाजीगंज स्थित अदीती को रात्रि के दौरान होटल में बुलाया था। दीप पटेल के बुलाने पर युवती रात्रि 10 बजे होटल पहुंची। जहां दीप पटेल उसे होटल के अपने कमरे में ले गया और उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया।

रातभर युवती को बंधक बना. कर दीप ने उसके साथ दुष्कर्म किया। सुबह युवती किसी प्रकार होटल के कमरे से भाग निकली।

युवती के भाग जाने पर दीप ने उसे धमकी दी कि किसी से कुछ कहा तो वह उसे जान से मार देगा।

पीड़ित युवती की शिकायत के आधार पर सयाजीगंज पुलिस ने आरोपी दीप पटेल को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है।

भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा और मोहनसिंह राठवा को श्रेष्ठ विधायक का अवार्ड

गुजरात विधानसभा में भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा और मोहनसिंह राठवा को श्रेष्ठ विधायक के अवार्ड से सम्मानित किया गया। राज्य विधानसभा सत्र के चौथे दिन सदन के अध्यक्ष राजेन्द्र त्रिवेदी, मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल, गृह राज्य मंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा और नेता प्रतिपक्ष परेश धानाणी ने विध ाायकों को श्रेष्ठ विधायक अवार्ड से सम्मानित कियाद्य गौरतलब है संसद के दोनों सदनों में अब तक 33 सांसदों को उत्कृष्ट कार्यवाही के लिए सम्मानित किया जा चुका है। इस प्रणाली का अनुशरण करते हुए गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष राजेन्द्र त्रिवेदी ने श्रेष्ठ विधायकों को सम्मानित करने की प्रथा शुरू की है। इसके अंतर्गत वर्ष 2019 के लिए वरिष्ठ विधायक मोहनसिंह राठवा और वर्ष 2020 के लिए राज्य के शिक्षा मंत्री भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा को उत्कृष्ट कार्यवाही के लिए श्रेष्ठ विधायक अवार्ड से सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने गुजरात में नई परंपरा शुरू करने के लिए विधानसभा के अध्यक्ष राजेन्द्र त्रिवेदी का अभिनंदन किया और कहा कि विधानसभा और लोकसभा देश के लोकतंत्र के मूल्यों का जतन और संवर्द्धन के सर्वोच्च केन्द्र हैं।

इसे लोकतंत्र का मंदिर कहा जाता है और इस मंदिर में बैठने वाले सभी का व्यवहार, विचार, वाणी ऐसी होनी चाहिए जो जनता की समस्याओं को आवाज दें और सबके लिए मार्गदर्शक और प्रेरणा हों।

यह प्रणाली आगामी दिनों में और उज्जवल होगी और जन प्रतिनिधियों के लिए एक नई परिपाटी स्थापित करेगी।

मुख्यमंत्री ने अपने राज्यसभा सदस्य के तौर पर कार्यकाल को याद करते हुए कहा कि अच्छे सांसद या विधायक बनने के लिए अच्छे श्रोता, सदन में नियमित उपस्थिति और अवलोकन शक्ति आवश्यक है।

24 घंटों में राज्य की 117 तहसीलों में बारिश, अंकलेश्वर में 5 ईंच

अहमदाबाद पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य की 117 तहसीलों में बारिश हुई है, जिसमें सबसे अधिक भरुच जिले की अंकलेश्वर तहसील में 5 ईंच से ज्यादा बारिश रिकार्ड की गई। उत्तरी गुजरात और कच्छ को छोड़ दक्षिण गुजरात, पूर्व मध्य गुजरात और सौराष्ट्र में बारिश हुई है।

मौसम विभाग के मुताबिक मध्य प्रदेश में लो प्रेशर और राजस्थान में अपर एयर साइक्लो. निक सर्क्युलेशन सक्रिय होने से गुजरात के आसमान में बादलों का जमावडा होने तापमान घटा है। आगामी 48 घंटों के दौरान कच्छ को छोड़ राज्य के ज्यादातर हिस्सों मे छुटपुट बारिश होने की संभा. वना है। अगले 24 घंटों में अहमदाबाद में गरज के साथ बारिश होने का अनुमान है। बीते 24 घंटों में भरुच के अंकलेश्वर में 5 ईंच, पंचमहल के मोरवाहडफ और सूरत के कामरेज में 4 ईंच, भरुच में 3 ईंच, तापी के वालोड और आणंद के बोरसद में 2.5 ईंच, छोटाउदेपुर के नसवारी, कवांट और जेतपुर पावी, तापी के दोलवण, सूरत के मांगरोल और बारडोली, भरुच के झगडिया और नर्मदा के तिलकवाडा में 2–2 ईंच बारिश हुई। राज्य में मौसम क अब तक 133.84 प्रतिशत बारिश हो चुकी है। जिसमें सबसे अधिक कच्छ में 272.03 प्रतिशत, उत्तरी गुजरात में 113.05 प्रतिशत, पूर्व मध्य गुजरात में 97.73 प्रतिशत, सौराष्ट्र में 179.04 प्रतिशत और दक्षिण गुजरात में 117.06 प्रतिशत बारिश हुई।

पाकिस्तानी मरीन सिक्युरिटी की फायरिंग में एक मछुआरा घायल

अहमदाबाद पाकिस्तान मरीन सिक्युरिटी ने फिर एक बार नापाक हरकत को अंजाम दिया है।

समुद्र में मच्छीमारी कर रहे भारतीय मछुआरों ने पाक मरीन सिक्युरिटी ने फायरिंग की, जिसमें एक मछुआरा घायल हो गयां मच्छीमारी की सीजन शुरू होते पाक मरीन सिक्युरिटी की नापाक हरकतें बढ़ जाती हैं।

भारतीय जल सीमा में घुसकर बोट समेत मछुआरों को बंधकर बनाकर वर्षों तक पाकिस्तानी जेल में रखते हैं।

हाल ही में पहले 6 और बाद में 10 बोटों के साथ भारतीय मछुआरों का पाक मरीन सिक्युरिटी के जवान अपहरण कर चुके हैं।

बुधवार की रात भारतीय सीमा में पोरबंदर के मछुआरे मच्छीमारी कर रहे थे।

उस वक्त पाक मरीन सिक्युरिटी अचानक भारतीय सीमा में घुस आए और मछुआरों पर फायरिंग शुरू कर दी।

फायरिंग की इस घटना में एक मछुआरा घायल हुआ है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जानलेवा है पैंक्रियाटाइटिस

अग्नाशय(पैन्क्रियाज) में सूजन या संक्रमण होने को पैंक्रियाटाइटिस कहते हैं। एंजाइम्स को आंतों तक लेकर जाने वाली रक्तवाहिनियां भी इस सूजन से क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। इस वजह से एंजाइम्स आंतों में पहुंचने से पहले ही बाहर निकल जाते हैं और पैंक्रियाज को ही पचाने लगते हैं। पैंक्रियाज नॉर्मल फंक्शन नहीं कर पाता और यह रोग हो जाता है। पैंक्रियटाइटिस रोग सामान्यतः वयस्कों में ही होता है। महिलाओं की अपेक्षा पुरुष इसके ज्यादा शिकार होते हैं। मुख्य रूप से इसे दो भागों में बांटा जा सकता है एक्यूट और क्रॉनिक पैंक्रियटाइटिस।

एक्यूट पैंक्रियटाइटिस- इसमें पेट के निचले हिस्से में तेज दर्द शुरू होता है, जो पीठ तक जाता है। बेचैनी के साथ उल्टियां भी होती हैं। ब्लड प्रेशर अचानक बढ़ जाता है और डीहाइड्रेशन के कारण एकदम से कम होता है। इस वजह से ब्लड प्रेशर गड़बड़ा जाता है। तेज दर्द के साथ पेट फूल जाता है। दिल की धड़कनें असामान्य हो जाती हैं। खाना खाते ही तेज दर्द शुरू हो जाता है।

क्या है उपाय- रोगी को सर्वप्रथम ऑक्सीजन दी जाती है क्योंकि तेज दर्द के चलते उसे सांस लेने में कठिनाई होती है। रोगी को इंजेक्शन से ग्लूकोज और अन्य तरल दवाएं दी जाती हैं। दर्दनिवारक दवा भी जरूरी होने पर तरल रूप में ही दे जाती है। संक्रमण खत्म होने तक एंटी बायोटिक्स दिए जाते हैं। कुछ रोगियों के नाक के रास्ते से एक पाइप डालकर पेट में जमा हो रहे लिक्विड को निकाला जाता है। यदि अटैक लंबे समय तक रहता है, तो नली के माध्यम से न्यूट्रीशियन सप्लीमेंट दिए जाते हैं।

क्रॉनिक पैंक्रियटाइटिस- इसमें मरीजों का वजन तेजी से कम होता है, क्योंकि पैंक्रियाटिक एंजाइम्स पाचन तंत्र को नष्ट कर देते हैं । डायबिटीज व पीलिया हो सकती है। भोजन पचना बंद हो जाता है। ब्लड काउंट कम हो जाते हैं।

क्या है इलाज- मरीज को घ्सा आहार दिया जाता है, जिसमें फैट न हो और कार्बोहाइड्रेट प्रचुर मात्रा में हों। यह आहार उसे कम मात्रा में दिन में कई बार दिया जाता है। यदि पैंक्रियाज काम नहीं कर रहा है, तो मरीज को दवा के रूप में एंजाइम्स दिए जाते हैं। किसी भी रूप में एल्कोहल को बंद कर दिया जाता है। यदि पैंक्रियाज इंसुलिन का निर्माण नहीं कर पा रहे हैं, तो इंसुलिन इंजेक्शन के माध्यम से शरीर में पहुंचाया जाता है।

कुछ प्रमुख कारण- पैंक्रियटाइटिस का कारण शराब का अत्यधिक सेवन व गॉल ब्लेडर में बनने वाले स्टोंस हैं। एक्यूट पैंक्रियटाइटिस का कारण 80 प्रतिशत मामलों में गॉल ब्लेडर में बनने वाले स्टोंस होते है। वहीं, क्रॉनिक पैंक्रियटाइटिस के अधिकतर मामले शराब के सेवन से होते हैं। कुछ अन्य कारण भी इसके लिए जिम्मेदार माने जाते हैं जैसे, किसी दवा के रिएक्शन से। किसी विशेष रसायन के संपर्क में आने से। दुर्घटना में पेट में गंभीर चोट लगने से। आनुवांशिक कारणों से।

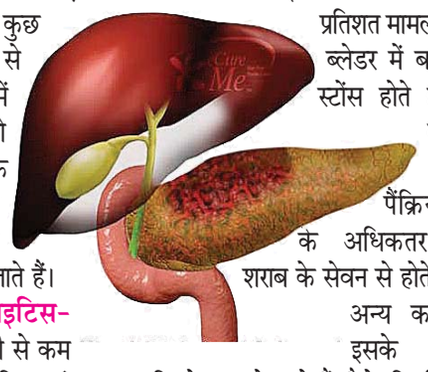

खान पान में सावधानी- शराब और धूम्रपान का सेवन बिल्कुल ही बंद कर दें। ज्यादा कार्बोहाइड्रेट और बिना वसा वाले भोजन का ही उपयोग करें। मिर्च मसालों का सेवन तो बिलकुल बंद कर दें। एक साथ ज्यादा खाना नहीं खाएं। सोयाबीन को भोजन में शामिल करें। तेल, घी, मक्खन बंद कर दें। मांसाहार का सेवन भी बिलकुल न करें। हरी सब्जियां खाएं, ताजा फलों का रस पीएं, पानी उबाल कर पीएं।दही, पालक, वेजिटेबल सूप, मशरूम, चेरीज एंड ब्लू बेरीज का सेवन करें।

हार्ट के लिए डाइट- दिल के लिए स्वस्थ स्नैकिंग पर यहां कुछ टिप्स दिए जा रहे हैं। संतृप्त वसा के स्तर पर भी ध्यान दें। सोया, मछली, स्किनलेस चिकन, कम चर्बी वाला मांस और वसा-मुक्त या 1 प्रतिशत डेयरी उत्पाद। घ्से उत्पाद कम खाएं जिनमें संतृप्त वसा अधिक हो। इनमें अंडे की जर्दी, दूध, पनीर, क्रीम, आइसक्रीम, मक्खन और वसा युक्त मांस (अधिक प्रोटीन वाला मांस) शामिल हैं। इसका भी ध्यान रखें कि भोजन को किस तरह से तैयार किया गया है। डाइड फूड की जगह भुने, भाप से पके, उबले या माइक्रोवेव में पके भोजन को शामिल करें।

दिल को दुरुस्त रखना है तो खाएं ड्रायफ्रूट्स

अमेरिका और ब्रिटेन में हाल ही में हुए शोधों में पाया गया कि अखरोट, बादाम और काजू जैसे मेवों का नियमित सेवन न सिर्फ दिल का दौरा पड़ने से बचाता है बल्कि अन्य प्रकार के हृदय रोगों की संभावना को भी बहुत कम करता है। अध्ययनों में यह साबित हो चुका है कि जो लोग हृदय को स्वस्थ बनाये रखने के लिए अन्य पोषक तत्वों के स्थान पर सूखे मेवे का सेवन करते हैं उनमें दिल का दौरा पड़ने की संभावना बहुत कम हो जाती है। शोधों का हवाला देते हुए पोषणाहार विशेषज्ञ एवं डायटिशियन संगीता राज ने इस संबंध में शोधों का हवाला देते हुये बताया कि अखरोट बादाम और काजू जैसे सूखे मेवे पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और हृदय के रोगियों को स्वास्थ्यवर्द्धक अल्पाहार के स्थान पर इन मेवे का सेवन करना चाहिए। बादाम अखरोट और काजू जैसे सूखे मेवे के सेवन से रक्त में हानिकारक कोलेस्ट्राल या 'लो डेंसिटी लिपोप्रोटीन' (एलडीएल) की मात्रा कम होती है। उन्होंने बताया कि रक्त में एलडीएल की अधिक मात्रा हृदय रोग होने का प्रारंभिक कारकों में से एक है। इसलिए रक्त में इसकी मात्रा को कम बनाए रखने के लिए सूखे मेवे का सेवन लाभदायक होता है। इसके सेवन ने सिर्फ हानिकारक एलडीएल की मात्रा ही कम नहीं होती बल्कि यह रक्त का थक्का बनने की संभावना को भी कम करता है। इसकी संभावना कम होने से गंभीर दिल का दौरा पड़ने की आशंका नहीं रहती है।

शोध में बताया गया है कि सूखे मेवे हृदय की धमनियों को मजबूत बनाने में भी मददगार होते है। बादाम, अखरोट और काजू जैसे सूखे मेवे में कई तरह के वसा पाये जाते है तो हृदय के लिए उपयोगी है। संगीता राज ने बताया कि इन मेवे में मोनोसेचुरेटेड और पालीअनसेचुरेटेड वसा पाये जाते हैं जो रक्त में हानिकारक कोलेस्ट्राल के स्तर को कम करने में मददगार होते हैं। इसके अतिरिक्त उनमें ओमेगा थ्री नामक फैटी एसिड भी पाया जाता है जो न सिर्फ हृदय के लिए बल्कि रक्त में हानिकारक कोलेस्ट्राल के स्तर को भी कम बनाये रखता है। इसके स्तर में कमी से दिल का दौरा पड़ने की संभावना बहुत कम हो जाती है। यह फैटी एसिड मछलियों में पाया जाता है लेकिन सूखे मेवे से मिलने वाला फैटी एसिड सब लोग सेवन कर सकते हैं जबकि मछलियों के फैटी एसिड का सेवन सिर्फ मांसाहारी व्यक्ति ही कर पाते हैं। सूखे मेवे में एल आरजिनिन रसायन पाया जाता है जो धमनियों को मजबूत बनाने के साथ उसे लचीला बनाये रखने में मदद करता है।

हर बीमारी से बचाए ये उपाय

- कांच या कंकर खाने में आने पर ईसबगोल भूसी गरम दूध के साथ तीन समय सेवन करें।
- घाव न पके, इसलिए गरम मलाई (जितनी गरम सहन कर सकें) बांधें।
- तुतलापन दूर करने के लिए रात को सोने से पांच मिनट पूर्व दो ग्राम भुनी फिटकरी मुंह में रखें।
- बच्चों का पेट दर्द होने पर अदरक का रस, पांच ग्राम तुलसी पत्र घोटकर, औटाकर बच्चों को तीन बार पिलाएं।
- सर्दियों में बच्चों की सेहत के लिए तुलसी के चार पत्ते पीसकर 50 ग्राम पानी में मिलाएं। सुबह पिलाएं।
- आमाशय का दर्द तुलसी पत्र को चाय की तरह औटाकर सुबह-सुबह लेना लाभदायक।
- सीने में जलन हो तो पाव भर ठंडे जल में नीबू निचोड़कर सेवन करें।
- शराब ज्यादा पी ली हो तो छह माशा फिटकरी को पानी दूध में मिलाकर पिला दें या दो सेबों का रस पिला दें।
- अरहर के पत्तों का रस पिलाने से अफीम का नशा कम हो जाता है।
- आधी छटांक अरहर दाल पानी में उबालकर उसका पानी पिलाने से भांग का नशा कम हो जाता है।
- केला हजम करने के लिए दो छोटी इलायची काफी होती है।
- आम ज्यादा खा लिए हों तो हजम करने के लिए थोड़ा सा नमक सेवन कीजिए।
- मुंह से बदबू आने पर मोटे अनार का छिलका पानी में उबालकर कुल्ले करें।
- मछली का कांटा यदि गले में फंस जाए तो केला खाएं।
- हिचकी आने पर पोदीने के पत्ते या नीबू चूस लें।
- वजन घटाने हेतु गरम जल में शहद व नीबू मिलाकर सेवन करें।
- कान, दांत दर्द, खांसी व अपचन में जीरा व हींग 1/1-2 मात्रा में सेवन करें।
- जख्मों पर पड़े कीड़ों का नाश करने के लिए हींग पावडर बुरक दें।
- दाढ़ दर्द के लिए हींग रुई के फाहे में लपेटकर दर्द की जगह रखें।
- शीत ज्वर में ककड़ी खाकर छाछ सेवन करें।
- शराब की बेहोशी में ककड़ी सेवन कराएं।

जब मौसम करे उदास!

हमारी दिनचर्या ऋतु आधारित होती है। हम मौसम के अनुसार ही हम अपना खानपान, पहनावा और रोज़मर्रा के काम तय करते हैं। लेकिन मौसम अपने साथ एक खास तरह की बीमारी भी लाता है, क्या यह आप जानती हैं? मौसम के साथ आने वाली इस विशेष बीमारी को सैड यानी सीज़नल इफेक्टिव डिस्ऑर्डर के नाम से जाना जाता है, जो अवसाद का ही एक रूप है। यह किसी व्यक्ति को खास मौसम में हर बार अवसादग्रस्त बना देता है।

कारण अनजान है- सीज़नल इफेक्टिव डिस्ऑर्डर क्यों होता है और इसके होने की वजह क्या है, इसे लेकर सेहत के जानकार आज भी किसी निर्णय पर नहीं पहुंच पाए हैं। लेकिन उनका मानना है कि सूरज की रोशनी की कमी इस डिस्ऑर्डर को बढ़ाती है। यह कमी व्यक्ति के उठने-बैठने और सोने के म को प्रभावित करती है, जिसकी वजह से मस्तिष्क में मौजूद रसायन सेरोटिनन पर असर पड़ता है, जो मूड बद्लने का कारण है।

लक्षण आसान है- इस डिस्ऑर्डर का सीधा सम्बंध क्योंकि मूड से है, इसलिए इसके लक्षण पहचानना भी आसान है। अवसाद की इस स्थिति से कोई भी प्रभावित हो सकता है। इसमें व्यक्ति का मूड थोड़ी-थोड़ी देर में बदलता रहता है, वह ज्यादा उदास रहने लगता है और किसी भी काम में उसका मन नहीं लगता। प्रभावित व्यक्ति यादा खाना खाने लगता है और उसका वज़न भी बढ़ने लगता है। दिन में थका-थका सा महसूस होना और यादा सोना भी इसके लक्षणों में शामिल है।

यह सभी लक्षण हर साल एक विशेष मौसम में दिखाई पड़ते हैं। देखने में आया है कि सैड के लक्षण सितंबर या अक्टूबर अथवा अप्रैल और मई के बीच यादातर प्रभावित करते हैं।

रोशनी में छुपा उपचार- चिकित्सक सैड के उपचार के लिए अधिकांशत- लाइट थैरेपी का उपयोग करते हैं, जो दो तरह से काम में लाई जाती है। पहली-ब्राइट लाइट थैरेपी, जिसमें रोगी को एक विशेष तरह के 'लाइट बाक्स' के सामने आधे घंटे या इससे यादा के लिए बैठाया जाता है। और दूसरी, हल्की लाइट थैरेपी, जो सुबह होने से पहले की रोशनी जैसी होती है और धीरे-धीरे बढ़ते हुए रोगी को सुबह का अहसास कराती है। इसके अलावा अवसादरोधी दवाएं और काउंसलिंग भी रास्ते हैं, जो रोग से उबरने में आपकी मदद कर सकते हैं। सैड से रोगमुक्त होने के पश्चात भी नियमित व्यायाम, दिनभर में ज्यादा से ज्यादा सक्रियता (खासकर सुबह के समय) की सलाह चिकित्सकों द्वारा दी जाती है।

उमस के मौसम में रखे डाइट का खास ध्यान

उमस के इस मौसम में खाली पेट बाहर निकलने से हीट स्ट्रोक होने की आशंका रहती है। इस मौसम में डाइट पर ध्यान देने की जरूरत होती है। थोड़ा पानी गिरने के बाद तेज धूप से भला किसे परेशानी नहीं करती न कुछ खाने का मन करता है न कुछ पीने का. मन करता भी है, तो सोच में पड़ जाते हैं कि इस मौसम में क्या खाना सही रहेगा। ऑफिस पहुंचने की जल्दबाजी में हम कुछ खाते नहीं, जबकि सच तो यह है कि खाली पेट रहकर तेज धूप में निकलने से हीट स्ट्रोक होने की आशंका रहती है।

क्या खाए इस मौसम

ब्रॉकोली- इसमें पानी, फाइबर, विटामिन्स और मिनरल्स होता है। फाइबर और पानी इसे बेस्ट समर डाइट बनाते हैं। इसमें एंटीऑक्सिडेंट प्रॉपर्टीज होती हैं, जो हमारी बॉडी को साफ करती है।

दही- यह बेस्ट समर फूड है. रिसर्चरस का मानना है कि दही फैट को जलाने में मददगार होता है। कैल्शियम और प्रोटीन की वजह से यह अतिरिक्त कैलोरी को खत्म करता है। कैलारी खत्म होने से मेटाबॉलिज्म रेट तेज होता है, जिससे शरीर का वजन नहीं बढ़ता।

लेमन जूस- बहुत देर तक धूप में रहने के बाद लेमन जूस बेस्ट है। नेचुरल स्लाइन वॉटर होने के अलावा यह वेट लॉस के लिए बेस्ट समर फूड है। विटामिन सी से रिच लेमन जूस डाइजे स्टिव सिस्टम और मेटाबॉलिज्म रेट भी इंप्रूव करता है। इस तरह से यह वजन नहीं बढ़ने देता है।

खीरा- यह भी आवर ग्लास फिगर को प्रमोट करता है। इसमें भी ब्रॉकोली की तरह वाटर कंटेंट और फाइबर अधिक मात्रा में होता है। इसलिए इसे कम मात्रा में खाएं, तो भी पेट भर जाता है. ऐसे में वेट भी कंट्रोल में रहेगा।

कैसे बचें कमर दर्द से

आप बच्चों को गोद में लेकर चलती हैं, तो बेशक आप बेहद केयरिंग और प्यार करने वाली मम्मी लगती हैं। लेकिन आपको यह भी पता होना चाहिए कि बच्चों को हिप्स पर लेकर चलना आपकी बैकबोन को कितना नुकसान पहुंचा सकता है। पिछले दिनों आई एक रिपोर्ट में बताया गया है कि कमर दर्द के मरीजों में हर साल 10 मिलियन मांएं शामिल होती हैं। पहले प्रेग्नेंसी फिर बच्चों को गोद में लेकर चलना और साथ में घर का काम करने से आपको कमर दर्द की समस्या होने संभावना काफी बढ़ जाती है। हालांकि इसका मतलब यह कतई नहीं है कि आप अपने प्यार-दुलार और जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ लें, लेकिन इस दौरान कुछ बातों का ख्याल रखना आपकी हेल्थ के लिए बेहद जरूरी है।

हिप्स पर ना उठाएं बच्चों को

हालांकि बच्चों को हिप्स पर उठाना काफी कंफर्टेबल लगता है, लेकिन लंबे टाइम तक ऐसा करने से आपकी बॉडी की शेप बिगड़ सकती है। इतना ही नहीं, इससे आपकी स्पाइन को सपोर्ट करने की वाली मांसपेशियों पर भी जोर पड़ता है और वे कमजोर हो जाती हैं। इसलिए बेहतर होगा कि आप बच्चे को छाती से चिपका कर उठाएं और उसकी दोनों टांगे बॉडी की दोनों साइड में कर लें।

एक्सर्साइज करें, फिट रहें

प्रेग्नेंसी के बाद अक्सर महिलाओं का पेट वाला हिस्सा लटक जाता है और इसका असर स्पाइन को सपोर्ट करने वाली मांसपेशियों पर भी पड़ता है। फिर इसके दो-तीन साल में दूसरा बेबी होने के बाद तो मामला और भी बिगड़ जाता है। इससे भी खराब यह होता है कि इस दौरान कई सालों तक महिलाएं अपनी हेल्थ पर कतई ध्यान नहीं देती हैं। इसलिए अगर आप फिट रहना चाहती हैं, तो अपनी हेल्थ को लेकर कॉन्शस रहें और रेग्युलर वॉकिंग व एक्सरसाइज करें।

गोद लेने के लिए झुकें नहीं

हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि बच्चे को गोद में उठाने के लिए ज्यादा झुकने की वजह से भी आपकी कमर में प्रॉब्लम हो सकती है, इसलिए बेहतर होगा कि आप बच्चे को झुककर उठाने की बजाय घुटनों पर बैठकर उठाएं। साथ ही, इधर - उधर ज्यादा ना झुकें। अगर आपका बच्चा खड़ा होना जानता है, तो उसे सीधे उठाने की बजाय उसे पहले खड़े होने को कहें और उसके बाद ही उसे गोद में उठाएं।

न डालें कमर पर प्रेशर

ज्यादातर नई मांएं अपने तीन से चार किलो के बच्चे को दिन में कम से कम 40 मिनट तो उठाती ही हैं। जबकि दो साल पूरे करते - करते उसी बच्चे का वजन 13 से 18 किलो तक हो जाता है। इसलिए जब आप बच्चे को उठाएं, तो इसके लिए कमर पर प्रेशर न डालें। बेशक अगर आप संभलकर कर बच्चे को उठाएंगी, तो आप बैक पेन की प्रॉब्लम से बच सकती हैं।

जरूर करें स्ट्रेचिंग

अगर आप रेग्युलर एक्सर्साइज नहीं कर पा रही हैं , तो मसल्स को फिट रखने के लिए इलास्टिक सिंपल स्ट्रेचेज की मदद लें। लंबर स्पाइन को मजबूत बनाने के लिए फिजियोथेरपिस्ट दोनों टांगों को चेस्ट तक उठाने की सलाह देते हैं। इसलिए जब आप बेड पर हों , तो यह स्ट्रेच पांच बार लिए करें।

संभलकर लें प्रैम

कई महिलाएं बैक पर होने वाले स्ट्रेन की वजह प्रैम के गलत डिजाइन को बताती हैं। इसलिए ध्यान रखें कि इसका हैंडल आपकी लंबाई के अनुसार होना चाहिए और आपसे ज्यादा दूर भी नहीं होना चाहिए, ताकि आपको आगे की ओर झुकना ना पड़े। ज्यादा लंबाई वाली माएं अडजस्टेबल - हैंडल वाले प्रैम ही चुनें।

काम के दौरान रखें ख्याल

कमरदर्द से बचना है, तो घर का काम करने के दौरान भी आपको कुछ बातों का ध्यान रखना होगा। मसलन निचली शेल्फ साफ करते हुए ज्यादा झुकना नहीं है, तो ऊंची शेल्फ से कुछ उठाने के लिए आपको ज्यादा उचकना भी नहीं है। इसके लिए मजबूत स्टूल या छोटी सीढ़ी का प्रयोग करें। इसी तरह ऊंचे कोने साफ करने के लिए ऊंचा वैक्यूम क्लीनर यूज करें।

न पहनें ज्यादा हील्स

एक या डेढ़ इंच की हील्स वाली सैंडल तो ठीक हैं , लेकिन इससे ज्यादा हील्स काफ मसल्स को छोटा कर सकती हैं। दरअसल , इससे कमर के निचले हिस्से पर खिंचाव पड़ता है। अगर आप इस मामले में सावधानी बरतेंगी, तो आपकी कमर दर्द से बची रहेगी।

ज्यादा वजन न उठाएं

कभी भी एक साथ ज्यादा वजन उठाने की कोशिश ना करें। बेहतर होगा कि सुपर मार्केट में शॉपिंग करते वक्त ट्रॉली की बजाय बास्केट में सामान इकट्ठा करें। इससे आपको अंदाजा रहेगा कि आपने कितने वजन का सामान खरीदा है। साथ ही, एक हाथ में सामान उठाने की बजाय दोनों हाथों में आधा - आधा सामान लें। इससे स्पाइन को एक ओर झुकना नहीं पड़ेगा और इस पर जोर भी कम पड़ेगा। इसके अलावा अपने पॉस्चर पर भी ध्यान दें।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आयुष्मान खुराना का टाइम मैगजीन के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों में आया नाम

टाइम पत्रिका द्वारा विश्व के सर्वाधिक प्रभावशाली व्यक्तियों की सूची में शामिल अभिनेता आयुष्मान खुराना ने बुधवार को कहा कि सिनेमा द्वारा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना हमेशा से उनका लक्ष्य रहा है। खुराना ने रियलिटी शो में प्रतिभागी के तौर पर शुरुआत की थी और तब से उन्होंने लोकप्रिय टीवी कार्यक्रमों के संचालन से लेकर फिल्मों तक कई भूमिकाएं निभाई हैं। उन्होंने बॉलीवुड में 2012 में 'विकी डोनर' से कदम रखा और बाद में उन्होंने 'दम लगा के हईशा', 'बरेली की बर्फी', 'शुभ मंगल सावधान', 'बधाई हो' और 'आर्टिकल 15' जैसी सामाजिक मुद्दों पर आधारित फिल्मों से खुद को स्थापित किया। टाइम पत्रिका की सूची में स्थान पाने वाले वह पांच भारतीयों में से एक हैं।

खुराना के अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई, लंदन स्थित डॉक्टर रविंद्र गुप्ता और शाहीन बाग की 'दादी' शामिल हैं। खुराना सबसे कम उम्र के भारतीय हैं जिन्हें इस साल टाइम पत्रिका में स्थान मिला। उन्होंने कहा कि वह इस सम्मान के लिए आभारी हैं।

खुराना ने एक वक्तव्य में कहा, 'एक कलाकार के तौर पर, मैंने सिनेमा के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए काम किया है। यह क्षण मेरी मान्यताओं और विचारों को पुष्ट करता है।' खुराना ने कहा कि उनका मानना है कि सिनेमा में इतनी शक्ति है कि इसके द्वारा समाज में लोगों के बीच सही मुद्दे उठाकर बदलाव लाया जा सके।

अजय देवगन के बारे में अमिताभ बच्चन की भविष्यवाणी जो सच साबित हुई

बात उन दिनों की है जब फिल्म में हीरो या हीरोइन बनने के लिए रंग और रूप पर खास ध्यान दिया जाता था। यदि कोई सांवला या सांवली है तो उसके अवसर खत्म। कोई उसे मौका नहीं देता था। पुरानी फिल्मों में तो हीरो भी हीरोइन जैसे मेकअप किया करते थे।

अजय देवगन ने जब हीरो बनने की सोची तो उनका मजाक बनाने वाले कम नहीं थे। अजय साधारण सूरत वाले इंसान हैं और इसे उन्होंने कभी कमी नहीं माना। उल्टे उन हीरो से ज्यादा सफलताएं हासिल की जो दिखने में उनसे मीलो आगे हैं।

फाइट मास्टर वीरू देवगन के बेटे ने जब फूल और कांटे साइन की तो लोगों ने निर्माता-निर्देशक को समझाया कि किसे हीरो ले रहे हो। फिल्म पहले शो से फ्लॉप हो जाएगी।

अजय की शक्ल-सूरत की खिल्ली उड़ाई गई, लेकिन अमिताभ बच्चन की राय सबसे जुदा थी। बिग बी ने चेहरे के पीछे के अभिनेता को पढ़ लिया। उन्होंने अजय को 'डार्क हॉर्स' कहा। यानी कि ऐसा इंसान जिसकी जीत पर किसी को यकीन नहीं होता है और वह नंबर वन आ जाता है।

अमिताभ की भविष्यवाणी सही साबित हुई और बिग बी की कसौटी पर अजय खरे उतरे। पहली फिल्म से ही अजय देवगन बॉलीवुड में छा गए।

अजय देवगन की पहली फिल्म 'फूल और कांटे' यश चोपड़ा की 'लम्हें' के सामने रिलीज हुई थी। लम्हें में अनिल कपूर और श्रीदेवी जैसे सितारे थे। फिल्म का खूब जम कर प्रचार-प्रसार किया गया था।

फूल और कांटे के निर्माता को लोगों ने सलाह दी कि वे अपनी फिल्म को 'लम्हें' के सामने प्रदर्शित ना करें, लेकिन वे नहीं माने। अजय की फिल्म ने न केवल 'लम्हें' से जमकर टक्कर ली बल्कि सफल भी हुई। उसके बाद अजय ने फिर पीछे मुड़ कर नहीं देखा।

सोनू सूद ने फिर जीता दिल, ट्यूमर से पीड़ित लड़की का कराया ऑपरेशन

बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद कोरोना काल में लोगों की दिल खोलकर मदद कर रहे हैं। लॉकडाउन के दौरान कई प्रवासी मजदूरों को उनके घर पहुंचाने के बाद सोनू सूद ने मदद का सिलसिला अबतक जारी रखा है। इस बार वह बिहार के आरा की रहने वाली एक लड़की दिव्या की मदद के लिए आगे आए हैं।

दिव्या पैंक्रियास के ट्यूमर से पीड़ित हैं। दिव्या की बहन नेहा ने सोशल मीडिया पर अभिनेता को टैग किया था और उन्हें अपनी बहन की बीमारी के बारे में जानकारी दी थी। उन्होंने लिखा था कि उनकी बहन की तबियत खराब है और उन्हें सर्जरी की सख्त जरूरत है। लॉकडाउन की वजह से उनकी बहन का तय तारीख पर दिल्ली एम्स में इलाज नहीं हो सका।

उन्होंने सोनू सूद से अनुरोध किया था कि वह एम्स में उनकी बहन की सर्जरी की व्यवस्था में मदद कर दें। इसके अलावा वह कुछ नहीं चाहते।

नेहा के ट्वीट का जवाब देते हुए सोनू सूद ने लिखा, 'आपकी बहन मेरी बहन है। एक अस्पताल में व्यवस्था कर दी गई है और उनके स्वास्थ्य की देखभाल करना अब मेरी जिम्मेदारी है।' सोनू सूद की पहल पर, एम्स ऋषिकेश में दिव्या का सफलतापूर्वक इलाज हुआ। सर्जरी के बाद उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

बता दें ?कि सफल सर्जरी करने वाली टीम में वैस्कुलर सर्जरी के डॉ. मधुर उनियाल, शल्य चिकित्सा के डॉ. अभिषेक अग्रवाल और एनेस्थिसिया विभाग के डॉ. वाईएस पयाल, डॉ. अजीत कुमार शामिल थे। डीन एकेडमिक प्रोफेसर मनोज गुप्ता ने बताया कि महिला का यह ऑपरेशन बहुत ही चुनौतीपूर्ण था। महिला के ट्यूमर का ऑपरेशन बीती 11 सितंबर को किया गया, जबकि 20 सितंबर को महिला को छुट्टी दे दी गई है।

ड्रग्स कनेक्शन में दीपिका पादुकोण के बाद दीया मिर्जा का नाम, बोली- लड़ूंगी कानूनी लड़ाई

अभिनेत्री दीया मिर्जा ने मंगलवार को इस खबर को खारिज कर दिया कि वे मादक पदार्थ खरीदने और सेवन करने में शामिल रही हैं। उन्होंने कहा कि यह दावा 'दुर्भावना' से किया जा रहा है और वे इस मामले में कानूनी मार्ग अख्तियार करेंगी।

मिर्जा का नाम तब खबरों में आया जब नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने अभिनेत्री दीपिका पादुकोण की प्रबंधक करिश्मा प्रकाश और टैलेंट मैनेजमेंट एजेंसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी धुर्व चिटगोपेकर को कथित बॉलीवुड-ड्रग साठगांठ के सिलसिले में तलब किया।

फिल्म 'संजू ' की अभिनेत्री ने लिखा कि मैं इस खबर को झूठा, बेबुनियाद और दुर्भावनापूर्ण करार देते हुए दृढ़ता एवं स्पष्टता से उससे इनकार करती हूं। उन्होंने लिखा कि ऐसी ओछी रिपोर्टिंग का मेरी प्रतिष्ठा पर सीधा असर हुआ है और वह दागदार हुई है तथा मेरे करियर को नुकसान पहुंच रहा है जिसे मैंने सालों की कठिन मेहनत से बनाया है।

मिर्जा (38) ने कहा कि मैंने कोई भी मादक पदार्थ न कभी खरीदा और न कभी सेवन किया। मेरा इरादा भारत के कानून का पालन करने वाले नागरिक के रूप में मेरे पास उपलब्ध कानूनी उपचार का पूरा उपयोग करने का है। मेरे साथ खड़े रहने के लिए मैं समर्थकों को धन्यवाद देती हूं। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में मादक पदार्थ पहलू की एनसीबी द्वारा जांच के दौरान ड्रग के साथ बॉलीवुड का कथित संबंध सामने आया।

अर्जुन रामपाल ने फिल्म NailPolish से शेयर किया फर्स्ट लुक, लॉकडाउन के बाद शूटिंग पर लौटे

अर्जुन रामपाल ने अपने आगामी प्रोजेक्ट नेलपॉलिश शीर्षक से अपने लुक को साझा किया है। कोरोनोवायरस महामारी के बीच अभिनेता हाल ही में काम पर लौटे और अपने प्रशंसकों से चालक दल के स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करने के लिए कहा।

तस्वीर में अभिनेता अर्जुन रामपाल ने नीले रंग का रेशम के कुर्ता पहना हुआ है और किसी से बातचीत करते दिखाई दे रहे है। उन्होंने अपने सह-कलाकार मानव कौल की एक तस्वीर भी साथ में साझा की है। जिन्हें फनी मूड में देखा जा सकता है।

अर्जुन अपनी मॉडल गर्लफ्रेंड गैब्रिएला डेमेट्रियड्स और उनके एक साल के बेटे अरीक के साथ, लॉकडाउन के दौरान कर्जत में एक लंबे हॉलीडे पर फंस गए थे। उन्होंने कहा 'हमने अपने बेटे की सुरक्षा के लिए वहा से वापस आने का फैसला किया। जबकि वह अभी बहुत छोटा है, यह उसके बड़े होने पर उसे बताने के लिए एक कहानी होगी। कर्जत से मुंबई कुछ ही घंटों का सफर है।

इस जोड़े ने इंस्टाग्राम पर कर्जत में अपने समय की झलक भी

साझा की थी। अर्जुन ने उस स्थान से एक वीडियो साझा किया था जिसमें एक बड़ा स्विमिंग पूल, इसके अलावा लंबा खजूर का पेड़ भी दिखाई दे रहा है। और एक जिम था। इसने उन्हें बोर्ड गेम खेलते हुए, एक गोल्डन रिट्रीवर और एरिक के साथ समय बिताते हुए दिखाया।

शादी के 13 दिन बाद पूनम पांडे ने पति पर लगाया मारपीट का आरोप, गोवा में गिरफ्तार

मॉडल और एक्ट्रेस पूनम पांडे ने बीते 10 सितंबर को सैम बॉम्बे संग गुपचुप शादी की थी। अब शादी के महज 13 दिन बाद ही पूनम पांडे की शादीशुदा जिंदगी परेशानियों में घिर गई है। पूनम पांडे के पति को गोवा में गिरफ्तार कर लिया गया है।

पूनम ने अपने पति के खिलाफ पुलिस में शिकायत की थी। सैम बॉम्बे के खिलाफ शारीरिक उत्पीड़न, धमकी देने और मारपीट करने के आरोप हैं। पुलिस में दर्ज शिकायत के मुताबिक, दक्षिण गोवा के कानाकोना गांव में पूनम पांडे किसी फिल्म की शूटिंग कर रही थीं। यह घटना तभी की है।

खबरों के अनुसार कानाकोना पुलिस थाने के इंस्पेक्टर के मुताबिक, पूनम ने अपनी शिकायत में कहा है कि सोमवार की रात उनके पति ने उन्हें मोलेस्ट किया और मारपीट की। इतना ही नहीं, पूनम ने यह भी कहा कि सैम बॉम्बे ने उन्हें अंजाम भुगतने की भी धमकी दी है।

पूनम की शिकायत के बाद उनके पति सैम बॉम्बे को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनका अब मेडिकल टेस्ट होना है, जिसके बाद सैम को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

बता दें पिछले हफ्ते ही पूनम अपने पति के साथ हनीमून मनाने गईं थीं। इस दौरान पूनम अपने पति सैम बॉम्बे के साथ सिंपल अवतार में नजर आईं थीं। उनकी मांग में सिंदूर था और उन्होंने हाथों में चूड़ा और गले में मंगलसूत्र भी पहन रखा था।दोनों हनीमून के लिए गोवा पहुंचे थे।

गौरतलब है कि साल 2011 में भारत के क्रिकेट विश्व कप जीतने पर अपनी न्यूड तस्वीरें सोशल मीडिया पर डालने की घोषणा कर पूनम पांडे रातों रात चर्चा में आ गईं थीं। हालांकि बाद में पूनम ने कहा था कि वो अब इस तरह के बयानों से दूर रहना चाहती हैं।

एक्ट्रेस पायल घोष के आरोपों के बाद निर्देशक अनुराग कश्यप के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

अभिनेत्री पायल घोष के यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने के बाद मुम्बई पुलिस ने फिल्मकार अनुराग कश्यप के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। कश्यप पहले ही इन आरापों को '' निराधार'' बता चुके हैं। अधिकारी ने बताया कि अभनित्री के अपने वकील नितिन सातपुते के साथ पुलिस से शिकायत करने के बाद वर्सोवा पुलिस थाने में मंगलवार देर रात प्राथमिकी दर्ज की गई। अधिकारी ने बताया कि भादंव की धारा 376(ङ्घ), 354, 341 और 342 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

मामले की जांच जारी है। उन्होंने बताया कि सात साल पुराने (2013 के) मामले में पूछताछ के लिए कश्यप को बुलाया जाएगा। अभिनेत्री ने अपनी शिकायत में कश्यप पर 2013 में वर्सोवा में यरी रोड स्थित एक स्थान पर उनके साथ बलात्कार करने का आरोप लगाया है। अधिकारी ने बताया कि अभिनेत्री और उनके वकील सोमवार को ओशिवारा पुलिस थाने गए थे। वहां उन्हें वर्सोवा पुलिस थाना जाने को कहा गया क्योंकि घटना उसी न्यायिक क्षेत्र की है। वे ओशिवारा पुलिस थाने इसलिए गए थे क्योंकि कश्यप का कार्यालय उस इलाके में है।

सातपुते ने मंगलवार रात ट्वीट किया, '' अंतत- आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म, गलत तरीके से रोकने.... और महिला का शील भंग करने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई।'' अभिनेत्री ने शनिवार को ट्वीट कर कश्यप के खिलाफ उनके साथ यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया था। वहीं, कश्यप ने इन आरोपों को खारिज करते हुए इस उन्हें ''खामोश'' करने का प्रयास करार दिया है। कश्यप के वकील ने ट्वीट किया, '' मेरे मुवक्किल अनुराग कश्यप, इन गलत आरोपों से बेहद दुखी हैं, ये पूरी तरह से झूठे, निंदनीय और गलत हैं।